CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 21°C
न्यूनतम : 09°C

मुजफ्फरनगर, मंगलवार 9 दिसम्बर 2025 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 26 अंक 328 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | पौष कृष्ण पक्ष 4 विक्रमी सम्वत् 2082 | 17 जमादिउल उखरा 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

घुसपैठियों को किसी भी कीमत पर संरक्षण नहीं: योगी पेज 2

टी-20 में जीत के साथ आगाज करने उतरेगी टीम इंडिया खेल टाइम्स

हरित हाइड्रोजन की ओर बढ़ते कदम सम्पादकीय

क्रिप्टो घोटालेबाजों पर ईडी ने कसा शिकंजा पेज 12

वंदे मातरम पर कांग्रेस ने किया विश्वासघात: मोदी

कहा: कांग्रेस वंदे मातरम के बंटवारे के लिए झुकी और मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेके

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर वंदे मातरम के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि तुष्टीकरण की राजनीति के दबाव में कांग्रेस वंदे मातरम के बंटवारे के लिए झुकी और मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए।

श्री मोदी ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर लोकसभा में सोमवार को चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि वंदे मातरम के प्रति मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति तेज होती जा रही थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने पंद्रह अक्टूबर 1937 को लखनऊ में वंदे मातरम के विरोध का नारा बुलंद किया तब कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। जवाहर लाल नेहरू ने ऐसे समय मुस्लिम लीग को जवाब देने और कांग्रेस की वंदे मातरम में निष्ठा को प्रकट करने के बजाय वंदे मातरम की ही पड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि विरोध के पांच दिन बाद बीस अक्टूबर को जवाहर लाल नेहरू ने सुभाष चंद्र बोस को चिट्ठी लिखी और इसमें उन्होंने जिन्ना की भावना से अपनी सहमति जताई, जिसमें कहा गया कि यह गीत मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस को जो पत्र लिखा गया उसमें जवाहर लाल नेहरू ने कहा कि मैंने वंदे मातरम का बैकग्राउंड पढ़ा है और मुझे लगता है इससे मुस्लिम भड़केंगे। इसके बाद कांग्रेस की तरफ से बयान आया कि 26 अक्टूबर से कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक में वंदे मातरम की समीक्षा होगी। इससे पूरा देश हैरान था। पूरे देश में इसके विरोध में प्रभात फेरियां निकाली। दुर्भाग्य है कि कांग्रेस ने वंदे मातरम पर समझौता कर लिया। वंदे मातरम के टुकड़े कर दिए।। कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के दबाव में कांग्रेस वंदे मातरम के बंटवारे के लिए झुकी, इसलिए कांग्रेस को एक दिन भारत के बंटवारे के लिए झुकना पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से कांग्रेस की नीतियां आज भी वैसे ही हैं। आज भी कांग्रेस और उनके सहयोगी वंदे मातरम पर विवाद खड़ा करने की कोशिश करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि वंदेमातरम पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की भावना क्या थी वह भी सदन के समक्ष रखना चाहता हूं। उस समय दक्षिण अफ्रीका से इंडियन ओपिनियन नाम की एक पत्रिका निकलती थी, जिसमें दो दिसम्बर 1905 में महात्मा गांधी ने लिखा था यह गीत वंदेमातरम जिसे बंकिम चंद्र ने रचा है, पूरे बंगाल में अत्यंत लोकप्रिय हो गया है। स्वदेशी आदोलन के पक्ष में विशाल सभाएं हुई जहां लाखों लोगों ने ये गीत गाया। उन्होंने लिखा कि यह गीत इतना लोकप्रिय हो गया जैसे ये हमारा राष्ट्रीय गान बन गया है। यह अन्य राष्ट्रों की गीतों से मधुर है। यह भारत को मां के रूप में देखता है और उसकी स्तुति करता है। उन्होंने कहा कि जो वंदे मातरम महात्मा गांधी को राष्ट्रीय गान के रूप में दिखता -**शेष पृष्ठ दो पर**

- **मोहम्मद अली जिन्ना ने पंद्रह अक्टूबर 1937 को लखनऊ में वंदे मातरम के विरोध का नारा किया था बुलंद**
- **तब कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा था**

आसाराम केस: सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता की याचिका की खारिज

अंतरिम चिकित्सा जमानत नहीं होगी रद्द

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। आसाराम बापू से जुड़े बहुचर्चित यौन-शोषण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें मिली अंतरिम चिकित्सा जमानत को रद्द करने से इन्कार कर दिया है। सोमवार को दिए गए आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका खारिज करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा दी गई राहत में हस्तक्षेप करने से साफ मना कर दिया।

हालांकि अदालत ने यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि वर्ष 2018 से लंबित आपराधिक अपील का शीघ्र निस्तारण आवश्यक है और राजस्थान हाई कोर्ट से इसे तीन माह के भीतर निपटाने के लिए कहा है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। पीठ ने स्पष्ट किया कि वर्तमान परिस्थितियों में हाईकोर्ट द्वारा दी गई चिकित्सा जमानत को रद्द करने का कोई आधार नहीं बनता, लेकिन मामले की लंबित स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है। शिकायतकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि आईपीसी और पोक्सो अधिनियम के तहत गंभीर आरोपों में दोषसिद्ध व्यक्ति को इस तरह से बार-बार अंतरिम राहत देना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आसाराम ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है और चिकित्सा जमानत की अवधि के दौरान सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लिया। साथ ही यह भी तर्क रखा गया कि आसाराम ऐसी 'वनस्पतिक अवस्था' में नहीं हैं, जैसा कि हाईकोर्ट के आदेशों में दर्शाया गया था। आसाराम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने पक्ष रखा। वहीं राजस्थान राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा और अधिवक्ता सोनाली गौर उपस्थित रहे। राज्य सरकार के अधिवक्ताओं ने शिकायतकर्ता की आपत्तियों का समर्थन करते हुए अपील की असामान्य देरी और पूर्व में ज़मानत शर्तों के उल्लंघन की ओर भी अदालत का ध्यान आकर्षित किया।

अदालत ने कहा: हाईकोर्ट तीन माह में निपटाए लंबित अपील

भारत विरोधी पोस्ट के आरोपी प्रोफेसर को मिली जमानत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोशल मीडिया पर 'भारत विरोधी और अभद्र बयान' पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार असम के गोसाईगांव महाविद्यालय के निलंबित प्रोफेसर जोयनाल आबेदीन को सोमवार को जमानत दे दी। श्री आबेदीन को जमानत देते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह भी साफ कर दिया कि जमानत के आदेश को उन्हें नौकरी पर वापस रखने का आधार नहीं माना जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आबेदीन छह महीने से हिरासत में हैं और मुकदमे में काफी समय लगने की संभावना है, क्योंकि अभियोजन पक्ष को अभी भी चार गवाहों से पूछताछ करनी है। उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया कि इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए उन्हें जमानत बांड जमा करने की शर्त पर रिहा किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर में पारा 5.7 डिग्री, 10 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। उत्तर भारत में शीतलहर का असर जारी है। पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में रविवार को न्यूनतम तापमान तीन से सात डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। मप्र के ज्यादातर शहरों में रविवार को पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर सहित कई जिलों में शीतलहर चली। इंदौर में सर्दी का 10 साल का रिकार्ड टूट गया। यहां रविवार रात को 5.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। इससे पहले 24 दिसम्बर 2015 को इंदौर में सबसे कम तापमान 7डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। यूपी के 20 जिलों में सोमवार को इस सीजन का पहली बार घना कोहरा देखने को मिला। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी समेत कई जिलों में विजिबिलिटी इतनी कम हो गई कि सड़कों पर 10 मीटर दूर भी कुछ नजर नहीं आ रहा था। अयोध्या सबसे ठंडा शहर रहा। यहां पारा 5.5डिग्री सेल्सियस डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

गोवा नाइट क्लब हादसा: अग्निकांड में पांचवीं गिरफ्तारी

नई दिल्ली। गोवा के एक नाइट क्लब में भीषण आग लगने की घटना के मामले में दिल्ली से एक गिरफ्तारी हुई है। इस अग्निकांड में 25 लोगों की जान चली गई थी। राज्य पुलिस ने दिल्ली से नाइट क्लब के एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है। यह गिरफ्तारी मामले की जांच में एक नया मोड़ ला सकती है। सूत्रों के अनुसार, हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान भरत कोहली के रूप में हुई है, जो दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके का निवासी है। कोहली पर नाइटक्लब के दैनिक संचालन की देखरेख की जिम्मेदारी थी। उसकी संलिप्तता नाइटक्लब के एक प्रबंधक से पूछताछ के दौरान सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। कोहली को आगे की पूछताछ के लिए गोवा ले जाया जाएगा। यह आग शनिवार रात को उत्तरी गोवा के अरापोरा में स्थित बिर्च बाय रोमियो लेन नामक नाइट क्लब में लगी थी। दुखद बात यह है कि आग की चपेट में आने वालों में अधिकांश नाइट क्लब के कर्मचारी ही थे।

बाबरी जैसी मस्जिद के लिए 11 पेटी चंदा मिला

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने 6 दिसम्बर को बाबरी जैसी मस्जिद की नींव रखी। बाबरी विध्वंस की 33वीं बरसी पर इस मस्जिद की आधारशिला रखी गई। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की। अब इस मस्जिद के लिए जुटाए चंदे का एक वीडियो सामने आया है। हुमायूं कबीर ने फेसबुक पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कुछ लोग नोट गिनते नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि शिलान्यास समारोह में 11 पेटी चंदा इकट्ठा हुआ, जिसे गिनने के लिए 30 लोग और नोट गिनने की मशीन लगानी पड़ी। विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को घोषणा की कि वह फरवरी में 1 लाख लोगों से कुरान का पाठ करवाएंगे।

इंडिगो उड़ान संकट 'गंभीर' पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इन्कार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो एयरलाइंस की ओर से बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने और देरी के कारण देश भर में उत्पन्न यात्री संकट पर सोमवार को चिंता व्यक्त की, लेकिन इसमें तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इन्कार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की खंडपीठ ने अपनी टिप्पणी में कहा कि लाखों यात्री हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं और इस व्यवधान के कारण कई लोगों को स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा होगा। न्यायालय ने यह देखते हुए तत्काल सुनवाई से इन्कार कर दिया कि केंद्र सरकार ने पहले ही इस संकट का संज्ञान ले लिया है और वह इस पर कार्रवाई कर रही है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है। लाखों लोग हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। हम जानते हैं कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और अन्य कठिनाइयां हो सकती हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने समय पर कार्रवाई की है और इस मुद्दे का संज्ञान लिया है। इस मामले को लेकर शीघ्र सुनवाई के लिए दायर याचिका में दावा किया गया कि एयरलाइन में परिचालन संसाधनों की कमी, विशेष रूप से गंभीर पायलट संकट और नए 'फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन' (एफडीटीएल) मानदंडों को लागू करने में कठिनाइयों के कारण, यात्रियों को पर्याप्त सूचना दिए बिना बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द की जा रही हैं।

इंडिगो संकट: 7वें दिन 500+ फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ान सेवाएं सोमवार को भी पटरी पर नहीं लौट सकीं हैं। दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद एयरपोर्ट से अब तक 500 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। एक दिन पहले भी एयरलाइन ने 650 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी थीं। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि हालात रोज बेहतर हो रहे हैं। 10 दिसम्बर तक ऑपरेशन नार्मल होने की उम्मीद है। वहीं इंडिगो ने दावा किया कि उसने पूरा नेटवर्क रीस्टोर कर लिया है। फ्लाइट आपरेशंस 91 फीसदी आन टाइम चल रहा है जो कि रविवार से 75 फीसदी ज्यादा है। उधर, राज्यसभा में सिविल एविएशन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि इंडिगो संकट उसके क्रू रोस्टरिंग और इंटरनल प्लानिंग सिस्टम में समस्याओं के कारण हुआ। इससे यात्रियों को काफी दिक्कतें हुईं। हम इसे हल्के में नहीं लेंगे। जांच जारी है।

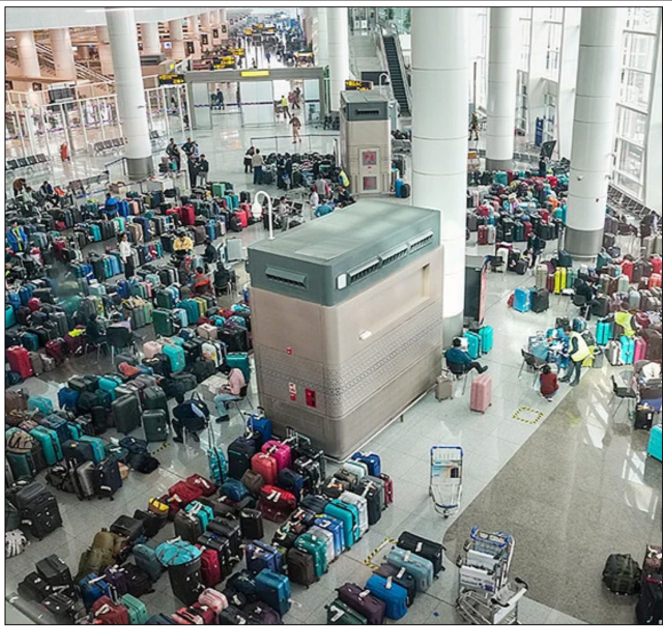

नई दिल्ली: इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान के कारण इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों का सामान जमा हो गया।

जापान में भूकंप के तेज झटके 7.6 रही तीव्रता सुनामी का अलर्ट

टोक्यो। जापान के उत्तर-पूर्वी तट पर 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया है। भूकंप का केंद्र आओमोरी प्रांत के तट से 80 किमी दूर, 50 किमी की गहराई पर था। भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने कहा है कि भूकंप आओमोरी और होक्काइडो के तट पर आया, उत्तर-पूर्वी तट पर तीन मीटर ऊंची सुनामी आ सकती है। अभी किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी जारी की है कि भूकंप के बाद उत्पन्न खतरनाक सुनामी लहरें जापान और रूस के तटों को प्रभावित कर सकती हैं, इसके अलावा भूकंप के केंद्र से 1,000 किमी के दायरे में आने वाले किसी भी क्षेत्र में विनाशकारी लहरों का खतरा बना हुआ है।

जितने साल से मोदी पीएम, उतने साल नेहरू जेल में रहे: प्रियंका

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केरल की वायनाड सीट से चुनकर लोकसभा पहुंचीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लिया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि संसद में इस समय ये चर्चा इसलिए कराई गई, क्योंकि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं।

प्रियंका गांधी ने संसद में आगे कहा कि वंदे मातरम केवल भावना नहीं, बल्कि देश की आजादी की लड़ाई की ताकत और नैतिकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस गीत ने ब्रिटिश साम्राज्य को भी झुकने पर मजबूर किया था। प्रियंका ने कहा कि वंदे मातरम नाम लेते ही स्वतंत्रता संग्राम की यादें और उसका साहस सामने आ जाता है। उन्होंने आगे कहा कि 1930 के दशक में सांप्रदायिक की राजनीति उभरी तब ये गीत विवादित होने लगा। उन्होंने आगे कहा कि 1937 में नेताजी कोलकाता में कांग्रेस अधिवेशन का आयोजन कर रहे थे। 20 अक्टूबर का लेटर उन्होंने सुनाया, लेकिन इससे पहले उन्होंने नेहरू को एक चिट्ठी लिखी थी, इसका पीएम मोदी ने जिक्र नहीं किया। प्रियंका गांधी ने कहा कि हम देश के लिए हैं, आप चुनाव के लिए हैं। 17 अक्टूबर को चिट्ठी के जवाब में नेहरू ने 20 अक्टूबर की चिट्ठी में लिखा कि मैंने तय किया है कि मैं 25 अक्टूबर को कोलकाता आऊंगा, टैगोर से मिलूंगा। 28 अक्टूबर को कांग्रेस ने वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित किया। इस कार्यसमिति की बैठक में सभी महापुरुष मौजूद थे। सभी इस प्रस्ताव से खुश थे। सहमत थे। संसद में वंदे मातरम पर हो रही बहस के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सवाल उठाया कि आखिर इसकी जरूरत क्या थी। उन्होंने कहा कि यह गीत 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा रहा है और 75 साल से आज़ाद भारत में जनता के दिलों में बसता आया है। प्रियंका ने पूछा कि आज इस पर बहस कर सरकार क्या साबित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष को जनता की जिम्मेदारियों पर ध्यान देना चाहिए, न कि ऐसे मुद्दों पर विवाद खड़ा करना चाहिए। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में वंदे मातरम पर चल रही बहस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि संविधान सभा द्वारा स्वीकृत वंदे मातरम के स्वरूप पर सवाल उठाना रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, मौलाना आजाद और भीमराव आंबेडकर जैसे महान नेताओं का अपमान है। प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री 12 साल से देश चला रहे हैं, और यह वही अवधि है जितने साल पंडित नेहरू ने आज़ादी की लड़ाई में जेल में बिताए थे।

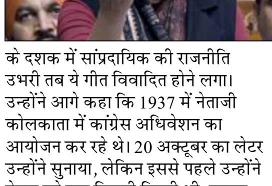

- **कहा: वंदे मातरम केवल भावना नहीं, बल्कि देश की आजादी की लड़ाई की ताकत और नैतिकता का प्रतीक है**

राजधानी दिल्ली की हवा बेहद खराब

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में हवा की दिशा बदलने से प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है। ऐसे में सोमवार सुबह की शुरुआत धुंध और हल्के कोहरे से हुई।

वहीं, आसमान में स्मॉग की हल्की चादर भी दिखाई दी। इसके चलते दृश्यता भी कम रही। इस दौरान लोग मास्क पहने नजर आए। साथ ही, सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 314 दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। इसमें रविवार की तुलना में छह सूचकांक की वृद्धि दर्ज की गई। एनसीआर में नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 330 दर्ज किया गया, यह बेहद खराब श्रेणी है। वहीं, गाजियाबाद में 309, ग्रेटर नोएडा में 302 और गुरुग्राम में 278 एक्यूआई दर्ज किया गया।

- **बीते 24 घंटे में छह अंक बढ़कर 314 पहुंचा एक्यूआई**

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी मानहानि केस में मंगलवार को होगी सुनवाई

सुलतानपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व रायबरेली सांसद राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई सोमवार को सुलतानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई। इस दौरान राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने गवाह राम चंद्र दुबे से जिरह की। कोर्ट शेष बयान दर्ज करने के लिए मंगलवार को फिर सुनवाई करेगी। यह मामला वर्ष 2018 का है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। हनुमानगंज निवासी मिश्रा ने आरोप लगाया था कि 2018 के कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पांच साल तक अदालती कार्यवाही चली है। राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसम्बर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी थी।

प्रतिबंधित कफ सिरप मामले में दो गिरफ्तार

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी जिले की कोतवाली पुलिस ने कोडीन युक्त प्रतिबंधित कफ सिरप की अवैध खरीद-फरोख्त के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार कोतवाली थाने में पहले से दर्ज मुकदमों में धारा 26 डी एनडीपीएस एक्ट तथा धारा 61(2), 318(2), 340(2) बीएनएस और धारा 8/21/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत शुभम जायसवाल, भोला प्रसाद एवं अन्य के विरुद्ध चल रहे मामले में दोनों आरोपियों को कोतवाली परिसर से पूछताछ के बाद रविवार देर शाम गिरफ्तार किया गया।

एसआईआर को उप्र में लेकर राजनीतिक माहौल गरम

घुसपैठियों को किसी भी कीमत पर संरक्षण नहीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ अवैध घुसपैठियों को लेकर मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशवासियों के नाम लिखा मार्मिक पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एसआईआर को लेकर गरम राजनीतिक माहौल के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के के नाम चिट्ठी लिखकर सावधान रहने की अपील की है और साथ ही कहा है कि घुसपैठियों को किसी भी कीमत पर संरक्षण नहीं दिया जा सकता।

योगी ने एक्स पर प्रदेशवासियों को संबोधित पत्र जारी करते हुए कहा कि न्यायालय की हालिया टिप्पणी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि घुसपैठियों को किसी भी कीमत पर संरक्षण नहीं दिया जा सकता। सरकारी संसाधनों पर पहला अधिकार प्रदेश के नागरिकों का है, न कि अवैध रूप से रह रहे लोगों का। उत्तर प्रदेश की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सुचारु कानून-व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान के लिए सभी नगर निकायों को सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों पर अनधिकृत कब्जे की सफाई आवश्यक है और योजनाओं से मिलने वाले लाभ केवल प्रदेश के नागरिकों को ही दिए जाएंगे। घुसपैठियों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। चिन्हित व्यक्तियों को डिटेंशन केंद्रों में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इसके लिए प्रत्येक मंडल में विशेष केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। योगी ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे सतर्क रहें और किसी भी व्यक्ति को घर या व्यावसायिक प्रतिष्ठान में नियुक्त करने से पहले उसकी पहचान अवश्य सत्यापित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है, क्योंकि सुरक्षा ही समृद्धि का आधार है। पत्र के अंत में मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए सरकार हर आवश्यक कदम उठा रही है।

घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई से सपा को परेशानी क्यों: केशव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार प्रदेश में घुसपैठ रोकने और अवैध तत्वों पर सख्त कार्रवाई कर रही है, लेकिन समाजवादी पार्टी को इससे परेशानी क्यों हो रही है। मौर्य ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि यदि पुलिस, प्रशासन और भाजपा घुसपैठियों के खिलाफ काम कर रहे हैं, तो समाजवादी पार्टी को दर्द क्यों हो रहा है। उनका इनसे क्या रिश्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सपा सरकार के समय ही घुसपैठियों को सूची में शामिल कर संरक्षण देने का काम किया गया। सपा के शासनकाल में आतंकियों के मुकदमों को वापस लेने के प्रयास भी किए गए थे, जो प्रदेश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ था। उपमुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव के हालिया बयानों को निराधार और भ्रम फैलाने वाला करार देते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार देश के संसाधनों को मजबूत कर रही है, जबकि अखिलेश यादव केवल दुष्प्रचार में लगे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बिहार चुनाव में प्रचार करने गए अखिलेश यादव को उम्मीद थी कि उसके बाद उन्हें यूपी की मुख्यमंत्री कुर्सी का सपना और करीब नजर आएगा, लेकिन बिहार का परिणाम आते ही उनका सपना चकनाचूर हो गया है। इसी बौखलाहट में वे लगातार उल्टे-सीधे बयान दे रहे हैं और आगे भी देते रहेंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने दावा किया कि 2047 तक समाजवादी पार्टी और इसकी नेतृत्वकारी राजनीति का भविष्य अंधकारमय होने वाला है।

एसआईआर को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रख रही भाजपा

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सीएम ने विधायकों एसआईआर अभ्यास में जुटने को कहा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की 11 दिसम्बर की बढ़ी हुई अंतिम तिथि नजदीक आने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने पूरे राज्य में अपनी संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने बूथ स्तर से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक सभी इकाइयों को सत्यापन प्रक्रिया को 'सर्वोच्च प्राथमिकता' देने के निर्देश दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायकों से स्पष्ट कहा है कि वे कम से कम एक सप्ताह तक सभी गैर-जरूरी कार्यक्रमों को किनारे रखकर पूरी तरह एसआईआर अभ्यास में जुट जाएं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसी भी कीमत पर 'घुसपैठिए' और 'गैर-कानूनी मतदाता' मतदाता सूची में न बने रहें। पार्टी इकाइयों से ऐसे नामों को तुरंत चिन्हित कर हटाने के लिए कहा गया है। पिछले हफ्ते पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिग में योगी ने कहा था कि जब विपक्ष इस प्रक्रिया का विरोध कर रहा था, उसी समय उसके कार्यकर्ता जमीन पर सक्रिय होकर नए नाम जुड़वा रहे थे और 'लाखों फर्जी वोटर' पकड़े गए थे। बीते दिनों राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष के साथ हुई बैठक में भी एसआईआर प्रमुख मुद्दा रहा। फील्ड सुपरविजन को मजबूत करने के लिए दोनों उपमुख्यमंत्रियों को 25-25 जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा मंत्रियों और वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी विशेष क्षेत्रों की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि सत्यापन में शत प्रतिशत सटीकता सुनिश्चित की जा सके। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेता अमेठी, रायबरेली जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलों में लगातार दौरे कर रहे हैं और जिला इकाइयों के साथ बैठकें कर प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। भाजपा ने अपने पन्ना प्रमुखों और बूथ स्तर की टीमों को सक्रिय कर दिया है। इन्हें घर-घर संपर्क अभियान चलाने, हटाने के लिए चिह्नित वोटरों की मदद करने तथा पुनरीक्षण के दौरान फैलने वाली गलत सूचनाओं का जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा खोखले प्रतीकवाद में लिप्त: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। लोकसभा में वंदे मातरम पर विशेष चर्चा शुरू होने के बाद जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि वह खोखले प्रतीकवाद में लिप्त है।

नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर बहस की शुरुआत की। महबूबा ने सवाल किया कि इस तरह के राजनीतिक नाटक से बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी और लाखों भारतीयों को प्रभावित करने वाली अन्य गंभीर मुद्दों का समाधान कैसे होगा। एक्स पर एक पोस्ट में महबूबा ने कहा कि संसद 150 साल पुराने वंदे मातरम पर बहस में व्यस्त है, जबकि इंडिगो यात्री फंसे हुए हैं और जवाब के लिए बेताब हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को परेशान करने वाले संकटों का समाधान करने के बजाय, भाजपा खोखले प्रतीकवाद में लिप्त प्रतीत होती है। महबूबा मुफ्ती देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो का जिक्र कर रही थीं, जिसने दो दिसम्बर से सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी हैं, जिससे हजारों यात्री भारत भर के हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। पीडीपी प्रमुख ने पूछा कि यह राजनीतिक नाटक कैसे नौकरियां उत्पन्न करेगा, बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करेगा या लाखों भारतीयों के वास्तविक समस्याओं से निपटेगा?

अखिलेश ने सत्ता पक्ष को कठघरे में खड़ा किया

नई दिल्ली, वार्ता

■ कहा: बताएं उनकी विचारधारा के लोगों ने कब वंदे मातरम का गायन किया

समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि जिस विचारधारा के लोगों ने स्वतंत्रता आंदोलन में कभी भाग नहीं लिया, उसी विचारधारा के लोग आज 'वंदे मातरम' और आजादी के आंदोलन को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं।

यादव ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर लोक सभा में चर्चा में शामिल होते हुए कहा कि सत्ता पक्ष के लोग आज हर उस अच्छी चीज को अपना लेना चाहते हैं, जिसमें उनकी दूर-दूर तक सहभागिता भी नहीं रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने देश तोड़ने का काम किया, वैसी ही विचारधारा के लोग आज फिर समाज में दरार पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने को प्रखर 'राष्ट्रवादी' कहते हैं, दरअसल वे लोग 'राष्ट्रविवादी' हैं। ऐसे लोग आए दिन तरह-तरह के विवादों को जन्म देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि वंदेमातरम ऐसा गीत है, जिसने लाखों लोगों को जागरुक किया, उन्हें नई ऊर्जा दी, ताकत दी। उनके जोश से अंग्रेज घबराने लगे और वंदेमातरम का गायन करने वाले विद्यार्थियों तक को देशद्रोही करार देकर जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने कहा कि वंदेमातरम गायन मात्र के लिए नहीं है, इसकी भावना को अपनाया भी जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग आज वंदे मातरम को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं, वे बताएं कि आजादी से पहले उनकी विचारधारा से जुड़े लोगों ने कब वंदे मातरम गाया। वे बताएं कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर उन्होंने कब से अपने कार्यक्रमों या चुनावी सभाओं में लगानी शुरू की। जब सपा और बहुजन समाज पार्टी ने मिलकर उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को पराजित किया, तब से भाजपा ने संविधान निर्माता के चित्र लगाने शुरू किए। यादव ने कहा कि आज की बात करें, तो सत्ता पक्ष बताए कि इंडिगो की उड़ानें कब तक नियमित होंगी। उप्र में 26 हजार स्कूल बंद कर दिए गए, इसका जवाब कौन देगा। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम की मूल भावना देशप्रेम और भाईचारा को अपनाकर ही देश की बेहतर सेवा की जा सकेगी।

पान मसाला से संबंधित विधेयक को प्रवर समिति में भेजा जाए: विपक्ष

नई दिल्ली। राज्यसभा में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार पर पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले विधेयक 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025' को हड़बड़ी में पारित कराने का आरोप लगाते हुए इसे संघीय व्यवस्था पर प्रहार बताया तथा विधेयक को विस्तृत अध्ययन के लिए प्रवर समिति में भेजे जाने की मांग की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में शुक्रवार को पारित इस विधेयक को सोमवार को राज्यसभा में पेश किया। कांग्रेस के शक्ति सिंह गोहिल ने विधेयक पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है और उसे इसके लिए पैसे की व्यवस्था करने पर भी एतराज नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार इस विधेयक को बिना तैयारी के हड़बड़ी में लेकर आई है। उन्होंने कहा कि विधेयक का मसौदा स्पष्ट नहीं है और न ही सरकार की मंशा स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि सरकार का कहना है कि यह उपकर उत्पादन क्षमता पर लगाया जाएगा।

सेंसेक्स 85102.69
निफ्टी 25960.55

सोना रु. 128550
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 189906
प्रति किलो

शेयर बाजारों में भारी गिरावट

मुंबई, वार्ता

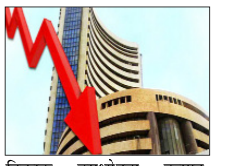

घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को भारी गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 609.68 अंक (0.71 प्रतिशत) लुढ़ककर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 225.90 अंक यानी 0.86 प्रतिशत गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। शेयर बाजारों में चौतरफा बिकवाली देखी गई। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.71 प्रतिशत और स्मॉलकैप 100 सूचकांक 2.61 प्रतिशत टूट गया। एनएसई में रियलिटी सेक्टर का सूचकांक करीब 3.5 प्रतिशत टूट गया। सार्वजनिक बैंकों के सूचकांक में भी लगभग 2.8 फीसदी की गिरावट रही। रसायन, धातु, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, स्वास्थ्य, फार्मा, ऑटो और एफएमसीजी समूहों के सूचकांक भी एक से दो प्रतिशत के बीच गिरे। सेंसेक्स में बीईएल का शेयर करीब पांच प्रतिशत लुढ़क गया। इटरनल, ट्रेंट, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस में दो से ढाई फीसदी के बीच गिरावट रही। अडानी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर में भी डेढ़ फीसदी के अधिक टूटे। एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एनटीपीसी, एलएंडटी, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एलएंडटी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी एक फीसदी से अधिक टूटे। वहीं टेक महिंद्रा का शेयर 1.4 प्रतिशत के करीब चढ़ा।

बीएसई ने इंडिगो से मांगा स्पष्टीकरण, शेयर आठ प्रतिशत लुढ़का

मुंबई। शेयर बाजार बीएसई ने विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा विमान सेवा कंपनी इंडिगो को कारण बताओ नोटिस की खबरों के संबंध में एयरलाइंस से स्पष्टीकरण मांगा है। बीएसई ने सोमवार को बताया कि एक वेबसाइट की खबर का लिक देते हुए कहा कि इसमें कहा गया है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एलबर्स को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए और समय दिया है तथा इसमें विफल रहने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

इंडिगो संकट का होटल कारोबार पर पड़ा बुरा असर

नई दिल्ली। इंडिगो संकट के कारण पिछले एक हफ्ते में देश के प्रमुख शहरों में होटल उद्योग को सबसे जडादा नुकसान हुआ है और मौजूदा अनिश्चितताओं के कारण लोगों में हवाई यात्रा को लेकर भरोसा कम हुआ है। होटल कारोबार से जुड़े लोगों ने इस तरह के विचार व्यक्त किए हैं।

नाइल हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के क्लस्टर महाप्रबंधक मनुज बहल ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में कारोबार को बहुत बड़ा झटका लगा है। होटलों की बुकिंग में 20 प्रतिशत से जडादा की गिरावट आई है। लोग होटल इसलिए बुक नहीं कर रहे हैं, क्योंकि हवाई यात्रा को लेकर उनका भरोसा कम हुआ है। गौरतलब है कि नाइल हॉस्पिटैलिटी ग्रुप उत्तर भारत में शादी समारोह के लिए एक लोकप्रिय स्थल उदयपुर में हॉवर्ड जॉनसन और रमाडा एनकोर होटल चलाता है। राष्ट्रीय राजधानी के होटलों का हाल भी अलग नहीं है। होटलों में सिर्फ निजी बुकिग ही रद्द नहीं हो रही, बल्कि कारोबारी समारोह और सम्मेलन रद्द हो गए हो गए हैं, क्योंकि इनमें शामिल होने वाले लोग यात्रा नहीं कर पा रहे हैं।

लुटियंस दिल्ली में स्थित ली मेरिडियन की उपाध्यक्ष एवं महाबंधक मीना भाटिया ने कहा कि हालात को संभालना थोड़ा मुश्किल हो गया है, क्योंकि यह देश में सबसे ज्यादा यात्रा करने वाले समय में हुआ है। वहीं नई दिल्ली के द सूर्या होटल के उपाध्यक्ष संचालन गिरीश बिद्रा ने कहा कि हमें दिक्कतें हुई, क्योंकि जिन मेहमानों को चेक आउट करके जाना था, वे जा नहीं पाए और जिन्होंने कमरे बुक किए थे, वे यात्रा नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि जैसे ही हवाई टिकटों के दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए, जिन मेहमानों को चेक आउट करना था, उन्होंने कुछ और दिनों तक वहीं रुकने का फैसला किया।

चावल, चीनी, दालें मजबूत, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के अलावा चीनी और दालों में भी तेजी रही, जबकि गेहूं टूट गया। वहीं खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 127 रुपये बढ़कर 3,858.67 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं चार रुपये सस्ता हुआ और 2,858.82 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका।

आटा 23 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। दाल-दलहनों में बढ़त रही। तुअर दाल 205 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई। मसूर दाल की कीमत 167 रुपये और चना दाल की 133 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मूंग दाल में 115 रुपये और उड़द दाल में 36 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 58 रिंगिट फिसलकर 4,094 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.72 प्रतिशत गिरकर में 51.32 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल औसतन 76 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सोया तेल 71 रुपये और सूरजमुखी तेल 66 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट में रहा। वनस्पति 112 रुपये और मूंगफली तेल 70 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल की औसत 31 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 107 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। चीनी भी 16 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वंदे मातरम...

था। यह गीत इतना महान था, तो पिछली सदी में इसके साथ इतना बड़ा अन्याय क्यों हुआ। इसके साथ विश्वासघात क्यों हुआ। कौन सी ताकत थी जिसकी इच्छा पूज्य बापू पर भी भारी पड़ गई और वंदे मातरम को विवादों में घसीट दिया। हमें उन परिस्थितियों को नई पीढ़ी को बताना जरूर है, आखिर क्यों वंदे मातरम के साथ विश्वासघात किया गया। उन्होंने कहा कि वंदेमातरम ने देश को हिम्मत दी थी। बंगाल की गलियों से निकली आवाज देश की आवाज बन गई थी।

उन्होंने कहा कि हमारे जांबाजों सपूत बिना किसी डर के फांसी के तख्ते पर चढ़ते थे और आखिरी समय में वंदेमातरम का उदघोष करते थे। उन्होंने कहा कि अनगिनत वीर सपूतों ने जुल्म सहा, लेकिन एक ही नारा था एक भारत श्रेष्ठ भारत। उन्होंने कहा कि मास्टर सूर्यसेन को जब फांसी दी गई तब उन्होंने अपने साथियों को एक पत्र लिखा था, जिसमें एक ही गूंज थी वंदे मातरम। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में कोई एक ऐसा भाव गीत नहीं हो सकता है, जो सदियों तक प्रेरित करता हो, लेकिन वंदेमातरम आज भी हमें प्रेरित कर रहा है। इसमें हमारी स्वतंत्रता, बलिदान, ऊर्जा, समर्पण और त्याग का मंत्र था। इस गीत की लोकप्रियता ने उसी कालखंड में वंदे मातरम की रिकॉर्डिंग दुनिया में पहुंचा दिया। उस समय लंदन के इंडिया हाउस में वीर सावरकर ने यह गीत गाया। उसी समय विपिन चंद्र पाल ने अखबार निकला, जिसका नाम भी वंदेमातरम रखा।

डगर डगर पर अंग्रेजों का नींद हराम करने के लिए वंदेमातरम काफी था। मैडम भीकाजी कामा ने भी वंदेमातरम अखबार निकाला। वंदेमातरम ने भारत को स्वाबलंबन का रास्ता दिखाया। उस समय माचिस की डिबिया से लेकर जहाज पर वंदेमातरम लिखा जाता था। यह स्वदेशी का मंत्र बन गया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रकवि सुब्रमण्यम भारती ने वंदे मातरम को तमिल में लिखा था। उनके कई गीतों में वंदेमातरम की श्रद्धा नजर आती है। भारत का ध्वजगीत भी श्री भारती ने ही लिखा था। उन्होंने कहा कि जब संकटों का कालखंड होता है, तभी पता चलता है हम कितने सशक्त है।

1947 के बाद देश की चुनौतियां बदली लेकिन देश की जीवटता वही रहा। जब भी संकट आया भारत वंदेमातरम के साथ आगे बढा। एक जमाना था जब देश में खाद्य का संकट आया तब किसानों ने अन्न से भर दिया। कोराना संकट में भी यह भाव से देश खड़ा हुआ और आगे बढ़ गया। वंदेमातरम हमारे लिए सिर्फ स्मरण के लिए नहीं बल्कि उर्जा बन जाए। हम लोगों के ऊपर वंदे मातरम का कर्ज है। भारत के पास हर चुनौतियों को पार करने की ताकत है। यह हमारे लिए प्रेरणा है। हम आत्म निर्भर भारत का सपना लेकर चल रहे है।

पांच से अधिक बार वाहन लापरवाही से चलाया, तो बीमा प्रीमियम में होगी वृद्धि

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने व लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सरकार कड़े कदम उठाने जा रही है।

इस दिशा में परिवहन विभाग ने सरकार को प्रस्ताव दिए हैं कि पांच से अधिक चालान वाले वाहन धारक के बीमा प्रीमियम में वृद्धि की जाए, ताकि लोग ट्रैफिक नियमों का पालन अधिक जिम्मेदारी से करें। वहीं बीमा कंपनियों ने योजना पर सैद्धांतिक सहमति व्यक्त कर दी है। बीमा दावों का सेटलमेंट भी डिजिटल और तेज होगा, जिससे हादसे में घायल व्यक्तियों को तत्काल मुआवजा व उपचार सहायता मिल सकेगी। उत्तर प्रदेश सरकार सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से ई-चालान व्यवस्था को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। परिवहन विभाग ने एनआईसी के सहयोग से पहले चरण में प्रदेश के 17 जिलों में ट्रैफिक पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले चालानों को ई-चालान पोर्टल पर एकीकृत किया गया है। शेष जिलों में भी यह प्रक्रिया शीघ्र लागू की जाएगी। प्रदेश सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य दुर्घटनाओं की पहचान, नियंत्रण और प्रवर्तन प्रक्रिया को डिजिटल और सुचारु बनाना है। वाहन और चालक संबंधी सभी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होने से ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित करने में आसानी होगी तथा बार-बार उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा सकेगी। साथ ही इस व्यवस्था से चालानों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग संभव होगी तथा लंबित चालानों के निस्तारण में तेजी आएगी। इसके अलावा बिना बीमा और अवैध रूप से चलने वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई करना आसान हो जाएगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सरकार वाहन और सारथी एप, ई-डार, आईआरएडी और ई-चालान पोर्टलों को एक एआई आधारित प्लेटफॉर्म पर जोड़ने का कार्य कर रही है। इस प्रणाली से दुर्घटना डेटा संग्रह और विश्लेषण रीयल-टाइम में होगा।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना
खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

महिला ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

घरेलू कारणों के चलते पुष्पा राजपूत ने लगाया मौत को गले

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। एक महिला ने अज्ञात घरेलू कारणों के चलते अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

इस घटना का पता लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की बात कही तो परिजनों ने मृत महिला का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के गांव अलीपुर अटेरना निवासी लगभग 60 साल की पुष्पा राजपूत नामक महिला ने आज मंगलवार के दिन अज्ञात घरेलू कारणों से अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को घटना का पता कुछ ही समय बाद लग गया था लेकिन तब तक महिला ने अपने प्राण त्याग दिये थे। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मच गया।

घटना की सूचना पर बुढ़ाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों और मृतक महिला के ससुरालियों से घटना की पूरी जानकारी ली। प्रथम दृष्टया से आत्महत्या का ही मामला नजर आया। बुढ़ाना पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा लेकिन परिजनों ने महिला पुष्पा के शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। बुढ़ाना पुलिस ने मौके पर पंचनामा भरने के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। तब गमगीन माहोल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस घटना को लेकर गांव अलीपुर अटेरना में शोक व्याप्त हो गया।?

घायल महिला की उपचार के दौरान हुई मौत

बुढ़ाना। हाइवे पर सडक पार करते समय महिला कार से टकरा गई। इस घटना में महिला घायल हो गई। कार चालक घायल महिला को लेकर कस्बे की सीएचसी पर पहुंचा। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया। जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पंचनामा भरने के बाद पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के गांव नगवा की रहने वाली 35 साल की महिला साधना अपने पति की मौत के बाद से वह अपने मायके में पिता रामपाल के पास रह रही थी। पुलिस ने बताया कि साधना मानसिक रूप से विकृत थी। सोमवार को मेरठ करनाल हाइवे पर नगवा गांव के सामने वह सडक पार कर रही थी। सडक पार करते समय कार की टक्कर से वह सडक पर गिरकर घायल हो गई। आनन फानन में कार चालक घायल महिला को लेकर कस्बे की सीएचसी पर पहुंचा। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। पुलिस ने बताया कि जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पंचनामा भरने के बाद पुलिस ने मृतका साधना के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिवार में शोक छाया है। पुलिस ने बताया कि घटना की तहरीर अभी तक नही मिली है। तहरीर आने पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने लुटेरे संजू को गोली मारकर पकड़ा

मौके से तमंचा, कारतूस, 93 सौ रुपये बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। फुगाना पुलिस ने एक लुटेरे संजू उर्फ महकार को गोली मारकर पकड़ लिया। पुलिस टीम ने उसके पास से तमंचा, कारतूस और 93 सौ रुपये बरामद किए। घायल लुटेरे को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। आज सोमवार की अल सुबह फुगाना पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि फुगाना थाने पर पंजीकृत मुकदमे से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त आकिल मेरठ वाया करनाल हाईवे पर सराय कट पर खडा है। उक्त सूचना पर फुगाना पुलिस उक्त मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंची तो पुलिस को देखकर अभियुक्त आकिल उर्फ संजू उर्फ महकार पुत्र रामवीर निवासी ग्राम दायमपुर थाना कंकरखेडा जिला मेरठ पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से

फायरिंग करते हुए ईख के खेत मे भागने लगा। बदमाश द्वारा किए गए फायर से पुलिस टीम बाल बाल बच गई। पुलिस टीम द्वारा बदमाश को फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण की चेतावनी दी गयी परन्तु बदमाश पर पुलिस की चेतावनी का कोई असर नहीं हुआ तथा पुनः पुलिस टीम पर फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा बदमाश की फायरिंग रेंज में घुस कर आत्मरक्षार्थ सूक्ष्म जवाबी फायरिंग की गयी। जिसमें अभियुक्त के दाहिने पैर में घुटने से नीचे गोली लगी और घायल हो गया। फुगाना पुलिस द्वारा अभियुक्त को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया तथा कब्जे से अवैध शस्त्र और 93 सौ रूपये बरामद किये गये। बदमाश महकार पर 10 आपराधिक मामले दर्ज बताए गये हैं।

किसान से मारपीट

मीरांपुर। ग्राम कैथोडा में खेत पर जा रहे एक किसान को तीन लोगो ने मारपीट कर घायल कर दिया। घायल किसान ने तीनो आरोपियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया है।

मीरापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कैथोडा निवासी शाबू ने थाने में तहरीर देकर गाँव के ही तीन युवकों पर पुरानी रंजिश के चलते मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। बताया गया कि वह सुबह करीब 7 बजे वह अपनी भैंसा बुग्गी लेकर खेत पर जा रहा था। तभी रजवाहे के पास उसे गाँव के शौकीन पुत्र मो. हसीन, आसिफ पुत्र मोहसीन और मो. हसीन पुत्र इदू मिले। आरोप है कि तीनों ने उसे बिना वजह गालियाँ देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उन्होंने लाठी, डंडों व लात घूसों से उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। शाबू के शोर मचाने पर युवक मौके से फरार हो गए, जिससे उसकी जान बच पाई। पीडित की तहरीर पर पुलिस ने तीनो आरोपियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ठंड की शुरुआत के साथ ही उठे मदद को हाथ

पैग़ाम-ए-इंसानियत संस्था ने जरूरतमंदों को बांटे कम्बल

आसिफ राही ने कहा मदद का सिलसिला रहेगा जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। पैग़ाम - ए - इंसानियत संस्था ने अपने नाम के अनुरूप मानव सेवा की एक मिसाल पेश करते हुए संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष आसिफ राही के जन्मदिवस पर गरीब एवं जरूरतमंद लोगों में 500 कम्बल वितरित किए। इस अवसर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, दलित सहित विभिन्न समुदायों के लोगों को कंबल प्रदान किए गए। संस्था का संदेश स्पष्ट था कि इंसानियत किसी एक वर्ग की नहीं, बल्कि मानवता का साझा मूल्य है। कार्यक्रम के दौरान भाईचारे और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूती मिली।जन्मदिन को पारंपरिक ढंग से मनाने के बजाय संस्था ने इसे समा. जसेवा को समर्पित किया, जो उपस्थित लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

संस्था अध्यक्ष आसिफ राही ने बताया कि हर वर्ष 8 दिसम्बर को उनका जन्मदिन संस्था की ओर से मानव सेवा के कार्यों के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर जहां कम्बल वितरण किया गया, वहीं पेड़ लगाना, पात्र व्यक्तियों की सहायता, और रक्तदान जैसे कार्य भी संस्था के कार्यक्रमों में शामिल रहते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद हरेंद्र मलिक,पूर्व सांसद कादिर राना,सपा नेता राकेश शर्मा, सपा जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी डा. नज्मुल हसन ज़ैदी, गौहर सिद्दीकी, मौलाना खालिद जाहिद,मौलाना मुकर्रम क़ासमी, मौलाना मूसा क़ासमी, इकराम क़स्सार, महबूब आलम एडवोकेट, सभासद मोहम्मद खालिद, सभासद नदीम खान, सभासद वाजिद अली,नईम क़स्सार,शाहिद आलम,शहज़ाद अहमद, मो.अहमद खान सहित विभिन्न धर्मों और राजनीतिक दलों के गणमान्य लोगों और पत्रकारों के हाथों से कंबल का वितरण कराया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार अरशद राही, दिलशाद पहलवान, मजहर राही, फैज़ान अंसारी, अमीर आज़म, अज़ीम खान, शहज़ाद कुरैशी, दिलशाद अंसारी, सैफ राही, समद राही, ज़िया - उर - रहमान, अब्दुल हमीद, शहज़ाद राही,राहत अली ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

मुजफ्फरनगर:जरूरतमंदों को कम्बल वितरण करते आसिफ राही व अन्य

अपनी और अपने पड़ोसी की वोट बचाने के लिए सजग प्रहरी बने कार्यकर्ता

बोले-पंचायत चुनाव में विदेशियों से वोट डलवाओगे डीएम साहब!

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी ने मतदाता सूचियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एसआईआर अभियान को लेकर निर्वाचन आयोग, योगी सरकार और जिला प्रशासन पर बड़ा हमला बोलते हुए इसे वोटर सूचियों में कटौती की सुनियोजित साजिश बताते हुए इसे देश के लिए दुर्भाग्य पूर्ण फैसला करार दिया।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद हरेन्द्र मलिक ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता एक-एक वोट की रक्षा के लिए तैयार रहें, क्योंकि आगामी दिनों में बड़े पैमाने पर मतदाताओं को सूची से बाहर करने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने डीएम उमेश मिश्रा के बयान की भी निंदा करते हुए कहा कि वो जनता को बतायें कि पंचायत चुनाव में क्या किसी विदेशी को वोटर के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है?

महावीर चौक स्थित समा. जवादी पार्टी कार्यालय पर सोमवार को आयोजित एसआईआर अभियान की समीक्षा करने सपा के एसआईआर प्रभारी राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रोफेसर भुवन जोशी और सपा महासचिव हरेन्द्र मलिक भी पहुंचे। अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी एडवोकेट व संचालन राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा द्वारा किया गया। जिलाधिकारी के इस बयान कि प्रधानी व जिला पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट पर एसआईआर का असर नहीं पड़ेगा, पर भी मलिक ने कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत का नागरिक न होने वाले व्यक्ति की वोट क्या पंचायत चुनाव की सूची में बनी रह सकती है? डीएम सार्वजनिक रूप से बताएं कि विदेशी नागरिक को क्या स्थानीय निकाय चुनावों में वोटर बनाए रखने का कोई प्रावधान है? उन्होंने इसे प्रशासन द्वारा जनता को गुमराह करने का प्रयास बताया। सपा महासचिव हरेन्द्र मलिक ने कहा कि विदेशी नागरिक देश में न संपत्ति खरीद सकता है, न राशन कार्ड या गैस कनेक्शन ले सकता है। ऐसे में यह दुर्भाग्य की बात है कि आज भारत के नागरिकों को खुद को भारतीय साबित करने के लिए कागज ढूंढने पड़ रहे हैं। प्रशासन पर सीधा सवाल दागते हुए कहा कि जब विदेशी नागरिक को भारत में कोई अधिकार नहीं, फिर डीएम साहब बताएं कि ऐसी स्थिति में पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट में विदेशी की वोट कैसे बनी रह सकती है? उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर मजबूती से खड़े होने और हर नागरिक की वोट सुरक्षित रखने का संकल्प लेने की अपील की।

सपा प्रवक्ता भुवन जोशी ने सपा एसआईआर कैंप का किया निरीक्षण

सपा नेता सत्येंद्र पाल ने कराया कैंप आयोजित

बुढ़ानाध। विधानसभा बुढाना क्षेत्रके गांव कल्याणपुर में खतौली रोड पर स्थित एक मदरसे में आज सोमवार के दिन समाजवादी पार्टी शिक्षक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र पाल के नेतृत्व में चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत एक विशाल कैंप लगाया गया। जिसका निरीक्षण समाजवादी पाटह्र के राष्ट्रीय प्रवकता प्रोपफेसर भुवन जोशी के द्वारा किया गया। जिन्होंने कैम्प की सराहना की। उन्होंने यहां पर कैंप का भी उद्घाटन किया। यहां मतदाताओं ने एसआईआर फार्म भरे और फी में कागजों की पफोटो स्टैट करवाकर अपने पफोटो भी बनावाए। श्री जोशी ने कहा कि यह कैंप समाजवादी पार्टी ने इस अभियान के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए लगाया है। इस कैंप में वरिष्ठ सपा नेता सत्येंद्र पाल के नेतृत्व में लगे इस कैंप में बीएलओ बूथ लेवल अधिकारी द्वारा मतदाताओं को एसआईआर फॉर्म वितरित किए गए और साथ ही भरे हुए फॉर्मो को इकठा करने और भरने में भी सहायता प्रदान की गई। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं से सीधा संवाद किया और उन्हें एसआईआर अभियान के महत्व के बारे में जागरूक किया। कैंप में फॉर्म भरने के साथ-साथ मतदाताओं को अभियान की पूरी जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर इकबाल कुरैशी, सलीम कुरेशी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अकरम पलड़ी, रविंद्र जोगी

प्रधान, तहसीन मंसूरी धर्मेंद्र नीटू और हसीन कुरैशी सहित अनेक स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने कैंप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

40 लाख की कीमत के मोबाइल समेत दो गिरफ्तार

भाजपा नेता से छीना गया था डेढ़ लाख का मोबाइल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। नई मंडी पुलिस ने भाजपा नेता सचिन सिंघल की कार से डेढ़ लाख का मोबाइल लेकर भागे दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनके पास से 29 मोबाइल बरामद हुए है, जिनकी कीमत 40 लाख रूपये के करीब बताई गई है।

पकड़ा गया गैंग इन मोबाइल को नेपाल अथवा बंग्लादेश सीमा से जुड़े इलाकों में बेचते थे, जिस कारण उन्हें पकड़ पाना मुमकिन नहीं होता था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा ने बताया कि एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत की अगुवाई में नई मंडी पुलिस ने राह चलते मोबाइल छीनने

वर्मा ने बताया कि भाजपा जिला मंत्री सचिन सिंघल लक्ष्मण विहार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात व्यक्ति उनकी गाड़ी के अंदर से गाली-गलौज करते हुए मोबाइल छीनकर भाग गया। मुकदमा दर्ज कर लुटेरे की तलाश में कई पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस ने साक्ष्यों का संकलन कर दो लुटेरों की तलाश में कई पुलिस टीम गठित की गई।

पुलिस ने साक्ष्यों का संकलन कर दो लुटेरों फराज उर्फ कांचा पुत्र रईस आलम निवासी गुदड़ी बाजार, सुहैल पुत्र शफीक निवासी रेलवे रोड मेरठ को गिरफ्तार कर लिया, जबकि इनका तीसरा साथी महफूज पुत्र - फजलू रहमान निवासी रशीदनगर थाना ब्रह्मपुरी मेरठ फरार है। इनके पास से ब्रांडेड कंपनियों के 29 मोबाइल बरामद - किये है। इनमें भाजपा नेता सिंघल का मोबाइल भी शामिल है।

एसएसपी ने बताया कि बरामद हुए मोबाइलों की कीमत 40 लाख के करीब की है।आरोपी भारत के विभिन्न हिस्सों से मोबाइल चोरी कर उन्हें नेपाल और बंग्लादेश में बेच देते थे,ताकि वो पकड़ में न आ सके। उन्होंने बताया कि पकड़े गए फराज और सुहैल के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है।

बिना मृत्यु भोज के हुई तेहरवी में अशोक कुमार को पगड़ी बांधते भाकियू नेता राकेश टिकैत।

सर्व खाफ पंचायत के फैसले हम सबकी भलाई के लिए हैं : चौ राकेश टिकैत

शाह टाइम्स संवाददाता

पुरकाजी। भाकियू नेताओं ने सहारनपुर मंडल अध्यक्ष के पिता की तेरहवी रस्म में पहुंचकर श्रंद्धाजली अर्पित की।राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा की हमारे मंडल अध्यक्ष ने सर्व खाप पंचायत में लिए गए फैसले पर पहल की और यहाँ मृत्यु भोज पर प्रतिबंध हुआ।

उन्होंने कहा की सर्व खाफ के फैसले बहुत सोच समझ कर लिए गए हैं जिसमे हम सबकी भलाई हैं।

प्राप्त समाचार के अनुसार भाकियू टिकैत के सहारनपुर मंडल अध्यक्ष चौधरी अशोक कुमार के पिता सतपाल सिंह का निधन हो गया था जिसकी सोमवार को रस्म तेरहवी थी, जिसमे कई जनपदो के कार्यकर्ता जिम्मेदार लोग शामिल हुए इस दौरान रस्म तेरहवी में शामिल हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने मंडल अध्यक्ष के पिता के निधन पर शोक व्यक्त कर अशोक कुमार को पंगड़ी बांधकर रस्म अदा की।इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष गुरमेल बाजवा भी मौजूद रहे और उन्होंने कहा की स्वर्गीय चौधरी सतपाल सिंह,अशोक कुमार मंडल अध्यक्ष यूनियन को एक हिरे के रूप में देकर गए हैं।चौधरी राकेश टिकैत ने कहा की उन्हें यहां मृत्यु भोज पर प्रतिबंध पर अच्छा लगा क्योंकि सर्व खाप में लिए गए फैसले हम सबकी भलाई के लिए गए थे। रस्म पगड़ी में मुज़फ्फरनगर जिला अध्यक्ष नवीन राठी,पवन राठी, अशोक काकरान, सुरेन्द्र सिंह उर्फ़ लाठी सरसावा आदि सैकड़ो जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा

सर्वोच्च अदालत में 9 दिसम्बर को होगी सुनवाई, हो सकता है बड़ा निर्णय

भाकियू आजाद ने डाली है सुप्रीम कोर्ट में याचिका

शाह टाइम्स संवाददाता

मुज़फ्फरनगर। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर भारतीय किसान यूनियन (आज़ाद) ने मौजूदा चार सप्ताह की समयसीमा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यूनियन का कहना है कि यूपी जैसे 15.35 करोड़ मतदाताओं वाले विशाल राज्य में सिर्फ 28 दिनों में घर-घर जाकर सत्यापन कर पाना न तो व्यवहारिक है और न ही इसके जरिए सही एवं पूर्ण मतदाता सूची बन पाना संभव है। यूनियन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर समयसीमा को कम से कम तीन महीने बढ़ाने की मांग की है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों, प्रवासी मजदूरों और खेत-मज़दूर परिवारों के नाम गलती से सूची से न हट जाएं।

याचिका में कहा गया है कि बीएलओ को कई-कई बूथों का भार दे दिया गया है, कई गांवों में सत्यापन अभी तक शुरू ही नहीं हुआ, और खेतों में काम के दौरान किसान घर पर उपलब्ध नहीं होते। ऐसे में सही परिवारों तक पहुंचना मुश्किल है। संगठन का दावा है कि यदि प्रक्रिया जल्दबाज़ी में पूरी की गई तो लाखों वैध मतदाता ^Deleted', ^Shifted' या 'Not Found' कैटेगरी में डाल दिए जाएंगे, जिससे ग्रामीण वोटरों के अधिकार सीधे प्रभावित होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई 9 दिसंबर 2025 को तय कर दी है। अदालत यह देखेगी कि मौजूदा समयसीमा पर्याप्त है या इसे जनहित में बढ़ाया जाना चाहिए। यूनियन ने कहा कि मतदाता सूची किसी भी चुनाव की बुनियाद होती है और इसके साथ जल्दबाज़ी करना लोकतांत्रिक अधिकारों से खिलवाड़ है। दिल्ली प्रदेश सचिव मुहम्मद तैमूर ने कहा कि किसान दिन-रात खेतों में रहते हैं, ठस्ठ जब गांव पहुंचता है तो किसान अक्सर मौजूद नहीं होते। परिणामस्वरूप हजारों परिवार सूची से बाहर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ तकनीकी मुद्दा नहीं बल्कि लो. कतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई है और वोट का अधिकार किसान के लिए उतना ही अहम है जितनी उसकी जमीन।

यूनियन का कहना है कि समय बढ़ने से बीएलओ को गांव-ढाणियों में पर्याप्त समय मिलेगा, प्रवासी मजदूरों के परिवारों का डेटा सही दर्ज किया जा सकेगा और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता बनी रहेगी। अब प्रदेश की नज़र 9 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर है, जिससे इस पूरी प्रक्रिया की दिशा तय होगी।

मुजफ्फरनगर:सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने के बाद फोटो खिचवाते भाकियू नेता।

सब्जी खरीदते समय युवक पर डंडे से हमला

मीरापुर। शनिवार शाम विक्रांत गांव में ही एक फेरी वाले से सब्जी खरीद रहा था। तभी अचानक गांव का ही अनुज हाथ में डंडा लेकर वहां आ गया और बिना किसी कारण के विक्रांत पर हमला कर दिया। आरोप है कि अनुज ने विक्रांत के सिर पर जोरदार वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। बताया गया कि हमलावर ने मारपीट के दौरान विक्रांत को जान से मारने की धमकी भी दी और चेतावनी दी कि यदि वह दोबारा गांव में दिखाई दिया तो उसे जान से खत्म कर देगा। ग्रामीणों ने तुरंत घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। पीड़ित ने थाना मीरा. पुर में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुज के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वन विभाग की कार्यवाही के विरोध में भाकियू ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

मोरना। गेंहूँ की बुआई कर रहे किसानों के ट्रैक्टर जब्त करने को लेकर बिजनौर क्षेत्र के किसानो ने भाकियू के नेतृत्व मे शुक्रताल स्थित वन विभाग के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करते हुए वन विभाग पर किसानो का शोषण करने व माफियाओ से सांथगांठ करने के आरोप लगाये हैं। तथा अधिकारियो से भृष्ट कर्मचारियों पर कार्यवाही करने व तुरंत ट्रेक्टर को छोड़ देने की मांग की है।

भोपा थाना क्षेत्र के शुक्रताल मे स्थित वन विभाग के कार्यालय पर सोमवार को भाकियू ने धरना प्रदर्शन किया। बिजनौर जनपद के मोहम्मदपुर देवमल के क्षेत्रीय ब्लॉक् अध्यक्ष लवकेश कुमार ने बताया की मोहम्मदपुर देवमल व रावली आदि गांव के किसान अपने गांव की भूमि पर खेती कर रहे हैं। शुक्रताल वन विभाग के कर्मचारी किसानों को परेशान कर रहे हैं।भूमि को मुज़फ्फरनगर क्षेत्र की बताकर खेत मे कार्य कर रहे रावली निवासी किसान बिजेंद्र व राजेंद्र के ट्रेक्टर को गैर कानूनी रूप से जब्त कर लिया। सरदार कुलवंत सिंह ने बताया की तीन दिन पूर्व वन विभाग की टीम द्वारा उनपर फायरिंग की गयी।बिजनौर के किसान व वहां की भूमि से शुक्रताल वन विभाग का कोई संबंध ही नहीं है। किन्तु वन विभाग के कर्मचारी सांठगांठ कर माफियाओ को यह भूमि देना चाहते हैं। जिसे भाकियू बर्दाशत नहीं करेगी। पंकज कुमार ने बताया की वन विभाग जनपद की सीमा का निर्धारण कर ले। वर्षो से बिजनौर के किसान इस भूमि पर खेती कर रहे हैं। वन विभाग उनकी भूमि को छीनकर माफियाओं को दे रहा है।जिसे भाकियू सहन नहीं करेगी।

इस अवसर पर मुख्य रूप से मनोज कुमार,कुलवंत सिंह,सरदार जरनैल सिंह, इंद्रेश, मामराज, विमल, ओमपाल, प्रभु सिंह,ध्यान सिंह नेपाल, धर्म सिंह महेंद्र, रवि,राकेश, सरदार पग्गे सिंह,नरेंद्र,योगेंद्र,कुलदीप आदि मौजूद रहे।

बुढ़ाना रोड पर बढ़ते हादसों से उबल पड़ा जनाक्रोश

शाहटाइम्स सवांददाता

खतौली। बुढ़ाना रोड पर 5 दिसंबर की सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे खतौली क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से सड़क किनारे खड़े कई वाहन चकनाचूर हो गए थे। इस दुर्घटना में ई-रिक्शा चालक इस्लामुद्दीन की मौके पर मौत हो गई, जिससे स्थानीय लोगों में रोष और चिंता की लहर दौड़ गई। इस्लामुद्दीन अपने परिवार की रोज़ी-रोटी का अकेला सहारा थे। लगातार बढ़ते हादसों और प्रशासन की निष्क्रियता के विरोध में रविवार को नगर पालिका खतौली में क्षेत्रवासियों की एक आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में एआईएमआईएम जिला अध्यक्ष मौलाना इमरान अहमद कासमी, दाताराम, ललित कुमार उर्फ टीनू, रवि कुमार, हाफिज मोबिन, मोहम्मद उस्मान, अब्दुल वहाब, अब्दुल बारी समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। बैठक में लोगों ने एक सुर में कहा कि बुढ़ाना रोड अब दुर्घटनाओं का हॉटस्पॉट बन चुका है, और हर दिन खतरा बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन को 10 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे सड़क पर उतरकर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। क्षेत्रवासियों ने मांग कि, बुढ़ाना रोड पर स्पीड कंट्रोल व बैरिकेडिंग, स्कूलों के बाहर स्पीड ब्रेकर निर्माण, खतरनाक मोड़ों पर संकेतक बोर्ड लगाना, तेज रफ्तार व ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई,मृतक इस्लामुद्दीन के परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए। लोगों का कहना है कि सड़क हादसों की अनदेखी

अब किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि अपनी सुरक्षा के लिए आंदोलन करना पड़ता है, तो वे पीछे नहीं हटेंगे।

रात्रि बारह बजे फिर दिखा तेंदुआ व बच्चें

चरथावल। थाना क्षेत्र में एक बार फिर तेंदुए और उसके दो बच्चे देखे गए हैं। यह घटना बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब बारह बजे उस समय हुई, जब भारतीय किसान यूनियन के नेता विकास शर्मा अपने गांव रोनी हरजीपुर लौट रहे थे। इस घटना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है।विकास शर्मा ने बताया कि ठेके से लगभग तीस मीटर पीछे सड़क पार करते हुए उन्हें तेंदुआ और उसके बच्चे दिखाई दिए। उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी रोक दी और इस घटना का वीडियो बनाया। उन्होंने सभी किसानों से खेतों में सावधानी बरतने की अपील की है।चरथावल क्षेत्र के कई गांवों में तेंदुए के लगातार दिखने से ग्रामीण लंबे समय से परेशान हैं। तेंदुओं की लगातार दस्तक से ग्रामीणों में भय का माहौल है। वन विभाग भी इन तेंदुओं को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन अभी तक उन्हें कोई सफलता नहीं मिल पाई है।वन विभाग ने क्षेत्र में पिंजरे भी लगाए हैं, लेकिन तेंदुआ पकड़ में नहीं आया है। विकास शर्मा ने सभी किसानों से अपील की है कि वे खेतों में जाते समय सावधानी बरतें और संभव हो तो समूह बनाकर ही जाएं।

सीताशरण इंटर कॉलेज में खेलों की गूंज

शाहटाइम्स सवांददाता

खतौली। सीताशरण इंटर कॉलेज का खेल मैदान सोमवार को उत्साह, ऊर्जा और उमंग से भर गया, जब यहां ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में 11 न्याय पंचायतों के चुनिंदा विजेता छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल विधाओं में हिस्सा लेकर अपना दमखम दिखाया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी पंकज अग्रवाल ने 50 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर किया।

इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष पूनम रानी, नोडल संकुल शिक्षक कुलदीप जैन, सिद्धार्थ रघुवंशी, अजित सिंह, शैलेंद्र सिंह, राखी, अजय शर्मा, धर्मवीर, विक्रांत कुमार, कपिल पंवार, अवनीश कुमार, देवबीर सिंह, विनोद कुमार, अनु मोघा व संजय समेत बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएँ मौजूद रहे। प्रतियोगिता संचालन की जिम्मेदारी

सुकेश कुमार, विनीत कुमार, उधम, मधुबाला, राजीव, सूरज, अशोक त्रिपाठी व अर्पित ने संयुकत रूप से निभाई। मंच संचालन सोविंद्र कुमार और राजीव शर्मा, जबकि लेखा संचालन सुमित कुमार ने किया। टीम इवेंट में सराय, फूलत और टिटौड़ा की टीमों ने शानदार प्रदर्शन कर अपना दबदबा बनाए रखा। विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान कर खंड शिक्षा अधिकारी और अतिथियों ने सम्मानित किया।खिलाड़ियों को ऊर्जा से भरपूर बनाए रखने के लिए खेल मैदान में भोजन की समुचित व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में अमीर आज़म, उधम सिंह, अभिषेक, रितु जैन, सुशीला, कीर्ति, संदीप, नरेश, रविंदर, विनीता, संगीता, सरिता, अवंतिका, रश्मि, सूरज, राजीव, हरपाल, केशव, नीति, नेहा, देवेंद्र, सुशील सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उपस्थिति दर्ज कराई।

भगवंत प्रौद्योगिकी संस्थान में भारत 1925 से 2025 राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरापुर। भगवंत प्रौद्योगिकी संस्थान में हभारतरू 1925 से 2025 संस्कृति एवं चेतना की सतत यात्रा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। सोमवार को संस्थान के विवे. कानंद ऑडिटोरियम में हुए इस कार्यक्रम में देश की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रनिर्माण और आत्मनिर्भर भारत के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों ने विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। उद्घाटन सत्र में भगवंत ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अनिल सिंह, वाइस चेयरपर्सन डॉ. आशा सिंह, बैक्सिल फार्म कंपनी के निदेशक डॉ. विभांशु विक्रम सिंह, कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह, कुलपति प्रो. सचिन माहेश्वरी, प्रफुल्ल केतकर तथा प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र संयोजक भगवती प्रसाद राघव उपस्थित रहे।

सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस कार्यशाला में भारतीय प्रज्ञान परिषद के बौद्धिक सहयोग से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना से लेकर आधुनिक आत्मनिर्भर भारत तक की शताब्दी यात्रा पर विचार-विमर्श किया गया। स्व का बोध, पंच परिवर्तन, सामाजिक समरसता, स्वदेशी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, समसामयिक विमर्श एवं संविधान समिति के विचार जैसे विषय प्रमुख रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के निदेशक डॉ. अनुराग विजय अग्रवाल, सह-निदेशक डॉ. पुष्पनिल वर्मा, डॉ. अजय सिंह, डॉ. आदित्य शर्मा सहित अनेक सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्यशाला छात्रों, शिक्षकों और समाज के जागरूक नागरिकों के लिए भारतीय संस्कृति और राष्ट्र चेतना को समझने का महत्वपूर्ण अवसर बनी।

11 तक गणना प्रपत्र हर हाल में जमा करा दें मतदाता: डीएम

एसआईआर प्रपत्र भरने के काम में तेजी

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का प्रगाढ़ पुनरीक्षण एसआईआर कार्य जनपद की सभी विधानसभाओं में चल रहा है।

जिसकी अंतिम तिथि 11 दिसंबर 2025 है, जिन लोगो का गणना प्रपत्र जमा करने में रह गए हैं, वह लोग अपना गणना प्रपत्र फार्म भरकर अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ के पास जमा कर दें।

जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने जनपद वासियों से अपील किया है कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एसआईआर कार्य जनपद की सभी विधानसभाओं में चल रहा है,जिसकी अंतिम तिथि 11 दिसंबर 2025 है, जिन लोगो का गणना प्रपत्र जमा करने में रह गए हैं, वह लोग अपना अपना गणना प्रपत्र फार्म भरकर अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ के पास जमा कर दें, यदि किसी कारणवश किसी मतदाता के पास गणना प्रपत्र फार्म नहीं पहुंच पाया है, वह अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर प्राप्त कर शीघ्र भर कर बीएलओ को उपलब्ध करा दें। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्र फार्म में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई समस्या आती है या असुविधा होती है, तो नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों विकास खंडों तथा तहसीलों में हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है, वह वहां पर पहुंच कर अपना गणना प्रपत्र भरवाने में सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। जिससे कोई भी मतदाता छूट न सके और मतदाता सूची त्रुटि रहित तैयार हो सके, मतदाता सूची स्वच्छ एवं निष्पक्ष तथा पारदर्शी तरीके से तैयार हो सके।

स्काउट शिविर में 16 टोलियों ने मैदान में टेंट लगाकर दिखाया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

मोरना। मोरना मे शुक्रताल मार्ग स्थित इंद्रप्रस्थ पब्लिक स्कूल में भारत स्काउट एंड गाइड के द्वारा चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण शि. विर का सोमवार को धूमधाम से समापन हुआ। इस दौरान 16 टोलियों ने मैदान में टेंट लगाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिनका अतिथियों ने निरीक्षण कर उत्सावर्धन किया।

शिविर में मुख्य अतिथि जिला स्वास्थ्य एवं शिक्षा अधिकारी डा. गीतांजली वर्मा ने कहा कि स्काउटिंग बच्चों में दूसरों के प्रति सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करती है।। शि. विर में जिला संगठन कमीश्वनर भारत भूषण अरोरा ने कहा कि स्काउट-गाइड जैसी गतिविधियां बच्चों में सेवा भावना, नेतृत्व कौशल और आत्मनिर्भरता विक. सित करती हैं।

शिविर में सीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. अजय कुमार ने कहा कि स्काउटिंग बच्चों में आत्मविश्वास, नैतिकता, और

सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुण विकसित करती है, जो आज के प्रतिस्पर्धी युग में बेहद जरूरी हैं। शिविर में जिला स्काउट प्रशिक्षक आयुष चौधरी, सहायक प्रशिक्षक शिवाना पाल, सिद्धार्थ कुमार, शुभम शर्मा ने स्काउट गाइड को प्राथमिक उपचार, गांठें, गीत, प्रार्थना एवं देशभक्ति गीत, सामूहिक खेल एवं दल भावना की गतिविधियां, समाज सेवा एवं स्वच्छता अभियान समेत विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान 16 टोलियों ने मैदान में टेंट लगाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन पर स्काउट सक्षम, आर्यन गाइड शिया, अंतिका को पुरस्कृत किया गया। शिविर में डायरेक्टर विराज तोमर, कार्यवाहक प्रधानाचार्या रीता शर्मा, राकेश कुमार, खुशी, संयोगिता मौजूद रहे।

हत्या की नीयत से युवक पर किया गया फायर

बुढ़ाना। पडौस के तीन युवकों ने अकारण ही अपने पड़ोसी युवक की हत्या का प्रयास करते हुए तमंचे से उसको जो गोली मारी वह मिस हो गयी। फिर भी आरोपियों ने युवक को मारपीट कर अधमरा कर दिया। दूसरी बार भी युवक के घर जाकर मारपीट की गयी। पीडित शेरजहां पुत्र तै"यब निवासी तहसील पीछे सफीपुर पटी ने बुढ़ाना पुलिस को बताया कि बीती रविवार की देर रात वह अपने घर था। उसके दोस्त सौरभ निवासी सफीपुर पटी ने फोन कर उसे सुन्दर डेयरी के पास बुलाया। वो दोस्त के कहने पर चला गया। वह और उसका दोस्त बात कर रहे थे कि पडौस के सुलेब पुत्र हलीम, सवाब पुत्र आकिल व माज पुत्र आकिल अपने हाथों में तमंचा, हॉकी, पंच लेकर आये और उसके साथ गाली गलौच करते हुये मारपीट शुरू कर दी। आंख फोडने की नीयत से आँख पर तमंचे की बट मारी। जिससे मौके पर आंख लहुलुहान हो गयी। पंच व हॉकी से सिर पर जान से मारने की नीयत से वार किया। जिससे उसके सिर पर काफी गुम चोटें लगी। उसकी हत्या की नियत से फायर किया जो मिस हो गया। फिर वे तमंचे की बट, हॉकी, पंच से उस पर बजाने लगे। जिससे वह मौके पर बेहोश हो गया। उसको फिर कुछ पता नहीं रहा। जब उसको कुछ होश आया तो वह अपने घर पर चारपाई पर पडा था। तब सुलेब आदि फिर से उसको जान से मारने की नीयत से उसके घर में लाठी डण्डे तमंचे आदि लेकर घुस गये और उसको गालियां देते हुये उससे और उसकी मां से मारपीट की। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुंचे गुनियाजुड्डी

चरथावल। ब्लाक क्षेत्र के ग्राम गुनियाजुढी में किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह और जिलाध्यक्ष ठाकुर लोकेश राणा किसानों की समस्याएँ सुनने पहुँचे। देर रात हुए इस कार्यक्रम में उनका जोरदार स्वागत किया गया।इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में किसान अपने ट्रैक्टरों के लंबे काफिले के साथ बिरालसी स्थित महाराणा प्रताप की मूर्ति पर एकत्र हुए। वहाँ उन्होंने फूल-मालाएँ पहनाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत किया।इसके बाद, गाँव में एक बैठक आयोजित की गई जहाँ किसान नेताओं ने किसानों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया।राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह ने इस दौरान कहा कि किसान मजदूर संगठन हमेशा से किसानों की आवाज़ उठाता रहा है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संगठन के निरंतर प्रयासों पर जोर दिया।

संबंध विच्छेद सूचना

मेरी बहन सलमा मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर है। मेरे माता पिता की मृत्यु हो गई है सलमा किसी की कोई बात नहीं मानती है तथा गाली गलौच व नस काटने की और बच्चों को मारने की भी धमकी देती है। इसलिए इससे तंग व परेशान होकर मैने इसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर इससे समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है। आज के बाद सलमा द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कृत्य अथवा लेन-देन की जिम्मेदारी सलमा की स्वयं की होगी तथा सलमा अपनी मर्जी से कही भी कुछ भी कर सकती है,मेरी व परिवार वालों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

मन्शाद पुत्र इरशाद
निवासी- मौहल्ला कुरैशियान,
कस्बा बघरा थाना तितावी,
जिला मुजफ्फरनगर।

पुलिस लाईन में लगाया वामा वेलनेस कैंप

मुजफ्फरनगर। वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में वामा वेलनेस कैम्प का आयोजन किया गया।

अवगत कराना है कि पुलिस परिवार के कल्याणार्थ वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 08.12. 2025 को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित बहुउद्देशीय हॉल में वामा वेलनेस कैम्प (चिकित्सा शिविरद्ध का आयोजन किया गया।कैम्प का उद्घाटन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा की धर्मपत्नी एवं वामा सारथी समिति मुजफ्फरनगर की नोडल डॉ0 नीलम राय द्वारा किया गया। उद्घाटन उपरांत उन्होंने पुलिस परिवार के सदस्यों से भेंट कर उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी ली तथा इस प्रकार के स्वास्थ्य-संबंधी कार्यक्रमों को नियमित रूप से संचालित किए जाने पर विशेष बल दिया। शिविर में भारी संख्या में पुलिस परिवारों ने भाग लिया और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं का लाभ

उठाया।

कैम्प में उपलब्ध सुविधाएँ

इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में पुलिस परिवार के वयस्कों, महिलाओं एवं बच्चों हेतु विभिन्न प्रकार के चिकित्सीय परीक्षण एवं परामर्श सेवाएँ प्रदान की गईं, जिनमें मुख्य रूप से सामान्य स्वास्थ्य परीक्षणब्लड प्रेशर, शुगर व बीएमआई जांच, महिलाओं हेतु विशेष स्वास्थ्य परामर्श, बच्चों का बेसिक हेल्थ चौकअप, मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन संबंधी मार्गदर्शन, आवश्यक दवाओं का नि:शुल्क वितरण

पुलिस परिवार के लिए विशेष पहल-

डॉ0 नीलम राय ने कहा कि पुलिसकर्मियों के कठोर व चुनौतीपूर्ण डयूटी शेडयूल को देखते हुए उनके परिवारों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा भी विभाग की प्राथमिकता है। वामा सारथी का उद्देश्य पुलिस परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराना है। साथ ही उन्होने कहा कि पुलिस बल की कार्यक्षमता तभी सुनिश्चित हो सकती है जब उनके परिवार स्वस्थ और सुरक्षित हों। वामा सारथी द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रम पुलिस परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं और भविष्य में भी इस प्रकार के शि. विर निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के अंतर्गत ही 7 दिसम्बर 2025 को रिजर्व पुलिस लाइन में होम्योपेथिक चिकित्सा शिविर लगाया गया था जिसमें पुलिस परिवार के सदस्यों का होम्योपेथिक पद्धत्ति के आधार पर उपचार एवं चिकित्सीय सलाह दी गयी थी।

श्री चर्चा सागर महाराज का हुआ मंगल प्रवेश

बुढ़ाना। बीती रविवार की सायं लगभग 05 बजे बुढ़ाना कस्बे में पहली बार प.पू. शुद्धोपयोगी संत सुरिन्चाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महा मुनिराज के परम प्रभावक शिष्य प.पु. भाव लिंगी संत श्रमणाचार्य श्री चर्चा सागर जी महा मुनिराज ससंघ 35 पिच्छी का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। उन्होंने श्रद्धालुओ को अहिंसा के मार्ग का अनुशरण करने का संदेश दिया। उनके स्वागत में बडी संख्या मे पहुंचे जैन समाज के लोगों ने उन पर पुष्प वर्षा की। सैंकडो भकतों ने श्री चर्चा सागर जी के दर्शन किये। दर्शन करने के बाद श्री चर्चा सागर जी ने अहिंसा परमो धर्म के बारे में विस्तार से बतलाते हुए कहा कि भगवान महावीर स्वामी के संदेशो पर चलो और सभी को जियो और जीने दो। इस दौरान अनुप जैन उर्फ अप्पू, सतेन्द्र जैन, अनुज जैन, संदीप जैन और आशीष जैन सहित सैंकड़ों श्रदालु मौजूद रहे। मंगलवार के दिन बुढ़ाना कस्बे के नदी वाला मंदिर के समीप स्थित एक बैंकट हाल में विराग संयमोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसकी तेयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं।

NOTICE

I, **MOHAMMAD ABDULLA** S/o **Imran ahmad** resident of House No 508 Ibrahim Patti Kutesra Muzaffarnagar Uttar Pradesh Have changed my name from **MOHAMMAD ABDULLA** to **MOHD ABDULLAH** For all Future purposes.

सार्वजनिक सूचना

मैंने अपना नाम Atharabano से बदलकर Ather Bano रख लिया है। भविष्य में Ather Bano नाम से ही जाना जाये।

अथर बानो, निवासी- म.नं. 84ए, ग्राम व पोस्ट गालिबपुर मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) 251201

कार्यालय नगर पंचायत बुढाना, मुजफ्फरनगर

पत्रांक:-1265/न0पं0बु0/2025-26 दिनांक-8.12.2025

अल्पकालीन कुटेशन आमन्त्रित सूचना

समस्त लकडी/गट्टु के सप्लायर/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत बुढाना शीत ऋतु में नगरवासियों एवं यात्रियों को ठंड व शीतलहर से बचाव हेतु मुख्य चौराहो एवं गरीब मलिन बस्तियों में अलाव जलाने के लिये सूखी लकडी की जड व गुटके क्रय करना चाहती है। जो भी लकडी सप्लायर/विक्रेता प्रति कुन्तल न्यूनतम दर पर सूखी लकडी की जड व गुटके नगर पंचायत बुढाना में आपूर्ति करने के इच्छुक हों वह अपनी सीलबन्द कुटेशन नगर पंचायत बुढाना में दिनांक 13.12.2025 तक इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात कोई कुटेशन मान्य नहीं होगी। कुटेशन को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

(आलोक रंजन) **अधिशासी अधिकारी** **नगर पंचायत बुढाना**

(उमा त्यागी) **अध्यक्ष** **नगर पंचायत बुढाना**

पटाखे से हजारों रुपये की संपत्ति जलकर राख

बुढ़ाना। परिवार में एक युवती की बारात आने से 4 दिन पूर्व ही शराब पीए हुए युवकों ने जोरदार हुड़दंग करके जमकर आतिशबाजी की। जिसमें एक पटाखा पड़ोसी के घर की छत में रखी पुराल में गिर गया। जिसमें पड़ोसी का करीब 50 हजार रुपये की कीमत का घरेलू सामान धूं धूंकर जल गया। आग से उत्पन्न हुए धुएं की चपेट में आने से 2 बच्चियां बेहोश हो गयी। मौके पर दमकल टीम ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। आरोपियों ने उल्टे पीड़ित को ही धमकी दे दी। मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के गांव छाजपुर निवासी राकेश ठाकुर पुत्र राजकुमार की पुत्री निकिता की बारात गांव में दस दिसम्बर की रात में आनी तय है। इस शादी की तैयारियां युवती के परिजनों ने कई दिनों से कर रखी है। इसी कड़ी में बीती रविवार की देर रात युवती के परिवार के कुछ सदस्यों ने शराब का सेवन किया हुआ था। वह जोरदार तरीके से हुड़दंग करके आसपास के लोगों को परेशानघ करने का काम कर रहे थे। इनमें से किसी शराबी युवक ने अवैध रुप से बेतरतीब तरीके से आतिशबाजी करनी शुरु कर दी। जिसमें जलता हुआ एक पटाखा पडौसी गौरव पुत्र राजू सिंह के मकान की छत में रखी पुराली में गिर गया। तब देखते ही देखते अन्य घरेलू सामान में भी आग लगानी शुरु हो गयी। इस दौरान जबरदस्त अफरा तफरी मच गयी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने पानी और मिटी से आग बुझाने की पूरी कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। आग बढ़ती ही जा रही थी। तब किसी ने दमकलकर्मी और डायल नंबर 112 पर फोन कर आग लगने की सूचना दी तो 15 मिनट में ही दमकलकर्मी और बुढ़ाना पुलिस मौके पर आ गयी और काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाया। उधर आग से उत्पन्न हुए धुएं की चपेट में आने से पीड़ित गौरव की 2 मासूम पुत्रियां वामिका व अनन्या बेहोश हो गयी। तब उनका स्थानीय चिकित्सक के यहां उपचार कराकर होश में लाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जब पीड़ित ने आरोपी युवकों को भला बुरा कहा तो आरोपियों ने उल्टे ही पीड़ित गौरव को धमका कर भगा दिया। गौरव का लगभग 50 हजार रुपये का नुकसान बताया गया है। दर्जनों ग्रामीणों ने परासौली पुलिस चौकी पर पहुंचकर पुलिस को तहरीर देते हुए आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की। उधर बुढ़ाना

पुलिस ने तहरीर के आधार पर पूरे मामले की जांच शुरु कर दी है।

284 रुपये के चक्कर में 99 हजार रुपये गंवाए

बुढ़ाना। एक ग्रामीण ने अपने 284 रुपये ओनलाइन प्राप्त करने के चक्कर में 99 हजार रुपये की मोटी रकम गंवा दी। शिकायत होने पर पुलिस ठग की तलाश में लग गयी है। मिली जानकारी के अनुसार निर्दोष पुत्र जयपाल सिंह निवासी ग्राम सठेडी ने बुढ़ाना पुलिस को एक तहरीर देते हुए बतलाया कि उसने एक सामान मंगाने के लिए करीबन 10 दिन पूर्व मिसो पर आर्डर किया था। जिसके लिए उसने 284 रुपये की ऑनलाईन पैमेन्ट भी की हुई थी लेकिन सामान न आने के कारण उसने तंग व परेशान होकर ऑनलाईन गूगल से मिसो का एक मोबाइल नंबर लेकर अपने 284 रुपये रिफण्ड कराने के लिए फोन किया तो उकत नम्बर के धारक ने उससे कहा कि उकत प्रकरण के सम्बन्ध मे आपको हमारे बडे ऑफिसर से व्हाट्स ऐप काल पर बात करनी होगी तभी आपका हम निस्तारण करा पायेंगे तो तुरन्त उसके मोबाइल फोन पर उधर से एक अन्य नंबर से व्हाट्स ऐप काल आयी जिसको उसने रिसिव किया। उकत कल रिसिव करते ही उधर से उसको कहा गया कि अपना बैलेंस चौक कर लो हमने आपके 284 रूपये रिफण्ड कर दिये हैं। उसने जैसे ही अपना बैलेस चौक किया तो उसके फोन की स्क्रीन तुरन्त ब्लैक हो गयी। उसने कुछ देर बाद फोन की हालत सही होने पर अपना बैंक बैलेंस चौक किया तो उसके यूनियन बैंक शाखा बुढाना के खाते से बीती 04 अक्टूबर को एक ट्रांजक्शन 90 हजार रुपये और दूसरी ट्रांजक्शन 09 हजार रुपये की हुई तो उसके बैंक खाते से उकत दोनो ट्रांजक्शन सुल्तान हुसैन के खाते में देर रात पौने 11 बजे हुई। इस तरह से ठगों ने उसके साथ धोखाधड़ी करके उसके खाते से 99 हजार रुपये निकाल लिए। उधर बुढ़ाना पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए अज्ञात ठग की तलाश शुरु कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

50 मरीजों ने कराई अपने स्वास्थ्य की जांच

बुढ़ाना। भारत परिषद की डॉक्टर लाल पैथ लैब के तत्वाधान में आज सोमवार के दिन बुढ़ाना कस्बे के कांधला रोड पर निरंजन मार्किट के समीप स्थित नेशनल डायग्नोस्टिक में एक भव्य स्वास्थ्य कैंप का सफल आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न रोगों की कुल 105 मरीजों ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। यह भव्य शिविर आज से शुरु होकर आगामी 14 दिसम्बर तक रहेगा। इस दौरान इस कैंप में सहयोग करने वालों में मुख्य रूप से डाक्टर शेखर कुमार, विपिन कुमार, प्रशांत कुमार, शादाब सैफी, विकास कुमार, लक्की कुमार, रोहित कुमार और मनीष कुमार आदि स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति देखने को मिली। इस कैंप के आयोजक डाक्टर शेखर कुमार ने बताया कि यहां स्वास्थ्य जांच पर भारी छूट दी जा रही है। इस दौरान यहां पर आए सभी मरीजों ने कैंप का पूरा लाभ उठाया और कैंप की जमकर सराहना की।

विदेश भेजने के नाम पर 8 लाख की ठगी

मीरापुर। विदेश में पढ़ाई कराने के नाम पर दो युवकों से 8 लाख रुपये ठगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

ग्राम पुट्ठी इब्राहिमपुर निवासी श्यामवीर सिंह ने बताया कि उनका 22 वर्षीय पुत्र चाणक्य इंटर पास करने के बाद ऑस्ट्रेलिया या अमेरिका जाकर पढ़ाई करना चाहता था। इसी बीच वर्ष 2023 में ग्राम मेहलकी निवासी अमित कुमार ने संपर्क कर विदेश भेजने का भरोसा दिलाया और बताया कि उसका साझेदार विशाल भारद्वाज पंजाब का रहने वाला है तथा इस काम में अनुभवी है। श्यामवीर के पुत्र चाणक्य और उसके मित्र प्रवीण से आरोपियों ने वीजा, यात्रा और शिक्षा खर्च के नाम पर 4-4 लाख रुपये लिए, जिनमें दो लाख नकद और दो लाख खाते में ट्रांसफर कराए गए। मेरठ में बुलाकर दोनों युवकों के कागजात भी पूरे करवाए गए और चार माह में विदेश भेजने की गारंटी दी गई। लेकिन लंबे समय तक न वीजा मिला न कोई ठोस जानकारी। बार-बार टालमटोल करते हुए आरोपी कभी दिल्ली दूतावास, कभी चंडीगढ़ मेडिकल और कभी पासपोर्ट ऑफिस भेजकर झांसा देते रहे। पीड़ित का आरा. ेप है कि बाद में आरोपी दफ्तर बंद करके फरार हो गए और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी, जिसकी रिकॉर्डिंग उनके पास मौजूद है। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने फर्जी कागज दिखाकर कुल 8 लाख रुपये हड़प लिए हैं और यह एक संगठित गिरोह प्रतीत होता है।

लोकतंत्र सेनानी सत्यप्रकाश शर्मा को सैकड़ों लोगों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मीरापुर। कस्बे के वरिष्ठ लोकतंत्र सेनानी सत्य प्रकाश शर्मा की स्मृति में सरस्वती शिशु मंदिर पड़ाव चौक में शोकसभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय राजनेता, पत्रकार, व्यापारी, शिक्षक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने दिवंगत सत्य प्रकाश शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

लोकतंत्र सेनानी सत्य प्रकाश शर्मा का निधन 26 नवंबर को गाजियाबाद में उनके बेटे पुरुषोत्तम शर्मा के आवास पर 105 वर्ष की आयु में हो गया था। उनके निधन के बाद कस्बे में शोक की लहर फैल गई थी। उनकी स्मृति में आयोजित इस शोकसभा में उनके चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर मौजूद लोगों ने उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों को याद किया। कार्यक्रम में श्र)ासुमन अर्पित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कहा कि सत्य प्रकाश शर्मा ने अपने जीवनकाल में आरएसएस, जनसंघ और भाजपा के लिए निरंतर और समर्पित भाव से कार्य किया। उन्होंने बताया कि उनकी कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा ने आरएसएस की विचारधारा को जिले के गंगा तट से लेकर यमुना किनारे तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. निर्वाल ने आगे कहा कि आपातक. ाल के दौरान सत्य प्रकाश शर्मा को जेल में 22 माह तक यातनाएं दी गईं। उनके पूरे परिवार को भी विभिन्न धाराओं में जेल भेजा गया था। उनके बेटे पुरुषोत्तम शर्मा और जुगल किशोर शर्मा को भी इसी दौरान जेल में रखा गया। बाद में सत्य प्रकाश शर्मा और उनके परिवार के तीन सदस्यों को लो. कतंत्र सेनानी का दर्जा देकर सम्मानित किया गया, जो पूरे जनपद में एक अनूठा और दुर्लभ उदाहरण है। उनके बडे पुत्र पुरूषोत्तम शर्मा ने बताया कि

उनके पिता सत्य प्रकाश शर्मा का जीवन राष्ट्र सेवा और संगठन समर्पण का अद्वितीय उदाहरण रहा। वर्ष 1940 में उन्होंने मीरापुर में पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)की शाखा स्थापित की थी। साल 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातक. ाल के दौरान उनके परिवार को पुलिस द्वारा अत्यधिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर 22 महीनों तक जेल में रखा गया। इसी दौरान वे नैनी जेल में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ भी रहे। महात्मा गांधी की हत्या के बाद भी उन्हें आगरा जेल में निरुद्ध किया गया था। शोकसभा में पूर्व एमपी सोहनवीर सिंह, यूनानी औषधि आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद शर्मा, श्रीख्रष्ण चंद्र प्रचाकर (आरएसएस), धनेश बंसल, विजय गर्ग, पूर्व विधायक सुरेश चंद तितोरिया सहित कई वक्ताओं ने सत्य प्रकाश शर्मा के जीवन, संघर्षों और राष्ट्रहित में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला एवं उन्हें महान स्वतंत्रता प्रहरी बताया। इस अवसर पर अरविंद लिल्ली, नवीन सैनी पूर्व चेयरमैन, सेवा सिंह, हरीश नारंग, प्रदुमन वैद्य, ब्रजभूषण गोयल, कीर्तिभूषण शर्मा, वेदप्रकाश आर्य, रामकिशन सैनी, प्रवीण अग्रवाल, प्रशांत अग्रवाल, विकास कौशिक, असीम शर्मा, प्रतीक सैनी, अमित मित्तल, रूपेश गुप्ता सहित भारी संख्या में कस्बेवासी मौजूद रहे।

17 साल से फरार वारंटी हनीफ उर्फ लाला गिरफ्तार

खतौली। 17 वर्षों से पुलिस की पकड़ से दूर चल रहा वारंटी हनीफ उर्फ लाला आखिरकार गिरफ्त में आ गया। पुलिस ने उसे उसके घर से दबिश देकर गिरफ्तार किया। लंबे समय से चली आ रही इस तलाश में मिली सफलता से पुलिस प्रशासन में संतोष देखा गया।

एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापति एवं क्षेत्रधिकारी खतौली रामआशीष यादव के मार्गदर्शन व प्रभारी निरीक्षक दिनेशचंद्र बघेल के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार वृद्ध हनीफ उर्फ लाला पुत्र हफीज निवासी नई आबादी, 2007 में हुई लूट की वारदात में नामजद था। घटना के बाद से ही वह फरार चल रहा था।सोमवार को उपनिरीक्षक मनोज सिंह, भूड़ चौकी प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़कर उसका चालान कर जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक दिनेशचंद्र बघेल ने टीम की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि फरार, वांछित और वारंटियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। गिरफ्तारी में धीरेंद्र कुमार और अजीत सिंह का भी सराहनीय योगदान रहा। पुलिस का कहना है कि इसी तरह कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान तेज गति से आगे बढ़ता रहेगा।

सभासद इमरान कुरैशी ने एक्स-रे कैंप लगाया

बुढ़ाना। सोमवार के दिन बुढ़ाना नगर पंचायत के वार्ड नंबर 13 के सभासद इमरान कुरैशी के कांधला रोड स्थित आवास पर एचएलएफ पीपीटी कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी विभाग द्वारा एक एक्स रे कैंप लगाया गया। जिसमें टीबी के संभावित मरीजों के लगभग 60 एक्स रे किए गए। हैंडहेल्ड एक्स रे मशीन द्वारा ही सभी मरीजों के एक्स रे किए गए। इस दौरान यहां पर मुख्य रूप से प्रवीण कुमार, रोहित कुमार और आसमा अली आदि स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति देखने को मिली। इस तरह का निशुल्क कैम्प कस्बा बुढ़ाना में पहली बार लगाया। सभासद इमरान कुरैशी के अनुसार यह कैंप उन गरीब वर्ग के लोगों के लिए लगाया गया था जो पैसों के आभाव में अपना एक्सरा नहीं करा पाते थे और उनको क्या बीमारी है यह पता नहीं लग पाता था।

मोरना: श्रीमदभागवत कथा के समापन पर आरती करते यजमान।

11 कुण्डीय हवन के साथ श्रीमद्भागवत कथा ने पाया विश्राम

बुराई को छोड़ने का संकल्प जरूर लें श्रद्धालु

शाह टाइम्स संवाददाता

मोरना। पौराणिक तीर्थ स्थल शुकतीर्थ स्थित हनुमत धाम आश्रम में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के विश्राम दिवस के अवसर पर 11 कुण्डीय हवन मे आहुति दी गयी तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

कथा व्यास पंडित गजेंद्र कामर्थी ने कथा का विराम करते हुए सुदामा और श्री कृष्ण की मित्रता के संबंध में बताया की भगवान श्रीकृष्ण सुदामा की दोस्ती गूढ़ है।

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं सुखद अनुभव कराती हैं। शुकतीर्थ मे भागवत कथा का श्रवण परम सौभाग्य की बात है।

जीवन की एक बुराई को छोड़ने का संकल्प लेकर यहां से जाना है। इस अवसर पर 11 कुण्डीय हवन यज्ञ का आयोजन भी किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के बीच आहुति प्रदान की। कार्यक्रम के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या मे साधु संतो ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

थाने में रील बनाना युवक को पड़ा महंगा, एंटी रोमियो टीम ने किया गिरफ्तार

मीरापुर। थाने में रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले युवक आमिर पुत्र शमीम, निवासी ग्राम सिकंदरपुर, उम्र लगभग 19 वर्ष को एंटी रोमियो टीम ने सोमवार को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया।

थाना प्रभारी ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व आमिर ने मीरापुर थाने से बाहर निकलते समय एक गाने के साथ रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड की थी। यह वीडियो तेजी से वायरल हो गई, जिसके बाद पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। वायरल वीडियो में आमिर थाने के बाहर बेपरवाही से चलते हुए दिखाई दे रहा था, जिसके कारण पुलिस विभाग की छवि प्रभावित होने की संभावना थी। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के बाद से आमिर घर से फरार चल रहा था तथा पुलिस टीम उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। सोमवार को उसे सिकंदरपुर गांव से पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि थाने, सरकारी कार्यालयों या संवेदनशील स्थलों पर रील बनाना व उसे सोशल मीडिया पर शेयर करना कानून का उल्लंघन है और यह कृत्य गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। पुलिस ने आमिर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई करते हुए उसका चालान कर दिया है। चालान से पूर्व आमिर पुलिस कर्मियों के सामने माफी मांगता और भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने का आश्वासन देता हुआ नजर आया।

खतौली में ब्लैकमेलर किक्की जैन के खिलाफ पड़ी शिकायतों की बौछार

शाहटाइम्स सवांददाता

खतौली। कस्बे के चर्चित व शातिर ब्लैकमेलर किक्की जैन के खिलाफ जनता का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। किक्की जैन के जेल जाने के बाद भी उससे प्रभावित पीड़ित लगातार कोतवाली पहुंचकर शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। सोमवार को भी जैन समाज और व्यापारियों से जुड़े तीन पीड़ितों ने कोतवाली पहुंचकर धमकी देने व रंगदारी मांगने की तहरीर सौंपते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की।

व्यापारियों का आरोप है कि कस्बा लंबे समय से ब्लैकमेलिंग और अवैध वसूली करने वाले एक शातिर नेटवर्क के कारण भारी संकट से गुजर रहा था। गिरोह झूठी शिकायतों, निर्माण विवादों और प्रशासनिक कार्रवाई का भय दिखाकर मनमानी वसूली करता था। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि कई पुराने व्यापारी भयवश खतौली छोड़कर दूसरे शहरों में कारोबार शिफ्ट करने को मजबूर हो गए। परिवारों में भी दहशत का माहौल बना हुआ है।

कई लोग बच्चों को मेरठ, मुजफ्फरनगर और दिल्ली के स्कूलों में शिफ्ट कर चुके हैं। पीड़ितों का आरोप है कि कस्बे में एक और गिरोह सक्रिय है, जो आम नागरिकों के नाम पर तहसील, पालिका और अन्य सरकारी विभागों में फजहृ शिकायतें कर अधिकारियों से अवैध वसूली करता है। इस गिरोह के सरगना के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज है और जांच जारी है। सोमवार को किक्की जैन का शिकार बने नोशाद पुत्र इब्राहिम निवासी लाल मोहम्मद, शिक्षक कांता स्वरूप सिंगल, और विद्याभूषण उर्फ पिंची पुत्र ओमप्रकाश अपने समर्थक व्यापारियों नीरज अग्रवाल, मीनू जैन, अशोक जैन, राजीव जैन, विकास जैन, सुनील जैन के साथ कोतवाली पहुंचे।

पीड़ितों ने आरोप लगाया कि किक्की जैन ने उन्हें बर्बाद करने की धमकी दी और रंगदारी की मांग की। विद्याभूषण ने अपनी तहरीर में बताया कि उससे 25 हजार रुपये की रंगदारी मांगी गई थी, जिसे किक्की जैन के बेटे ने ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से वसूल लिया। तीनों व्यापारियों ने पुलिस से किक्की जैन के साथ-साथ उसके गुर्गों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि किक्की के जेल जाने के बाद और पीड़ित अब खुलकर सामने आने लगे हैं तथा लगातार तहरीरें देने का सिलसिला जारी है।

खतौली:किक्की जैन से परेशान लोगों ने लगाई पुलिस से गुहार।

इंटर कॉलेज में दो गुटों की भिड़ंत से हड़कंप

खतौली। तिंगाई गांव स्थित जीटी रोड पर एक इंटर कॉलेज में सोमवार को छात्रों के दो गुटों में हुआ खूनी संघर्ष पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। पुराने विवाद की आग फिर भड़कने पर छात्रों ने एक-दूसरे पर लोहे के कड़े और पेचकस से हमला कर दिया, जिसमें करीब आधा दर्जन छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद जैसे ही जानकारी अभिभावकों तक पहुँची, वे स्कूल पहुँचे और एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा करने लगे। स्थिति को बिगड़ते देख स्कूल परिसर में अफरातफरी मच गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस तथा मंडी चौकी प्रभारी विनय कुमार टीम के साथ मौके पर पहुँचे और बेकाबू माहौल को शांत कराया। पुलिस ने घायल छात्रों से बातचीत कर घटनाक्रम की जानकारी जुटाई और दोनों पक्षों में समझौता कराने का प्रयास किया। बताया गया कि दो दिन पहले भी 11वीं कक्षा के दो गुटों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी, जिसे स्कूल प्रबंधन ने डांट-फटकार कर शांत कराया था, लेकिन सोमवार को पुरानी रंजिश फिर भड़क गई।इस संघर्ष में शामिल छात्रों में गौरव पुत्र संजय निवासी टीटोडा, अवि पुत्र विपिन निवासी खानजा. पुर, वंश पुत्र विनोद निवासी टीटोडा, आरव पुत्र राजीव निवासी लिसौड़ा, तथा सलावा द्धमेरठऋ निवासी हर्ष, मनमोहन पुत्र महेश, कुनाल, जतिन व भविष्य के नाम शामिल बताए जा रहे हैं। स्कूल में करीब एक घंटे तक हंगामा चलता रहा। समाचार लिखे जाने तक दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोशिशें जारी थीं।

ऑल इण्डिया यूनिवर्सिटी खेलों में चमके श्रीराम कॉलेज के कई खिलाड़ी

मुजफ्फरनगर। श्रीराम कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग के छात्रों द्वारा ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में पदक जीतने पर माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय सहारनपुर द्वारा किया गया सम्मान

श्रीराम कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग के छात्रों द्वारा ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीतने पर माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर द्वारा प्रोत्साहित राशि देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर श्रीराम कॉलेज, मुजफ्फरनगर के शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने जानकारी देते हुये बताया कि इस वर्ष ऑल इंडिया अंतरब्विव. विद्यालय की विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सिल्वर एवं कांस्य पदक जीतने पर माँ शाकुम्भरी ब्विव. विद्यालय, सहारनपुर द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस क्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों तनु रानी को ग्रैपलिंग द्धजीआईऋ प्रतियोगिता में सिल्वर पदक जीतने पर 41000/- मौहम्मद शाहवेज को वुसू प्रतियोगिता में सिल्वर पदक जीतने पर 41000/ तथा अनिता को ग्रैपलिंग (जीआई) प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर 31,000/ विवेक को कुश्ती, एफएस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर 31,000/ ब्विवेन्द्र सिंह पंवार को ग्रैपलिंग द्धजीआईऋ प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर 31,000/ सतीश को ग्रैपलिंग द्धजीआईऋ प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर 31000/ धनराशि के चौक देकर पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर श्रीराम ग्रुप ऑफ कालिजेज, मुजफ्फरनगर चेयरमैन, डा0 एससी कुलश्रेष्ठ, द्वारा छात्रों को ऑल इंडिया अंतर.

विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर महाविद्यालय आगमन पर सम्मान किया गया।इस अवसर पर डॉ0 प्रेरणा मित्तल, प्राचार्या श्रीराम कॉलेज ने छात्रों को ऑल इंडिया अंतरविश्वविद्यालय की विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थी सफलताओं के नित नये आयामों पर पहुॅच रहे है।

इस अवसर पर प्रमोद कुमार विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा विभाग ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए ऑल इंडिया अंतर. विश्वविद्यालय मे सर्वोच्च प्रदर्शन करने पर छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई।इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रवक्तागण भूपेन्द्र कुमार, डा0 अब्दुल अजीज खान, संदीप देशवाल, अमरदीप, तरूण आदि उपस्थित रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी 'शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड' के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, सूजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. 71843/99
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

ढाई करोड़ की स्मैक के साथ एक पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। सहारनपुर परिक्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन सवेरा नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर के अंतर्गत थाना झिंझाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक किलो 263 ग्राम स्मैक, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ 52 लाख 60 हजार रूपए बताई जा रही है, बरामद की है।

सोमवार को शहर के पुलिस लाईन में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए एसपी एनपी सिंह ने बताया कि पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन में ऑपरेशन सवेरा के अन्तर्गत बडी कार्यवाही की गई। झिंझाना पुलिस ने गत 7 दिसंबर की रात्रि को ग्राम अगड़ीपुर जाने वाले रास्ते पर बंद पड़े क्रेशर के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सरफराज उर्फ धौला पुत्र खुर्शीद निवासी ग्राम घाटमपुर, थाना नकुड़, जनपद सहारनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से स्मैक के साथ-साथ एक पिठ्ठू बैग, एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा तथा 50 पारदर्शी पिन्नी पाउच भी बरामद किए हैं। एसपी ने बताया कि बरामद स्मैक की जाचं करने पर पता चला कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उक्त स्मैक की अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ 52 लाख 60 हजार रूपए है। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना झिंझाना पुलिस ने अभियोग पंजीकृत किया है। साथ ही अभियुक्त के मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के संबंध में अग्रिम जांच की जा रही है। सरफराज ने बताया कि वह अपने साथी साबिर पुत्र कौशर निवासी ग्राम इस्सोपुर खुरगान, थाना कैराना, जनपद शामली के साथ जनपद बरेली गया था, जहां से उसने गुड्डू नामक व्यक्ति से स्मैक खरीदी थी।

20 लाख की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। मादक पदार्थों के अवैध व्यापार पर प्रभावी रोकथाम के लिए शुरू किए गए विशेष अभियान हऑपरेशन सवेरा रू नशे के अंधकार से, जीवन के उजाले की ओर के तहत कैराना पुलिसको बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 102 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 20 लाख रूपए बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह तथा अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के नेतृत्व में जनपद में नशा विरोधी अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कैराना पुलिस ने ग्राम मण्डावर निवासी इनाम पुत्र सीदा को दबिश देकर पकड़ा। उसके कब्जे से 102 ग्राम स्मैक बरामद हुई। गिरफ्तारी के आधार पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 772/25, धारा 8/21/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक खंगाले जा रहे हैं, ताकि तस्करी नेटवर्क का पूरी तरह पर्दाफाश किया जा सके और उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जा सके। पुलिस ने आम जनता से नशा उन्मूलन अभियान में सहयोग की अपील की है। पुलिस ने कहा कि नशे के अंधकार से, जीवन के उजाले की ओर बढ़ते हुए जनपद को नशामुक्त बनाने में सभी नागरिक सहभागी बनें।

विद्युत पोल पर लगी भीषण आग, हड़कंप मचा, कॉलोनी की बिजली गुल

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। कस्बे की जन्नत कॉलोनी में सोमवार शाम उस समय दहशत का माहौल बन गया जब एक विद्युत पोल पर लगे प्लास्टिक बॉक्स में अचानक भीषण आग भड़क उठी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बॉक्स के अंदर मौजूद तारों में अचानक तेज चिंगारी उठी, जिसके कुछ ही ही क्षण बाद आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते बॉक्स धू-धूकर जलने लगा। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।आग बढ़ते ही प्लास्टिक बॉक्स और विद्युत तार जलकर नीचे जमीन पर गिर पड़े, जिससे पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई।

मौहल्ले के लोगों ने बिजलीघर पर फोन कर कर्मचारियों को सूचना देकर विद्युत आपूर्ति बंद कराई।विद्युत आपूर्ति बंद होने के बाद मोहल्लेवासियों ने राहत की सांस तो ली, लेकिन साथ ही बिजली गुल होने से क्षेत्र की परेशानी भी बढ़ गई। अचानक बिजली कट जाने के कारण दैनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न हो गई।सूचना पर विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त बॉक्स व जले हुए तारों का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य शुरू किया। विभागीय कर्मचारियों ने बताया कि आग तारों में शॉर्ट सर्किट होने से लगी।

भास्कर इंटरनेशनल स्कूल में एनुअल एथलेटिक का भव्य शुभारंभ

एसपी नरेन्द्र प्रताप सिंह ने मशाल प्रज्वलित कर किया उद्घाटन, बच्चों की प्रस्तुतियों ने जीता सबका दिल

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। भास्कर इंटरनेशनल स्कूल में सोमवार को एनुअल एथलेटिक मीट का भव्य आगाज हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन शामली के पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने पारंपरिक रूप से मशाल प्रज्वलित कर किया। इस दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया।

नेशनल हाइवे पर स्थित भास्कर इंटरनेशनल स्कूल में तीन दिवसीय खेल महोत्सव 8 से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें स्कूल के चार हाउसकृजुपिटर, अर्थ, वीनस और मर्करीकृआपसी मुकाबलों में प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। सुबह से ही खेल मैदान में बच्चों का उत्साह देखने लायक रहा। एथलेटिक मीट के अंतर्गत बैडमिंटन, रेस, लंबी कूद, जैवलिन थ्रो, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल सहित कई खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

बच्चों की तैयारी, अनुशासन और खेल भावना ने पूरे माहौल को ऊर्जा से भर दिया। मुख्य अतिथि एसपी नरेन्द्र प्रताप सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, हयह मेरा सौभाग्य है कि व्यस्तताओं के बीच मुझे बच्चों का हौसला बढ़ाने का अवसर मिला। आप सभी को देखकर मुझे अपने स्कूल के दिन याद आ गए। हमें भी आपकी तरह खेलकूद में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना पसंद था। मुझे भरोसा है कि आप मेहनत और अनुशासन के दम पर सफल नागरिक बनेंगे और देश व माता-पिता का नाम रोशन करेंगे। उनके संबोधन ने बच्चों में नई ऊर्जा का संचार कर दिया। स्कूल के चेयरमैन हाजी नसीम कुरैशी ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अधिक अभ्यास करने और अनुशासन बनाए रखने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में स्कूल निदेशक फैसल कुरैशी, सचिव मुशब कुरैशी, भास्कर कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रिंसिपल अमितेश भारद्वाज और भास्कर इंटरनेशनल स्कूल के प्रिंसिपल नौशाद अली भी मौजूद रहे।खेल महोत्सव के पहले दिन से ही रोमांच और प्रतिस्पर्धा का माहौल बना हुआ है। आने वाले दिनों में होने वाली महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं को लेकर छात्रों और अभिभावकों में उत्सुकता बनी हुई है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल, चालक फरार

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। नगर के अलीपुर रोड पर शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की हालत गंभीर हो गई। पीछे से तेज रफ्तार कार की टक्कर से बुजुर्ग सड़क पर गिर पड़े, जिससे उनके दोनों पैर टूट गए। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पीड़ित के पुत्र आदर्श की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला आलकलां निवासी आदर्श ने बताया कि 5 दिसंबर की सुबह करीब 9रू50 बजे उनके पिता अलीपुर रोड स्थित अपनी फर्नीचर की दुकान से पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान अलीपुर की ओर से तेजी व लापरवाही से आ रही कार ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए और दोनों पैर टूट गए।राहगीरों की मदद से घायल बुजुर्ग को कैराना सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल शामली रेफर कर दिया। परिजनों का कहना है कि आरोपी चालक टक्कर मारने के बाद बिना रुके कार लेकर फरार हो गया। घटना से परिवार में आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित के बेटे ने रविवार को कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी चालक की पहचान कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस ने साइबर ठगी में गए पैसे वापस दिलाए

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। मोहल्ला साजिद नगर निवासी सायमा के बैंक खाते से 28 जून को अज्ञात व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन यूपीआई के माध्यम से 13,500 रूपए की ठगी कर ली गई थी। जिसमे पुलिस ने 85 सौ रूपए वापिस कराए। धन वापसी मिलने पर आवेदिका सायमा ने उच्चाधिकारियों एवं साइबर सेवा केन्द्र टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

दिव्यांगों को कराया करनाल का भ्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। समेकित शिक्षा के अंतर्गत महानिदेशक एवं राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ समग्र शिक्षा के आदेशों के क्रम में दिव्यांग बच्चों के एक्सपोजर विजिट कराए जाने की निर्देशों के अनुपालन में आज दिनांक 08ध्12ध्2025 को दिव्यांग बच्चों को ऐतिहासिक नगरी करनाल हरियाणा का भ्रमण कराया गया। जिसमें जनपद के समस्त विकास क्षेत्र के 150 दिव्यांग बच्चों तथा पीएम विद्यालय के 120 बच्चों को करनाल के राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान का भ्रमण कराया गया। दिव्यांग बच्चों के साथ बच्चों के अभिभावक, एवं प्रत्एक विकासखंड के पांच- पांच अध्यापक, जनपद में कार्यरत 11 स्पेशल एजुकेटर आदि उपस्थित रहे।एक्सपोजर विजिट का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मती लता राठौर जी के द्वारा बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।करनाल के राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान में बच्चों को कृषि विज्ञान से संबंधित अनेक बिंद. ुओं एवं नवीन अनुसंधानों के विषय में बताया गया। पशुओं और कृषि क्षेत्र के अंतर्गत दुग्ध उत्पादों की किस्मों और पशुधन के रख रखाव के बारे जानक. ारी प्रदान की गई। करनाल के सौ साल पुराने एन डी आर आई को विश्व स्तरीय डेयरी अनुसंधान एवं शोध के क्षेत्र के लिए जाना जाता है। यह वैज्ञानिकों द्वारा कृषि क्षेत्रों में नवीनतम शोधों के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर राहुल कुमार जिला समन्वयक निर्माण, सुशील कुमार जिला समन्वयक बालिका शिक्षा, जितेंद्र कुमार जिला समन्वयक मिड डे मील, शोभित मलिक, भोला कुमार, सुनील कुमार एस आर जी, सचिन कुमार ैत्ळ, सचिन कुमार कंप्यूटर ऑपरेटर, सचिन कुमार जिला व्यायाम शिक्षक, आनंद पाल, मति रेशमा, मती मुनेश मलिक, मती पूजा ए आर पी, मती अलका शर्मा ए आर पी, मती वंदना और का भ्रमण दिव्यांग बच्चों के साथ बच्चों के अभिभावक, एवं प्रत्एक विकासखंड के पांच- पांच अध्यापक, जनपद में कार्यरत 11 स्पेशल एजुकेटर एवं अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं भी एक्सपोजर विजिट में उपस्थित रहें।

एक नजर

नशे का सौदागर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। पुलिस थाना क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग निवासी एक मादक पदार्थ तस्कर को पकड़ लिया, पुलिस ने कब्जे से मादक पदार्थ बरामद कर मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया। डीआईजी सहारनपुर अभिषेक ने नशे के खिलाफ ऑपरेशन सवेरा नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर विशेष अभियान चला रखा है। रविवार की देर रात पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के गंगेरू मार्ग रजवाहे पर मादक पदार्थ तस्कर मादक पदार्थों की बिक्री कर रहे हैं। सूचना पर उप निरीक्षक देवेंद्र कुमार तेवतिया पुलिस टीम सहित मुखबिर के बताए गए स्थान पर पहुंचे और घेरा. बंदी करते हुए एक युवक को पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए तस्कर ने अपना नाम सालिम पुत्र मीनू निवासी सलेमपुर मार्ग कांधला बताया। पुलिस के अनुसार तलाशी लेने पर पकड़े गए मादक पदार्थ तस्कर के कब्जे से 400 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस ने सोमवार को मादक पदार्थ तस्कर के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

बाइक की चपेट में आई मासूम, घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। कस्बे के गंगेरू रोड पर तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से नो वर्षीय मासूम बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा.तफरी मच गई। राहगीरों और मोहल्लेवासियों ने तुरंत मानवता दिखाते हुए बच्ची को निजी चिकित्सालय पहुंचाया तथा परिजनों को सूचना दी।सोमवार को गंगेरू रोड निवासी उमरदीन की नो वर्षीय बेटी शबनम अपने घर के बाहर गली में खेल रही थी। इसी दौरान गंगेरू की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे एक बाइक सवार ने नियंत्रण खो दिया और मासूम को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही बालिका सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई।घायल की चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। लेकिन घटना के तुरंत बाद बाइक सवार मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। मोहल्लेवासियों ने राहगीरों की मदद से घायल बच्ची को तुरंत कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना घायल बालिका के परिजनों को दी।समाचार लिखे जाने तक इस मामले में पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई थी।

13 दिसम्बर को लगेगी लोक अदालत

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13.12.2025 के आयोजन में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सुनिश्चित कराने हेतु आज बैठक आहूत की गई, जिसकी अध्यक्षता सुरेन्द्र कुमार राय, अपर सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, शामली, आंचल कसाना, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शामली, रजत गर्ग, गुलफाम, सोनू, सन्दीप राम फाईनेस्स, बाल मुकन्द (शिवालिक बैंक), शामली आदि उपस्थित रहे। बैठक में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाए जाने के बारे में उपस्थित पदाधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया गया तथा राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण अन्तिम रूप से कराकर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाए जाने हेतु अपना योगदान प्रदान करने हेतु कहा गया।

कुशांक चौहान को बनाया सदस्य

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत गठित राज्य सलाहकार बोर्ड में जनपद शामली के कांधला निवासी समाजसेवी कुशांक चौहान को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इस संबंध में दिव्यांगजन सशक्तीकरण अनुभाग-3 द्वारा सोमवार को आधिक. ारिक रूप से सूचना जारी की गई है। शासन स्तर पर नामनिर्दिष्ट सदस्यों के स्थान पर नए सदस्यों की नामांकन प्रक्रिया पूरी की गई है। इसी क्रम में कुशांक चौहान को राज्य दिव्यांग सलाहकार बोर्ड में प्रतिनिधित्व का अवसर मिला है। बताया गया कि वे लंबे समय से समाजसेवा से जुड़े हुए हैं और विशेष रूप से दिव्यांगजनों के अधिकारों, शिक्षा, रोजगार तथा सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके मनोनयन की सूचना मिलते ही जनपद शामली सहित कांधला क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। क्षेत्रवासियों एवं सामाजिक संगठनों ने उनके चयन का स्वागत करते हुए इसे जनपद के लिए गौरव का विषय बताया है और उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। कुशांक चौहान ने कहा कि पार्टी और राज्य सलाहकार बोर्ड ने जो जिम्मेदारी दी है उसको पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाऊगा। दिव्यागों के उत्थान के लिए कार्य किया जाएगा।

जियो पॉलिटिक्स पर सेमिनार का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जनता वैदिक कॉलेज, वीवी पीजी कॉलेज शामली एवं इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को शहर के वीवी पीजी कॉलेज में जियो पॉलिटिक्स इन सार्क विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में देशभर से आए विद्वानों ने सार्क देशों की वर्तमान स्थिति, भारत की भूमिका और क्षेत्रीय राजनीति पर गहन विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। छात्रा तनु धीमान ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व कुलपति प्रो. आरएस यादव, इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी एवं मेरठ विश्व. विद्यालय के राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव शर्मा, मां शाकंभरी विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक राजीव चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनता वैदिक कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र प्रताप चौधरी ने की।

कार्यक्रम संयोजक डॉ। प्रताप सरोहा ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में भारत और उसके पड़ोसी देशों के संबंध अत्यंत संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ बढ़ाए जाने के बाद भारत के लिए सार्क का महत्व और भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि भारत की विद. ेश नीति अब पहले से अधिक यथार्थवादी दिखाई दे रही है। प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. आरएस यादव ने सार्क की स्थापना, उसकी उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सार्क देशों में आपसी सामंजस्य का अभाव सबसे बड़ी समस्या है। जब तक यह दूर नहीं होगा, तब तक संगठन अपने उद्देश्य में पूर्णतः सफल नहीं हो सकता।

प्रो. संजीव शर्मा ने सार्क देशों में चीन के बढ़ते हस्तक्षेप पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के सभी पड़ोसी देशों में चीन तकनीक, हथियार और इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जो भारत के लिए संवेदनशील विषय है। उन्होंने भारत को शिक्षा, संस्कृति और योग जैसे क्षेत्रों में अपनी भूमिका मजबूत करने का सुझाव दिया। मां शाकंभरी विश्व. विद्यालय के परीक्षा नियंत्रक राजीव चौधरी ने कहा कि सार्क संगठन अपनी प्रासंगिकता धीरे-धीरे खो रहा है, क्योंकि सदस्य देश अनेक अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से जुड़े हुए हैं, जिसके कारण साझा रणनीति का अभाव दिखाई देता है। इस अवसर पर प्रो. प्रतीत कुमार, प्रोफेसर जेके सरोहा, असिस्टेंट प्रोफेसर मुनेश कुमार, प्रो. सुधीर कुमार मौजूद रहे।

चोरों ने साफ किया ई-रिक्शा

शामली। शहर कोतवाली क्षेत्र के सती मंदिर रोड से चोरों ने ई-रिक्शा को चोरी कर लिया। पीडित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की। चोर सीसीटीवी कैमरों में आने के बावजूद पुलिस अभी तक पकडने में नाकाम है। शहर कोतवाली क्षेत्र के सती मंदिर रोड निवासी रजनीश पुत्र सुरेंद्र सिंह गत शनिवार को अपनी ई-रिक्शा को खडी कर घर में गया था। बताया जाता है कि सवेरे करीब साढे 11 बजे के लगभग दो चोरों ने उसके घर के बाहर खडी ई-रिक्शा को चोरी कर लिया। चोरी की घटना का पता चला तो पीडित ने चोरों की तलाश की और पुलिस को मामले की सूचना दी। पीडित ने बताया कि चोर सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए है, लेकिन पुलिस उसकी रिक्शा को बरामद नही कर सकी है।

बिना शटडाउन लाइन पर चढ़ा संविदा लाइनमैन, झुलसा

शाह टाइम्स संवाददाता

थाना भवन। संदिग्ध परिस्थितियों में एक खंबे पर चढ़े संविदा विद्युत लाइनमैन करंट लगने से गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद विभाग में हड़कंप मच गया।मिली जानकारी के अनुसार संविदा लाइनमैन बिजेंद्र पुत्र जयपाल, निवासी गांव लतीफगढ़, बिजली के खंभे पर चढ़कर लाइन ठीक कर रहा था इसी दौरान अचानक करंट प्रवाहित होने से उसके कपड़ों में आग लग गई जिससे उसकी पीठ बुरी तरह झुलस गई। साथी कर्मचारि ने आनन-फानन में बिजली घर में फोन कर विद्युत बंद करवाई उसे जुलसे से लाइनमैन को इलाज के लिए थाना भवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।सीएचसी के डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। लेकिन परि. जनों की सहमति से घायल लाइनमैन को बेहतर उपचार के लिए गंगदासपुर, जनपद मुजफ्फरनगर ले जाया गया है।इस मामले में थाना भवन विद्युत उपकेंद्र के एसडीओ बिजेंद्र कुमार ने बताया कि लाइनमैन बिना शटडाउन लिए ही लाइन पर चढ़ गया था, जिससे हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि इस घटना की स्थानीय विभागीय स्तर पर जांच कराई जा रही है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।घटना के बाद बिजली विभाग के कर्मचारियों में भी शोक और चिंता का माहौल है।

विदेश भेजने के नाम पर रकम वसूली, मारपीट की

शाह टाइम्स संवाददाता

थानाभवन। कस्बे के दो युवकों को नौकरी दिलाने के नाम पर कुवैत भेजे जाने के बाद उनके साथ मारपीट किए जाने और अकामा न देने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित परिजनों ने थाना भवन पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

मोहल्ला बंदागढ़ निवासी नसीम ने दी तहरीर में बताया कि कस्बा निवासी समीर ने उसके पुत्र शाकिर तथा पड़ोसी सलीम को विदेश में अच्छी नौकरी देने का झांसा दिया। इस बहाने दोनों से मोटी रकम ली गई और उन्हें कुवैत भेज दिया गया। पीड़ितों के कुवैत पहुंचने के बाद पता चला कि आरोपियों ने उनका अकामा वीजा तक नहीं बनवाया। जब शाकिर और सलीम ने समीर से अकामा दिलाने की मांग की, तो आरोप है कि समीर व उसके साथियों ने दोनों युवकों के साथ मारपीट की।

स्थिति बिगड़ने पर पीड़ितों ने इसकी शिकायत भारत में अपने परिवार वालों को दी। परिजनों द्वारा थाने में तहरीर देने के बाद आरो. पियों ने कुवैत में मौजूद दोनों युवकों पर और दबाव बनाया तथा मारपीट करते हुए उन्हें कमरे से बाहर निकाल दिया, जिससे दोनों को रातभर परेशानियों का सामना करना पड़ा।

उधर क्षेत्र में विदेश भेजने के नाम पर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। कुछ दिनों पूर्व भी जलालाबाद क्षेत्र से ऐसा ही मामला सामने आया था। पीड़ितों का कहना है कि ऐसे दलाल लोगों को विदेश भेजने के नाम पर ठगते हैं और जब शिकायत की जाती है तो ए लोग जान के दुश्मन बन जाते हैं।

नसीम की तहरीर पर थाना भवन पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं, आरोप है कि आरोपी पक्ष मामले में समझौता कराने के लिए पीड़ित परिवार पर दबाव बना रहा है।

30 करोड़ से दुरुस्त की जाएगी शहर की जल निकासी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम के सभी 70 वार्डो में पुराने नालों का सुधार व नये नालों का निर्माण कर जल निक. ासी की व्यवस्था को दुरुस्त किया जायेगा। इसके लिए निगम के बजट में 30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज शाम निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर स्क्रीन के माध्यम से प्रस्तावित नालों की लोकेशन और उनके सम्बंध में तैयार ऐस्टीमेट की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए।

महापौर डॉ. अजय कुमार व नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर निर्माण विभाग द्वारा 70 वार्डो में 107 नालों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्ताव में 15 से 30 लाख तक लागत वाले नालों को लिया गया है। नगरायुक्त ने स्पष्ट किया कि जो भी नाले बनाये जायेंगे, वे सब आरसीसी से और कवर सहित निर्मित किये जायेंगे तथा पूरी निकासी के साथ बनाये जायेंगे। निर्माण विभाग के अधिकारी ये सुनिश्चित करेंगे कि निर्मित नालों में कहीं भी पानी का जमाव व रुकाव न रहे। उन्होंने कहा नालों में फ्लोटिंग आदि रोकने के लिए शटर वाली जाली लगाएं, ताकि नालों में बहकर आयी फ्लोटिंग को समय समय पर साफ किया जा सके।

नगरायुक्त ने नाला निर्माण में स्वास्थय विभाग व जलकल विभाग से समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए, ताकि नालों की सफाई में कहीं कोई अवरोध या बहाव में कोई परेशानी न आए। उन्होंने वार्ड 35 का कच्चा नाला भी टेकअप करने और अम्बाला रोड के अंत्येष्टि स्थल को भी सुधार कर बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन नालों की लागत 30 लाख से ऊपर निकल रही है उन्हें निर्धारित राशि के अंतर्गत लाने का प्रयास करें।

इससे पूर्व जेई मदनपाल ने घुन्ना महेश्वरी में निर्माणाधीन सीबीजेड गैस संयंत्र की भूमि में जलभराव की समस्या का उल्लेख करते हुए नगरायुक्त को बताया कि चारों ओर का पानी संयंत्र भूमि में एकत्रित होकर तीन-चार फुट तक जमा हो जाता और उसे सूखने में तीन महीने लगते है। जेई ने बताया कि संयंत्र की चारदीवारी को पूरी तरह सील कर भीतर-भीतर नाला बनाया जायेगा और समक्वैल बनाकर उसे पम्प कर पानी बाहर निकाला जायेगा। बैठक में अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, मुख्य अभियंता निर्माण सुरेश चंद, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, अधिशासी अभियंता आलोक श्रीवास्तव, नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. प्रवीन शाह, लेखाधिकारी मनोज त्रिपाठी, जीएम स्मार्ट सिटी दिनेश सिंघल, जेडएसओ राजीव चौधरी आदि के अलावा एई व जेई शामिल रहे।

हादसे का इंतजार कर रही पिछले डेढ साल से टूटी पड़ी यमुना पुल की रैलिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

सरसावा। पंचकूला रुड़की नेशनल हाईवे पर हाइवे मेंटिनेंस कंपनी की बड़ी लापरवाही के चलते डेढ़ साल से यमुना पुल की टूटी रेलिंग हादसों को दे रही खुला निमंत्रण अनदेखी से कभी भी हो सकती है बड़ी अनहोनी कौन होगा जिम्मेदार।

बता दे कि पंचकूला रुड़की नेशनल हाईवे पर जब हरियाणा प्रदेश के जनपद यमुनानगर से उत्तर प्रदेश के जनपद सहारनपुर सीमा को जोड़ने वाले शाहजहांपुर यमुना नदी के पुल पर पहुंचते है तो पुल रेलिंग टूटी देख वाहन चालकों की सांसे अटक सी जाती है डेढ़ साल पहले किसी वाहन के टकराने से दो पैनल रेलिंग क्षतिग्रस्त हो गई थी।इतना ही नहीं कई वर्षों पूर्व भी इस पुल की रेलिंग से टकरा एक सिरे से भरा टैंकर नदी में गिर गया था। जबकि इस पुल की रेलिंग के सहारे खड़े हो यात्री भी मछलियों को चारा डालने है।

तीन माह पहले जब यमुना नदी का जलस्तर बढ़ा तो हाईवे मेंटिनेंस कंपनी द्वारा खानापूर्ति के नाम पर रेलिंग को ठीक करने के बजाये लगा दिए थे एंजेबी बैरियल। बड़ा सवाल क्या अब एंजेबी बैरियल के सहारे रहेगी यात्रियों की सुरक्षा।

इस संबंध में हाईवे मैटिनस कम्पनी इनकाइंफ्रा के साइट इंचार्ज अर्पण गुप्ता का कहना है कि जल्द ही रेलिंग के सुधार का कार्य कराया जाएगा।

कुराश में अभिनव सैनी बना राज्य चैंपियन

शाह टाइम्स संवाददाता

छुटमलपुर। कस्बे के होनहार पहलवान अभिनव सैनी ने एक बार फिर गदर मचा दिया गौतमबुद्ध नगर के गहलौत इंटरनेशनल स्कूल में 7 दिसंबर को हुई राज्य स्तरीय कुराश चैंपियनशिप में अभिनव ने 90 किग्रा जूनियर वर्ग में गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। फाइनल में उन्होंने प्रतिद्वंद्वी को महज 2 मिनट 40 सेकंड में चित कर सबको हैरान कर दिया।

इस शानदार जीत के साथ अभिनव का चयन जनवरी के पहले सप्ताह में बिहार में होने वाली राष्ट्रीय कुराश प्रतियोगिता के लिए भी पक्का हो गया है। अभिनव की झोली पहले से ही उपलब्धियों से भरी है। फरवरी में थाईलैंड में हुई युवा एशियाई जू-जित्सू चौंपियनशिप में पांचवां और अगस्त में दक्षिण कोरिया में एशियाई कुराश जूनियर चौंपियनशिप में छठा स्थान हासिल कर चुके हैं। इसके अलावा 9 सितंबर को मेरठ में सीबीएसई नॉर्थ जोन जूडो चौंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था।अभिनव ने अपनी सफलता का श्रेय कोच मोहित शर्मा और परिवार को दिया। उन्होंने कहा, "मम्मी-पापा और गुरुजी की मेहनत का नतीजा है ये मेडल। अब राष्ट्रीय में गोल्ड लाकर छुटमलपुर का नाम और ऊंचा करूंगा अभिनव की जीत पर कस्बे में खुशी की लहर है व्यापार मंडल अध्यक्ष मांगेराम शर्मा, मंदिर समिति के प्रमोद शर्मा, पंजाबी सेवा समिति के नवीन खुराना, इंटर कॉलेज प्रबंधक अनुज प्रताप सिंह राव शमीम सोनू राणा जीशान राणा समेत तमाम गणमान्य लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया और ओलंपिक तक का सफर तय करने की शुभकामनाएं दीं।

पेड न काटने देने का लगाया आरोप

चिलकाना। दभेडा कलां निवासी पीड़ित व्यक्ति ने गांव निवासी विपक्षियों पर उसके खेत से उसे जबरदस्ती पेड़ काटे जाने से रो. कने का आरोप लगाया है।

पीड़ित मुस्तफा ने टोडरपुर चौकी पर तहरीर देते हुए बताया है कि उसके ताऊ अब्दुल सत्तार द्वारा एक खेत की वसीयत मुस्तफा के नाम की हुई है जिसके पूरब पश्चिम में पोपुलर पेड का नौर भी खड़ा हुआ है जिस पर वह काबिज भी चला आ रहा है। आरोप है कि मुस्तफा के घरवाले व गांव निवासी कुछ विपक्षी गुंडागर्दी दिखाते हुए उसे पोपलर के पेड़ो की कटाई करने से रोक रहे है तथा मार पिटाई व गाली गलौज कर घर से बाहर निकालने की धमकी दे रहे है। पीड़ित ने बताया है कि जो वसीयत ताऊ ने उसके नाम कर रखी है उस वसीयत को उसके विपक्षी चचेरे भाई चढ़ने नहीं दे रहे है।

जनता मॉन्टेसरी स्कूल में जैस्मीन हाउस बना विजेता

शाह टाइम्स संवाददाता

नानौता। जनता मॉन्टेसरी जूनियर हाईस्कूल में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में सबसे अधिक मैडल प्राप्त कर जैस्मीन हाउस विजेता बना। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेडल और ट्रॉफियां अपने नाम की। समापन अवसर पर स्कूल प्रबंधन ने विजेता खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल पहनाकर तथा ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

सोमवार को देवबंद मार्ग स्थित जनता स्कूल में आयोजित रेस प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी से अहाना ठाकुर तथा अद्विता ठाकुर तथा अंश मलिक प्रथम, अर्शी तथा हर्ष द्वितीय तथा रिया व अर्श तृतीय स्थान पर रहे। एलकेजी व यूकेजी क्लब में सूर्यांश प्रथम, शौर्य द्वितीय तथा मशीउल्लाह तृतीय स्थान पर रहे। म्यूजिकल चेयर में नर्सरी से पुन्य तनेजा और यश, यूकेजी से सत्यम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। फ्रॉग रेस में कक्षा यूकेजी से आदित्य, एलकेजी से आहिल और मोहम्मद शाद क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। जिगजैग रेस में कक्षा एक से समर हैदर, आवेश कर्नवाल तथा कक्षा तीन से शफिउल्लाह क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहे। स्पून रेस में कक्षा तीन से प्रिंस प्रथम, कक्षा दो से राधिका द्वितीय तथा कक्षा एक से लवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा जैस्मीन हाउस ने फ्रॉग रेस, कैरमबोर्ड, टग ऑफ वॉर, थ्री लेग रेस तथा वॉलीबॉल, पैंसी हाउस ने टग ऑफ वॉर, खो-खो, बैडमिंटन, कैरम बोर्ड प्रतियोगिता, लिली हाउस ने फ्रॉग रेस, हुलाहूप तथा म्यूजिकल चेयर तथा चौस तथा लोटस हाउस ने बोट रेस जीती। सबसे अधिक मेडल जीतने के आधार पर जैस्मीन हाउस को प्रधानाचार्य रामभूल सिंह द्वारा चौंपियन ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन रविशा तथा खुशबू तोमर ने किया। इस दौरान दिनेश सिंह पुंडीर, रेणु पुंडीर, लक्की कुमार, संजय कुमार, रविशा, खुश्बू, प्राची, दीपा, सुनीता अरोड़ा, मीनाक्षी, नसरीन, नीलम, सोनिया, प्रतिभा, स्वाति, अल्का, शबनम, सना, आरती, अंशिका, वंशिका, सुनीता राणा, आकांक्षा त्यागी तथा आंचल आदि रहे।

दहेज हत्या मामले में पुलिस ने मृतका के पति को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। दहेज की भेंट चढ़ी विवाहिता की हत्या के मामले में कोतवाली पुलिस ने मृतक महिला के पति को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाही के बाद न्यायालय के समक्ष भेज दिया।

गौरतलब है कि विगत 30 अगस्त को खुराना कॉम्प्लेक्स में एक विवाहित महिला दीपांशी का शव फंदे पर लटका मिला था।मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।मृतका के पिता चरण सिंह उर्फ सोनू ने मृतक दीपांशी के पति व अन्य ससुरालियों पर अधिक दहेज की माँग करने व दीपांशी की हत्या करने का आरोप लगाया था।जिसमें पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कार्रवाही शुरू कर दी थी।विगत बुधवार को ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कोतवाली में धरना भी दिया था।शनिवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी नकुड़ रुचि गुप्ता व कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर राधेश्याम यादव ने मृतका के परिजनों से उनके घर जाकर वार्तालाप कर शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वा. सन दिया था।उसी आश्वासन को पूरा करते हुए तेज तर्रार कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर राधेश्याम यादव व उनकी पुलिस टीम के एसआई ललित कुमार, कॉन्स्टेबल दीपक भारद्वाज व कॉन्स्टेबल अतुल त्यागी ने मृतका के पति विशाल पुत्र राजेन्द्र को गिरफ्तार कर लिया और विधिक कार्रवाही कर न्यायालय के समक्ष भेज दिया है।

अवैध खनन करने वालों को सख्त कार्यवाही की चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

बेहट। अवैध खनन पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने को लेकर कोतवाली बेहट प्रांगण में स्टोन क्रेशरो के मालि. कों, कर्मचारियों एवं वाहन मालिकों चालकों, की मीटिंग आयोजित की गई जिस में अवैध खनन खनन करने वालो को सख्त निर्देश देते हुए कार्यवाही की चेतावनी दी गई है।

सोमवार को कोतवाली बेहट प्रांगण में स्टोन क्रेशरो, वाहन स्वामियों तथा चालकों की कोतवाली प्रभारी सतपाल सिंह भाटी की अध्यक्षता में मीटिंग हुई। मीटिंग में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी ने बोलते हुए कहा कि कोई भी स्टोन क्रेशरो के मालिक अवैध खनन न करे अगर ऐसा करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी इस के साथ कोई भी क्रेशर मालिक बिना प्रपत्रों के खनन न भरवाए केवल अंडर लोड रॉयल्टी रवान्ना वैध पत्रों पर खनन की लोडिंग कराए।

उन्होंने वाहन स्वामियों तथा चालकों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि कोई भी चालक वाहन को नशे की हालत में नहीं चलाए ट्रैफिक यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहनों को चलाए और वाहन के आगे पीछे हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट होनी चाहिएघ अगर किसी भी वाहन के दोनों ओर स्पष्ट रूप से नम्बर प्लेट नहीं लगी होगी तो वाहन चालक और स्वामी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान अतिरिक्त कोतवाली निरीक्षक संजीव शर्मा, उपनिरीक्षक टी एस सिंह, एस के नागर के अलावा स्टोन क्रेशरो के मालिक, कर्मचारी तथा वाहन स्वामी, चालक मौजूद रहे।

बैठक में मुख्य रूप से मिन्टू चौधरी, मनोज पंवार, मौ. जीशान, मरगुब, असजद, अंकुर कुमार, शाह आलम, राजाराम आदि मौजूद रहें।

अवैध सम्बन्धों का विरोध करने पर पीटने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। कस्बा सुल्तानपुर नगर निवासी एक महिला ने अपने पति का अन्य युवती के साथ अवैध सम्बन्ध होने तथा विरोध करने पर प्रेमिका व पति द्वारा उसके साथ मारपीट किये जाने का आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के मुताबिक सुल्तानपुर नगर के मोहल्ला कोठीवाला निवासी पीडित महिला ने बताया है कि उसकी शादी तीन वर्ष पूर्व हुई थी उसके दो बच्चे भी हैं। आरोप है कि कुछ समय पहले पीड़िता के पति के मोहल्ले निवासी एक युवती के साथ अवैध सम्बन्ध हो गये। पति के अवैध सम्बंधों के बारे में उसे पता चलने व फोन पर बात करते हुए पकडे जाने पर पीड़िता द्वारा विरोध किया गया तो उसका पति मारपीट करते हुए पीड़िता का उत्पीडन करने लगा।

आज सोमवार को दोपहर के समय वह घर के पास की एक दुकान पर सामान लेने गयी थी कि विपक्षिया प्रेमिका व उसकी मां ने उसे रास्ते में ही घेर कर गाली गलौज शुरू कर दी, तथा विरोध करने पर मारपीट की। पीड़िता ने घर आकर मारपीट के बारे में अपने पति को जानकारी दी तो पति ने भी प्रेमिका का पक्ष लेते हुए पीड़िता के साथ मारपीट की तथा उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने थाना पर तहरीर देकर विपक्षियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है।

यातायात नियमों का पालन करने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। सीओ सदर प्रिया यादव की मौजूदगी में थाना प्रांगण में खनन वाहन डंपर संचालकों की बैठक आयोजित कर सभी को यातायात सम्बन्धी नियमों का सख्ती से पालन करने तथा अवैध खनन परिवहन न करने की सख्त हिदायत की गई।

बता दें कि एसएसपी ने सम्पूर्ण जिले में ओवरलोडिंग, अवैध मार्गों से आवाजाही तथा तेज रफ्तार परिवहन करने वाले भारी वाहनों पर कड़े अभियान चलाने का आदेश दिया है। इसी के दृष्टिगत थाना पर आज यह बैठक आयोजित की गई थी।

बैठक में सीओ सदर प्रिया यादव ने सभी वाहन संचालकों से कहा कि ओवरलोडिंग केवल कानून का उल्लंघन नहीं अपितु सड़क हाद. सों का मुख्य कारण भी है। उन्होंने सभी चालको को सख्ती से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित मार्गो से धीमी गति से संच. ालन करने की सख्त हिदायत की। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने सख्त चेतावनी भी दी कि यदि कोई भी वाहन स्वामी अथवा चालक सरकारी आदेशो का उल्लंघन करता पाया जाता है तब सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

घर के दरवाजे पर पैट्रोल डालकर युवकों ने लगाई आग

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। गांव दूधगढ निवासी कादिर पुत्र समा ने गांव के ही दो युवकों पर उसकी बहन व पिता को जान से मारने की नियत से पैट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप लगाया है।

रविवार देर रात को क्षेत्र के गांव दूधगढ निवासी बुजुर्ग समा व उसकी बेटी अपने घर पर कमरे में सोये हुए थे। देर रात अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग के कारण दोनों बाप बेटी गंभीर रूप से झुलस गये। ग्रामीणों ने गंभीर हालत में दोनों को पिलखनी स्थित पीजीआई में भर्ती कराया। जहां दोनों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से झुलसे पीड़ित समा के बेटे कादिर ने थाना पर तहरीर देकर बताया है कि वह अपने भाई के साथ पंजाब राज्य के लुधियाना में काम करता है, घर पर उसका पिता समा व बहन थे। उन्होंने गांव के ही दो युवकों पर आरोप लगाते हुए बताया कि रविवार की देर रात दोनों विपक्षी उसके घर पर आये ओर जिन्दा जलाकर मारने की धमकी देते हुए घर के दरवाजे पर पैट्रोल डालकर आग लगा दी जिससे पीड़ित के पिता व बहन दोनों गंभीर रूप से जल गये। पीड़ित का कहना है कि आग लगने पर बाप बेटी के चिल्लाने लगे जिससे वहां काफी संख्या में लोग एकत्र हो गये। जिनमें से एक युवक ने दोनों आरोपियों को वहां से भागते हुए देखा। पीड़ित ने दोनों आरो. पियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही किये जाने की मांग की है। पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी।

दो हत्यारोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। कहासुनी के दौरान एक महिला के पेट में कैंची घोंपने व बाद में महिला की मौत होने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।आरोपियों के पास से आला ए कत्ल कैंची बरामद की गई है।

विगत 30 नवंबर को ग्राम नल्हेड़ा गुर्जर निवासी सर्वेस पुत्र करम सिंह ने कोतवाली तहरीर देकर 3 लोगों पर अपनी पत्नि आशादेवी के पेट में कैंची घोंप कर घायल करने तथा उपचार के दौरान महिला की मौत हो जाने की तहरीर दी थी।उक्त मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज जाँच शुरू कर दी थी।कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर राधेश्याम यादव के नेतृत्व में एसआई अरुण कुमार, एसआई विपिन कुमार, कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार व कॉन्स्टेबल प्रताप की टीम ने उक्त मामले में मुखबिर की सूचना पर पंकज पुत्र सेवाराम व सतीश पुत्र प्रेम सिंह निवासीगण ग्राम नल्हेड़ा गुर्जर को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि आशादेवी के साथ उनकी कहा. सुनी हो गई थी और आवेश में आकर पंकज ने दर्जी की दुकान से कैंची उठा कर आशादेवी के पेट में कैंची घोंप दी थी।जिससे वह घायल हो गई थी।जिसके बाद हम मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाही के बाद दोनों अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष भेज दिया है।

गरीब बच्चों को जर्सी वितरित करेगा सिटीजन क्लब

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। कस्बा सुल्तानपुर में सीनियर सिटीजन वेलफेयर क्लब की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया।

सोमवार को सुधीर कुमार जैन के आवास पर आयोजित बैठक में गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी सर्दी से बचने के लिए गरीब व जरूरतमंद बच्चों को जर्सी वितरित करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलदीप शर्मा ने कहा कि सीनियर सिटीजन द्वारा लगातार किया जा रहा यह कार्य सराहनीय है। इस प्रकार के सामाजिक कार्य निरंतर होते रहने चाहिए। इस अवसर पर सुधीर कुमार जैन, चौधरी धीरज सिंह, सत्यपाल मित्तल, श्रेयांश जैन, शिवनंदन शर्मा, जिनेंद्र जैन आदि उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर पोस्ट से मारपीट व फायरिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

नकुड़। छत्रपति शिवाजी महाराज से संबंधित एक पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तिरपड़ी गांव के वातावरण में हलचल पैदा कर दी। जो दो पक्षों के बीच तनाव और झड़प का कारण बन गई।

सोमवार को विवादित पोस्ट को लेकर गांव में मारपीट हो गई। इस दौरान एक पक्ष द्वारा की गई फायरिंग में दो लोग घायल हो गए। पीड़ित पक्ष के सुशील के मुताबिक गांव के एक युवक द्वारा शिवाजी महाराज की साझा की गई आपत्तिजनक पोस्ट पर रोहित ने एतराज जताया था। दिन में दोनों पक्षों के बीच संक्षिप्त बहस हुई और रोहित के साथ हाथापाई की गई। बाद में गांव के सम्मानित लोगों ने शाम के समय बातचीत के माध्यम से मसले को सुलझाने का प्रयास किया। बताया गया कि पंचायत के दौरान अचानक स्थिति फिर बिगड़ गई। दोनों पक्षों में झड़प के साथ फायरिंग की नौबत आ गई। घटना में सतीश पुत्र घासीराम के हाथ में गोली लगी, जबकि नरेंद्र पुत्र फल सिंह धारदार हथियार की चोट से घायल हो गए। दोनों घायलों को सीएचसी ले जाया गया। जहां से चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत के मद्देनजर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संयमित किया। कोतवाल धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है। स्थिति शांतिपूर्ण बनी रहे इसके लिए लगातार निगरानी की जा रही है। तहरीर प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एकता क्लब अम्बेहटा ने रुड़की टीम को 5 विकेट से रौंदा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जैन कॉलेज में आयोजित एकदिवसीय क्रिकेट मैच एकता क्लब अंबेहटा व रुड़की टीम के बीच खेला गया।

रुड़की के कप्तान सेठपाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते निर्धारित 30 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 230 रन का लक्ष्य विपक्ष एकता क्लब अंबेहटा टीम के समक्ष रखा । जिसमें रुड़की के बल्लेबाज विनोद सैनी ने 43, कमल त्यागी 78, कप्तान सेठपाल ने 31 रन का योगदान अपनी टीम को दिया। एकता क्लब की तरफ से सधी हुई गेंदबाजी करते शब्बर खान ने तीन विकेट, आरव बलाल खेड़ी ने दो विकेट जबकि संजीव शर्मा व गोविंद खेडी ने एक-एक विकेट लिया साथ ही फिरकी गेंदबाज जनक अंबेहटी ने पांच ओवर में मात्र 20 रन देकर विपक्ष को बड़े स्कोर से रोका। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी एकता क्लब की धमाकेदार बल्लेबाजी ने रुड़की गेंदबाजों की जमकर खबर ली ओर मात्र 24.3 ओवर में लक्ष्य प्राप्त कर पांच विकेट से मैच जीत लिया। एकता क्लब के बल्लेबाज शब्बर ने शतक लगाकर 103 रन की शानदार पारी खेली वहीं ओपनर पारस ने 30, कासिफ पठान 29, युसूफ खान 21 व उप कप्तान गोविंद ने छह गेंद पर 14 रन बनाकर नाबाद रहे। हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत शब्बर खान को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। इस दौरान संजय कुमार, शिव कुमार, कोच अर्जुन सिंह आदि मौजूद रहे।

सूचना

मैने अपने पुत्र साजिद को नाफरमानी के कारण अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उसके कार्यो की मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नही होगा।

शिबा पत्नि शहजाद निवासी पीर वाली गली नम्बर 17, थाना मण्डी, सहारनपुर।

पुलिस ने नशा तस्करों को धर दबौचा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। पुलिस ने चैकिंग के दौरान चरस एवं अवैध शराब बेचने के आरोप में अलग अलग स्थान से दो युवकों को धर दबौचा। गिरफ्तार युवकों के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा है।

ऑपरेशन सवेरा के तहत पुलिस ने चैकिंग के दौरान खानकाह पुलिस चौकी क्षेत्र से मंगलौर पुलिस चौकी क्षेत्र निवासी दानिश को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान इसके पास से 110 ग्राम चरस बरामद हुई। दानिश आसपास के इलाकों में चरस बेचने का काम कर रहा था। पुलिस के मुता. बिक पिछले काफी दिनों से पकड़े गए युवक द्वारा चरस बेचे जाने की शिकायत मिल रही थी, इसी के आधार पर जाल बिछाते हुए पुलिस ने उसे धर दबोचा।

वहीं, कुरलकी गांव से पुलिस ने रविंद्र कुमार को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से अवैध शराब के 20 पव्वे बरामद हुए हैं जो गांव के समीप ही एक नर्सरी के पास छुपाकर रखे गए थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पकड़े गए दोनों युवकों का चालान कर जेल भेज दिया है।

फैजान हॉस्पिटल में 10 दिसम्बर को लगेगा शिविर

देवबन्द। नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में कैंसर, हृदय रोग आदि रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक रोगियों की जांच कर उन्हें रोगों से बचाव के सुझाव देंगें।

दारूल उलूम रोड स्थित फैजान हास्पिटल में 10 दिसंबर को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा। अस्पताल के संस्थापक साद सिद्दीकी व अहमद सिद्दीकी ने बताया कि शि. विर में पहली बार कैंसर स्पेशलिस्ट डा. गौरव शर्मा और डा. चिराग जैन शामिल होंगे इनके अलावा हृदय रोग विशेषज्ञ डा. दीपक तोमर, जनरल फिजिशियन डा. सलीमुर्रहमान, डा. बी. दामोदर, गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा. प्रशांत राज गर्ग, गैस्ट्रो एवं लीवर विशेषज्ञ डा. संजीव छाबड़ा, जनरल एवं लैप्रोस्कोपी सर्जन डा. सन्नी मलिक और स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. मलिका राव और डा. अरशी शामिल

शिक्षा, विकास एवं नेतृत्व में क्रांति की शक्ति विषय पर कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। दून वैली पब्लिक स्कूल में शिक्षा, विकास एवं नेतृत्व में क्रांति की शक्ति विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षकों ने आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और लक्ष्य निर्धारण की महत्वपूर्ण तकनीक पर छात्रों व अभिभावकों का मार्गदर्शन किया।

दून वैली पब्लिक स्कूल प्रागण में छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए आयोजित कार्यशाला में छात्रों को अपने भविष्य के विकल्पों के बारे में सोचने, योजना बनाने और अपनी क्षमता के अनुसार निर्णय लेने के जरूरी टिप्स देते हुए विद्यालय के डायरेक्टर अनुराग सिंघल ने कहा कि जीवन में केवल अकादमिक सफलता ही पर्याप्त नहीं है। अपनी रुचियों की पहचान, मेहनत, अभ्यास और आत्म अनुशासन से ही छात्र-छात्राओं को वास्तविक

सफलता मिल सकती है। कार्यशाला में शिक्षकों ने अभिभावकों से अपने बच्चों के साथ समय बिताने, उनके सवालों को धैर्य से सुनने और पढ़ाई के दबाव की जगह सकारात्मक माहौल तैयार करने की जरूरत पर बल दिया।

प्रधानाचार्या सीमा शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में आत्मनिर्भरता,सकारात्मक दृष्टिकोण और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने की भावना को बढ़ावा मिलता है। इसलिए समय-समय पर इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन होता रहना चाहिए। इस मौके पर अर्चना शर्मा, तनुज कपिल आदि छात्र-छात्राओं सहित स्कूल का समस्त स्टाफ शामिल रहा।

जाम से होती लोगों को असुविधा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। गन्ने से भरे ओवरलोड ट्रक व भैंसा बुग्गी के कारण नगर के अतिव्यस्त मजनू वाला रोड पर जाम की स्थिति बनी रहती है। जिससे चार पहियां व दो पहियां वाहन स्वामियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। क्षेत्रवासियों द्वारा प्रशासन का इस ओर ध्यान दिलाये जाने के बावजूद प्रशासन के कानो जूं तक नहीं रेंगी है।

सोमवार की दोपहर करीब ढाई बजे गन्ने से भरी भैंसा बुग्गी का नगर के मजनू वाला रोड पर अचानक टायर फट गया जिससे उक्त मार्ग पर घंटों जाम लगा रहा। काफी देर बाद किसान ने कुछ लोगों की मदद से भैंसा बुग्गी को सडक किनारे किया जिसके बाद जाम खुल पाया और लोगों ने राहत की सांस ली। बता दें कि गन्ने से भरी भैंसा बुग्गी और ट्राली आदि नगर के अतिव्यस्त मजनू वाला रोड पर अकसर जाम का कारण बनती हैं। क्षेत्र के लोग लम्बे समय से उक्त मार्ग पर गन्ने से भरे वाहनों के प्रवेश पर रोक लागए जाने की मांग स्थानीय प्रशासन से कर रहे हैं।

छात्राओं को दिए आत्मरक्षा के टिप्स

देवबन्द। छात्राओं को आत्मरक्षा के टिप्स देते हुए बताया कि छात्राओं के पास सबसे बड़ा हथियार आवाज होती है। जिसका उन्हें सबसे पहले इस्तेमाल करना चाहिए।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रागण में आत्मरक्षा शिविर का आयोजन हुआ। इसमें देवबंद कराटे एकेडमी की प्रशिक्षु नीशू प्रजापति ने छात्राओं को पंच सिंगल, डबल किक, ब्लाग करना, फिंगर अटैक, पॉम अटैक और नॉक आउट आदि आत्मरक्षा के टिप्स दिए। नीशू ने बताया कि छात्राओं के पास उनका सबसे बड़ा हथियार आवाज होती है। इस तकनीक का ही छात्राएं सबसे पहले इस्तेमाल करें। इसके बाद ही आत्मरक्षा के तरीके अपनाए जाएं। डा. टीना, डा. कुसुमलता, डा. राजेश कुमार आदि छात्राओं सहित विद्यालय का स्टाफ शामिल रहा।

डीपीएम स्कूल ने ट्रांसलम को 81 रनों से पराजित कर जीत दर्ज कराई

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। डीपीएम क्रिकेट अकादमी एवं ट्रांसलम क्रिकेट अकादमी के बीच सोमवार को एक रोमांचक क्रिकेट मुकाबला खेला गया। जिसमें डीपीएम क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रांसलम क्रिकेट अकादमी को 81 रनों से पराजित किया। मैच में डीपीएम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

बल्लेबाजी करते हुए डीपीएम की टीम ने 25 ओवर में 190 रन का लक्ष्य ट्रांसलम क्रिकेट अकादमी को दिया। डीपीएम की ओर से यस ने 35 रन, आर्यन ने 33 रन, अर्जुन और सत्यम ने क्रमश 20-20 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। ट्रांसलम क्रिकेट अकादमी की ओर से माधव राजपूत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए, जबकि हर्षवर्धन और अभय ने 2-2 विकेट झटके। 190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ट्रांसलम क्रिकेट अकादमी की टीम डीपीएम के घातक गेंदबाजी आक्रमण के सामने टिक नहीं पाई और पूरी टीम 19.4 ओवर में मात्र 109 रन पर सिमट गई। ट्रांसलम की ओर से देवांश मोतला ने 35 रन, एकांश रस्तोगी ने 20 रन तथा आदर्श नागर ने 15 रन बनाए। डीपीएम की ओर से गेंदबाजी में जयंत जैनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट, वैष्णव उपाध्याय और वीर जैनर ने 3-3 विकेट लेकर टीम को शानदार जीत दिलाई। इस शानदार जीत में डीपीएम के कोच सनी धीमान का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उपभोक्ताओं को बिजली बिल राहत योजना का कुछ शर्तों के कारण नहीं मिल रहा लाभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। प्रदेश सरकार की उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए शुरु की गई बिजली बिल राहत योजना का लाभ उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा है। उन्हें मायूस होकर अधिकारियों के दफ्तर से लौटना पड़ रहा है।

विद्युत उपखंड अधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व में नगली मेहनाज में शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बिजली बिल राहत योजना का लाभ पाने के लिए 15 रजिस्ट्रेशन कराए गए, जिनसे करीब चार लाख 92 हजार हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। एसडीओ संतोष कुमार ने बताया कि प्रथम चरण में विद्युत उपभोक्ताओं को अधिक लाभ मिलेगा। विद्युत विभाग की टीम लगातार क्षेत्र के लोगों को जागरुक करने का काम कर रही है।

दरअसल, योजना में रजिस्ट्रेशन करने के लिए कुछ शर्तें भी रखी गई हैं, जो उपभोक्ता इन शर्तों पर खरा उतरता है उसी को इसका लाभ मिलेगा। एक दिसंबर से लागू हुई योजना में अभी तक केवल 240 उपभोक्ताओं को ही इसका लाभ मिल पाया है, जबकि लाखों उपभोक्ता इससे वंचित रह गए हैं। इस योजना की शर्तें ही इसके क्रियान्वयन में बाधा बन रही हैं। विशेषकर उन उपभोक्ताओं के लिए जिनकी महीने में 300 रीडिंग या 100 से कम रीडिंग हैं, ऐसे उपभोक्ता इस योजना का लाभ नहीं उठा सकते। इसके अतिरिक्त वर्ष 2025 में एक बार भी बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं को भी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। विद्युत निगम के उपखंड अधिकारी पुलकित टंडन ने बताया कि योजना में लाभ पाने के लिए कुछ मापदंड रखे गए हैं, जो उपभोक्ता इन मापदंडों पर खरा उतरता है उसे इसका लाभ मिल रहा है। वहीं, इस स्थिति ने आम उपभोक्ताओं के बीच निराशा पैदा कर दी है, जो सही समय पर बिल चुकाने के बावजूद इस राहत से वंचित रह गए हैं। उपभोक्ता योजना का लाभ पाने के लिए सुबह से ही बिजली दफ्तरों पर इकट्ठा हो रहे हैं, लेकिन जब उन्हें इन शर्तों के बारे में पता चल रहा तो उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ रहा है।

झंडा दिवस पर जिला न्यायालय में विशेष आयोजन, जिला जज को झंडा लोगो लगाया गया

शाह टाइम्स संवाददाता

सहारनपुर। 6 दिसंबर को झंडा दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर में एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपर जिला जज प्रकाश तिवारी ने औपचारिक प्रक्रिया निभाते हुए जिला जज सतेंद्र कुमार को झंडा दिवस का लोगो यानि प्रतीक चिन्ह लगाया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारियों ने झंडा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिवस राष्ट्रीय सम्मान, कर्तव्य और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का प्रतीक है। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न्यायपालिका में अनुशासन और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करते हैं। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

जिला जज सतेंद्र कुमार को झंडे का लोगो लगाते अपर जिला जज प्रकाश तिवारी।

सर्वोत्तम पब्लिक स्कूल में स्काउट गाइड का शुभारंभ

बहसूमा। सर्वोत्तम पब्लिक स्कूल शाहपुर बटावली के प्रांगण में एक स्काउट गाइड कैंप का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बहसूमा थाना प्रभारी प्रतिभा सिंह, संस्थान के निदेशक सोनू यादव एवं प्रशिक्षण निरीक्षक मनोज कुमार सिंधी के द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ की गई। कक्षा 7 की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर सभी अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन कु. स्मृति सिंह ने किया। कार्यक्रम में इलम सिंह, तखावली प्रेम सिंह, हरीशपाल, प्रवीण कुमार, कृपाल सिंह, नगला खेप्पड़ आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्थान के संचालक सोनू यादव ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह दिया।

बाइक हटाने को कहा, तो दबंगों ने ईओ के साथ की हाथापाई

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। नगर पंचायत परिसर में खड़ी बाइक को साइड में लगाने के लिए कहा तो दबंगों ने नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी व लिपिक पर गाली गलौज व दुर्व्यहार करते हुए हाथापाई कर दी।

ईओ के साथ मारपीट की घटना को लेकर नगर पंचायत के कर्मचारियों में आक्रोश पनप गया और मौके पर घंटों तक हंगामा रहा। उन्होंने आरोपी युवकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। अधिशासी द्वारा पुलिस को सूचना दी गई मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी युवकों को तलाश किया लेकिन सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी सचिन पंवार ने थाना क्षेत्र के सनोता निवासी चार युवकों को नामजद करते हुए पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह सोमवार दोपहर करीब 3 बजे अपनी गाड़ी से नगर पंचायत कार्यालय पर पहुंचे लेकिन वहां परिसर के मुख्य मार्ग के बीचो बीच खड़ी बाइक को देखकर अधिशासी अधिकारी अपनी गाड़ी से नीचे उतरकर बाइक वाले को आवाज लगाई लेकिन किसी ने नहीं सुना यह आवाज सुनकर नगर पंचायत कर्मचारी ने उस बाइक को एक साइड में खड़ी कर दी। कुछ देर बाद सनोता गांव निवासी दो युवक मौके पर पहुंच कर दबंगई दिखाते हुए गाली गलौज करने लगे। उन्होंने कहा कि हमारी बाइक को हटाने की किसकी हिम्मत हो गई और अधिशासी अधिकारी को गाली गलौज करने लगे। इतना सुनते ही ईओ मौके पर खड़े सुन रहे थे उन्होंने युवको को शांत करने का प्रयास किया लेकिन युवकों ने दो अन्य युवक और बुला लिए उन्होंने अधिशासी अधिकारी को गाली गलौज करते हुए हाथापाई कर मारपीट कर दी।

दीदी इससे तो तनाव ही बढ़ेगा

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। जिस बाबरी मस्जिद प्रकरण ने भारत की सियासत को बदल दिया 1987 में दो सीटों वाली भाजपा लगातार सत्ता की हैट्रिक लगा चुकी है। और उस समय देश के इतिहास के सबसे प्रचंड बहुमत 499 वाली कांग्रेस मात्र 99 सीट पर आ चुकी है।

ऐसे में बंगाल में एक कथित बाबरी मस्जिद की नींव रखना देश में और ज्यादा तनाव ही बढ़ाएगा। हो सकता है कि अगले कुछ वर्ष दीदी की सत्ता को बंगाल में चुनौती न मिले लेकिन बंगाल का इतिहास गवाह है कि लाल झंडे की 32 साल की सरकार को उखाड़ कर दीदी सत्ता में आए है और उनकी भी यह लगातार तीसरी सरकार है। लेकिन कुछ समय की सत्ता के लालच के लिए देश में दुबारा बाबरी मस्जिद जैसे प्रकरण को जिंदा करना कहा की समझदारी है।

बिजली राज्यमंत्री सोमेन्द्र तोमर पर दलितों के पट्टे हड़पने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। ग्राम इस्लामाबाद छिलौरा निवासी शेरा जाट उर्फ सूर्य प्रकाश ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए गंभीर आरोप लगाए है। अपने आरोप में शेरा जाट ने कहा है कि राज्यमत्री सोमेन्द्र तोमर ने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए 10 करोड़ रूपये के पट्टे दलितों को आवंटित हुए थे को एडीएम प्रशासन व जिला अस्पताल के एक डाक्टर की मिलीभगत से अपनी संस्था के नाम करा लिए है।

शेरा जाट का आरोप है कि राज्यमंत्री सोमेन्द्र तोमर ने अपना एक ट्रस्ट बनाया हुआ है जिसका नाम शांति निकेतन है इस ट्रस्ट के नाम से शेरा जाट के अनुसार बिजली राज्यमंत्री सोमेन्द्र तोमर एक भूमाफिया बन गये है।

गिरफ्तारी न होने पर आंदोलन की चेतावनी

छुर गांव में हुआ था लाइनमैन पर जानलेवा हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। थाना क्षेत्र के गांव छुर में रविवार को लाइनमैन के उपर हुए जानलेवा हमले के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी न होने से गुस्साएं संविदा कर्मचारियों ने सोमवार को नगर में कार्य बाधित करते हुए आरोपी की जल्द गिरफ्तारी न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। यूनियन के पदाधिकारियों ने पुलिस को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है। गौरतलब है कि सरधना थाना क्षेत्र के गांव छुर बिजलीघर पर तैनात नलकूप पर अवैध रूप से बिजली का तार लगाने को लेकर हुए विवाद में रविवार दोपहर लाइनमैन राकेश पुत्र जयपाल के उपर गांव के ही युवक ने गोली चला दी थी, जो उसके हाथ कूल्हे पर जा कर लगी थी। इस मामलें में पुलिस ने मुकदमा कायम कर लिया था, लेकिन आरोपी की पकड़ नही हो सकी थी। सोमवार को संविदा कर्मचारी सेवा समिति की तरफ से सरधना बिजली घर पर प्रदर्शन करते हुए कार्य बाधित रखा, साथ ही यूनियन की तरफ से मुख्य अभियंता के नाम का ज्ञापन एक्सईएन को सौंपा गया। जिसमें यूनियन की तरफ से आरोपी की जल्द गिरफ्तारी न होने पर प्रदेश भर में आंदोलन की चेतावनी दी। इस दौरान यूनियन के पदाधिकारी भूपेन्द्र सिंह, अमित खारी, विनोद कुमार, लाइनमैन सोनू, सौरभ, श्रवण कुमार, प्रताप, खलील मौजूद रहें।

बच्चों के विवाद के बाद युवक को पीटा, हालत गंभीर

■ घायल युवक को सीएचसी में कराया भर्ती

शाह टाइम्स संवाददाता

लावड़। क्षेत्र के ग्राम चिंदौड़ी में रविवार को बच्चों में हुए विवाद हो गया था। जिसके बाद एक पक्ष के युवक ने दूसरे पक्ष के बच्चे को थप्पड़ मार दिया था और मामला शांत हो गया था।

रविवार को बच्चे के पिता किसी काम से लावड़ गए थे वहां गांव के ही युवक ने उनके साथ गाली गलौज करते हुए जमकर मारपीट की जिससे वो घायल हो गया। चिंदौड़ी गांव निवासी शर्मिष्ठा पत्नी गंगाशरण ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि गांव के ही रहने वाले राजदीप पुत्र ओमकार के बच्चों से उसके बच्चों का रविवार को विवाद हो गया था जिसके बाद राजदीप ने उसके बेटे वंश को थप्पड़ मार दिया था लेकिन उन्होंने कोई शिकायत नहीं की थी। शर्मिष्ठा ने आरोप लगाया कि सोमवार को उसके पति गंगाशरण किसी काम से लावड़ गए थे कस्बे में पुरानी पानी की टंकी के पास उन्हें राजदीप पुत्र ओमकार व गुड्डू पुत्र ओमपाल मिले उन्होंने उसके पति गंगाशरण को रोककर गाली गलौज की व जाति सूचक शब्द कहते हुए लात घुसो व डंडे से जमकर पीटा और कई बार उसका सिर पकड़कर दीवार में मारा जिससे गंगाशरण बेहोश होकर गिर गया। जिसके बाद दोनों युवक उसे अधमरा कर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। गंगाशरण को दौराला सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने चौकी पहुंचकर तहरीर दी है।

आवश्यकता है।

आशादीप डिग्री कॉलेज नागल सहारनपुर को अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान, इतिहास विषय हेतु यूजीसी मानक अनुसार प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। **इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें:- 9761569381.**
Ashadeepcollege@gmail.com

चंद्रशेखर और ओवैसी का गठबंधन यूपी में लिख सकता है सियासत की नई इबारतः शाहजेब

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। आजाद समाज पार्टी के नेता शाहजेब रिजवी ने आजाद समाज पार्टी और एआईएमआइएम के गठबंधन को लेकर एक बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम साथ मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं और अगर ऐसा हुआ तो उत्तर प्रदेश की सियासत में एक नई इबारत लिखी जाएगी, और 2027 का चुनाव समाजवादी पार्टी और भाजपा देखते ही रह जाएगी। आजाद समाज पार्टी के नेता शाहजेब रिजवी का कहना है कि उत्तर प्रदेश का युवा संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के अनुयायियों को प्रदेश सरकार परेशान कर रही है।

प्रदेश सरकार के जुल्म से परेशान लोगों के लिए एक मंच तैयार हो रहा है। जिसमें बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी और भाई चंद्रशेखर आजाद एक साथ आ सकते हैं दोनों ही नेता जुल्म के खिलाफ खुलकर बोलते हैं और सभी वर्ग को साथ लेकर चलने

शाहजेब रिजवी।

की बात करते हैं शाहजेब रिजवी का कहना है कि आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद मुस्लिम समाज के लिए खुलकर बोलते हैं उन्होंने न सिर्फ बाबरी मस्जिद पर अपनी राय दी बल्कि सीएए एनआरसी व एसआईआर प्रक्रिया के साथ-साथ मुसलमान के जिहाद को भी अच्छे से देश की जनता को समझाया है कि जिहाद का आखिर मतलब क्या है। शाहजेब का कहना है कि उत्तर प्रदेश में जहां दलित समाज की एक बड़ी संख्या चंद्रशेखर आजाद के पीछे आ रही है वहीं मुस्लिम समाज की बड़ी भागीदारी भी पार्टी में दिख रही है आपको बता दें कि बीते दिनों मुजफ्फरनगर के जीआईसी मैदान में आजाद समाज पार्टी की एक बड़ी महारैली हुई थी जिसमें सरधना विधानसभा क्षेत्र से लगभग 300 ट्रैक्टर और दर्जनों गाड़ियों के काफिले के साथ शाहजेब रिजवी महारैली में पहुंचे थे। शाहजेब लगातार सरधना विधानसभा में गांव गांव लोगों के बीच जा रहे हैं बहुत कम समय में शाहजेब ने पार्टी की नीति को जनता के बीच पहुंचाया है और अब वह सरधना से चुनाव लड़ने का सपना देख रहे हैं। हालांकि उनका कहना है कि अगर पार्टी उन्हें टिकट देगी तो जरूर लड़ेंगे और पार्टी का कोई और भी निर्णय होगा तो उसका भी सम्मान करेंगे। उनका मकसद पार्टी को 2027 के चुनाव में बड़ी जीत दिलाना है और वह चंद्रशेखर आजाद के साथ ही संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ेंगे।

रजवाहे में गिरी अनियंत्रित कार

मेरठ। रविवार देर रात किठौर मवाना मार्ग पर एक सड़क हादसा हुआ। किठौर के रेंच पुल के पास एक तेज रफ्तार क्रेटा कार अनियंत्रित होकर रजवाहे में गिर गई। कार में सवार दो युवकों को राहगीरों ने सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, काले रंग की हुंडई क्रेटा UK-19-B 5777 राजवाहे की चारदीवारी से टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार दीवार तोड़ते हुए सीधे राजवाहे में जा गिरी और दो पलटे खाए, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार चालक तेज रफ्तार में था और नशे की हालत में गाडी चला रहा था। हादसे के बाद कार राजवाहे में उलटी पड़ी थी और दोनों युवक अंदर फंसे हुए थे। आसपास मौजूद लोगों ने तेज आवाज सुनकर मौके पर पहुंचकर राहगीरों ने देखा कि बम्बे के पानी मे कार उल्टी होकर पड़ी है, अंधेरा और ठंड होने के बावजूद कई राहगीरों ने देरी किये बिना पानी में पड़ी कार से ड्राइवर व उसके साथी को बाहर निकाला। युवकों को सुरक्षित निक. ालने के बाद राहगीरों ने उन्हें आग जलाकर गर्माहट दी और प्राथमिक सहायता प्रदान की। सूत्रों के अनुसार, ड्राइवर को मामूली चोटें आई हैं, जबकि दूसरे युवक की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार को पानी से बाहर निकाली गई।

शोभित में आर्म्ड फोर्स फ्लैग-डे दिवस मनाया

मेरठ। शोभित विश्वविद्यालय मेरठ में आज आर्म्ड फोर्स फ्लैग डे सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर विवि के कुलाधिपति कुंवर शेखर विजेंद्र द्वारा विश्वविद्यालय में ध्वज आरोहण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डाक्टर वी.के. त्यागी, कुलपति शोभित यूनिवर्सिटी गंगोह, कर्नल कमांडेंट प्रोफेसर डॉ. रणजीत सिंह, वाइस चांसलर प्रोफेसर डाक्टर जयानंद, रजिस्ट्रार डॉ. गणेश भारद्वाज, अन्य विशिष्ट अतिथि गण एवं विश्व. विद्यालय के एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डाक्टर कुलदीप कुमार एवं 70 यूपी बटालियन एनसीसी मेरठ की एनसीसी यूनिट के कैडेट्स उपस्थित रहे एवं सभी ने राष्ट्रीय ध्वज को सेल्यूट किया। इस अवसर पर बोलते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कुंवर शेखर विजेंद्र द्वारा बताया गया कि किस प्रकार 7 दिसंबर 1949 से हम लगातार आर्म्ड फोर्स फ्लैग डे मनाते आ रहे हैं और इस अवसर पर हम अपने सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता एवं सम्मान प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज एक है और हम सभी को एकता में पिरोने का काम करता है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे सेना के वीर जवानों के साहस और बलिदान का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। विश्व. विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. वी. के. त्यागी ने कहा कि यह दिन उन शहीदों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है, जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए प्राण न्यौछावर किए। इस अवसर पर बोलते हुए शोभित विश्वविद्यालय गंगोह के कुलपति कर्नल कमांडेंट प्रोफेसर डॉ. रणजीत सिंह ने कहा कि यह हमारे थल सेना, नौसेना और वायु सेना के सक्रिय सैनिकों के समर्पण को सराहने का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि देश की रक्षा करने वालों का सम्मान और सहयोग करना हर नागरिक का कर्तव्य है। इस अवसर पर बोलते हुए शोभित विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रोफेसर डॉ. जयानंद ने कहा कि यह नागरिकों को सेना के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है।

टी-20 मुकाबले में जीत के साथ आगाज करने उतरेगी भारतीय टीम

● **भारतीय टीम आज दक्षिण अफ्रीका के साथ पांच मैंचों की सीरीज का पहला मैच खेलेगी**

कटक, वार्ता। भारतीय टीम मंगलवार को बाराबती स्टेडियम की रोशनी में हालिया फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के पहले टी-20 मुकाबले में जीत के साथ आगाज करना चाहेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज आश्चर्यचकित कर सकते है। भारत कल आत्मविश्वास के साथ सीरीज में उतरेगा। इस साल के एशिया कप में अजेय रहने और ऑस्ट्रेलिया में 2-1 से कड़ी टक्कर वाली जीत के साथ, उनमें आत्मविश्वास और दम दोनों हैं। इस प्रारुप में एक विश्व चैंपियन टीम, वे विस्फोटक बल्लेबाजी को एक विविध और खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के साथ मिलाते हैं। अभिषेक शर्मा, जो हमेशा शीर्ष पर एक जीवंत चिगारी रहे हैं, पावरप्ले में लय सेट करने का प्रयास करेंगे। शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा बीच में स्थिरता के साथ स्ट्राइक रोटेट करने और शानदार प्रदर्शन करने में सक्षम हैं।

वहीं अगर निचले क्रम की बात की जाए तो हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और शिवम दुबे, या हर्षित राणा, वह गहराई और फिनिशिग टच देते हैं जो कुछ ही पलों में खेल का रुख बदल सकता है। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण गति, स्विग और स्पिन का एक संगम है। जसप्रीत बुमराह, जो शायद दुनिया के सबसे धारदार तेज गेंदबाजों में से एक हैं, आक्रमण की अगुवाई करेंगे, जिसमें अर्शदीप सिंह अपनी चतुराई और सटीकता से उनका साथ देंगे। कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल अपनी स्पिन वैरायटी से किसी भी बल्लेबाजी को मुश्किल में डाल सकते हैं। वहीं अगर दक्षिण अफ्रीका की बात की जाए तो वह हाल के टी-20 में उतार-चढ़ाव वाली फॉर्म के साथ आई है, जिसे पाकिस्तान और नामीबिया से हार का सामना करना पड़ा है। वे क्विटन डी कॉक और एडन मारक्रम के अनुभव पर भरोसा करेंगे ताकि शुरुआत में ही लय बनाई जा सके, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स और डेवाल्ड ब्रेविस पर बीच के ओवरों में पारी को संभालने की जिम्मेदारी होगी। निचले क्रम में, डेविड मिलर और यानसन जैसे खिलाड़ी तेजी से रन जोड़ सकते हैं, लेकिन मेहमान टीम जानती है कि वे धीमी शुरुआत का जोखिम नहीं उठा सकते। दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी की अगुवाई खतरनाक एनरिक नॉर्टजे और लुंगी एनगिडी कर रहे हैं। वे अपनी गति और सटीकता से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते है। यानसन की उछाल और अतिरिक्त तेजी एक और रोमांच जोड़ती है, लेकिन द. अफ्रीका को यहां सफल होने के लिए, भारत की बल्लेबाजी फॉर्म के खिलाफ उनका प्रदर्शन शानदार करना होगा। बाराबती स्टेडियम में आमतौर पर एक अच्छी पिच होती है, जिसकी बाउंड्री 65 से 70 मीटर के बीच होती है। लाइट्स में लाल मिट्टी की पिच अतिरिक्त गति और उछाल दे सकती है, जबकि शाम की ओस लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के पक्ष में हो सकती है। एक प्रतिस्पर्धी स्कोर 180-190 रन के आसपास रहने की संभावना है। ऐतिहा. सिक रूप से, भारत का टी-20 में द. अफ्रीका के खिलाफ पलड़ा भारी रहा।

संक्षिप्त खेल समाचार

दूसरे वनडे में धीमे ओवर रेट पर भारत पर लगा जुर्माना

दुबई, वार्ता। आईसीसी ने भारत पर रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में धीमी ओवर-रेट के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अमीरात आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह कार्रवाई की, जब केएल राहुल की टीम समय में छूट के बाद भी दो ओवर पीछे रह गई थी। आईसीसी खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2-22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर हर उस ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है जो उनकी टीम निर्धारित समय में नहीं फेंक पाती है।

साइकिलिस्ट खोइरोम रेजिया देवी ने जीता स्वर्ण पदक

जयपुर, वार्ता। केआईआईटी यूनिवर्सिटी की मणिपुरी साइकिलिस्ट खोइरोम रेजिया देवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान - 2025 में महिलाओं की तीन किलोमीटर व्यक्तिगत परस्यूट का स्वर्ण पदक जीता। रेस खत्म होते ही रेजिया की खुशी देखते ही बनती थी। उन्होंने साई मीडिया से कहा कि मीनाक्षी चैंपियन एथलीट है। उसे हारना पसंद नहीं है और मुझे भी नहीं। मैंने अपनी जिदगी में इतनी उपेक्षाएं झेली हैं कि अब मैं हमेशा उपलब्धियों के लिए भूखी रहती हूं। इस जीत से मैंने खुद को, और उन सभी लोगों को जवाब दिया है जिन्होंने कभी कहा था कि मैं यह नहीं कर सकती। 3 किमी परस्यूट में उससे बेहतर कोई एथलीट नहीं है, इसलिए उसे हराना मेरे लिए खास उपलब्धि है। 2019 में चयन संबंधी उपेक्षाओं के कारण सेपाक टकरॉ छोड़कर साइक्लिंग अपनाने वाली रेजिया ने शुरुआती दिनों में जितनी निराशा, अस्वीकार और मानसिक तनाव झेला, उतना शायद ही कोई खिलाड़ी सह सके।

शाकिब अल हसन ने टेस्ट व टी-20 से संन्यास वापस लिया

ढाका, वार्ता। बंगलादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में खेलने की इच्छा व्यक्त करते हुए टेस्ट और अंतर्राष्ट्रीय टी-20 से अपना संन्यास वापस ले लिया है। शाकिब ने एक साल से अधिक के समय से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेली है और पिछले साल ही उन्होंने टेस्ट और टी-20 से संन्यास लिया था। शाकिब ने मोईन अली के पॉडकास्ट में बात करते हुए कहा कि मैं आधिकारिक तौर पर सभी प्रारूपों से रिटायर नहीं हुआ हूं। यह पहला मौका है जब मैं इसका खुलासा कर रहा हूं। मेरी योजना बंगलादेश जाकर एकदिवसीय, अंतर्राष्ट्रीय टी-20 और टेस्ट की एक पूरी सीरीज खेलने के बाद रिटायर होने की है। उन्होंने कहा कि मैं एक ही सीरीज में सभी प्रारूपों से रिटायर हो सकता हूं। इसकी शुरुआत टी-20, एकदिवसीय और टेस्ट या फिर टेस्ट, वनडे और टी-20 से हो सकती है। दोनों ही तरह मैं संतुष्ट हूं, लेकिन मैं एक पूरी सीरीज खेलकर ही रिटायर होना चाहता हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बंगलादेश लौटेंगे तो शाकिब ने कहा कि मुझे उम्मीद है। इसीलिए मैं टी-20 लीग्स में खेल रहा हूं। मुझे लगता है कि ए होगा। मुझे लगता है कि जब एक खिलाड़ी कुछ कहता है तो वह अपने शब्दों के साथ रहने का प्रयास करता है। अचानक वे इसमें बदलाव नहीं करते हैं। इससे फर्क नहीं पड़ता कि मैं अच्छा खेलूंगा या नहीं। उसके बाद मैं एक खराब सीरीज खेल सकता हूं, यदि मैं खेलना चाहूं। लेकिन मुझे ऐसा करने की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि ए पर्याप्त है। ए उन फैंस को अलविदा कहने का अच्छा तरीका होगा जिन्होंने मुझे हमेशा सपोर्ट किया है। घरेलू सीरीज खेलकर उन्हें कुछ वापस दिया जा सकता है। गेंदबाजी एक्शन को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं थोड़ा जानबूझकर ऐसा कर रहा था क्योंकि मैंने एक ही मैच में 70 से अधिक ओवर डाल दिए थे।

गिल-पांड्या पूरी तरह फिट: सूर्यकुमार

● **गिल को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में अकड़न हो गई थी**

कटक, वार्ता। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु होने वाली टी-20 सीरीज से पहले कहा कि शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या पूरी तरह से स्वस्थ तथा फिट हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि दोनों 'गिल और पांड्या' स्वस्थ और फिट दिख रहे हैं। गिल को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में अकड़न हो गई थी, जबकि हार्दिक सितम्बर में एशिया कप के दौरान लगी क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर थे।

गिल चोट के बाद से अभी तक नहीं खेले हैं, लेकिन हार्दिक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी की। बड़ौदा के लिए खेलते हुए, उन्होंने हर मैच में एक विकेट लिया, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने दोनों बार चार ओवर फेंके। बल्ले से, पंजाब के खिलाफ 42 गेंदों में उनके 77 रन नाबाद ने उनकी टीम को 223 रनों का लक्ष्य हासिल करने में मदद की। भारतीय कप्तान ने कहा कि आपने एशिया कप में भी देखा था, जब वह 'हार्दिक' नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे, तो उन्होंने प्लेइंग इलेवन के संबंध में हमारे लिए बहुत सारे विकल्प, कॉम्बिनेशन खोल दिए थे। यही वह टीम में लाते हैं। उनका अनुभव, जिस तरह से उन्होंने सभी बड़े मैचों, सभी आईसीसी, एसीसी स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि वह अनुभव बहुत काम आएगा और उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से टीम को अच्छा संतुलन मिलेगा। गिल के टीम में वापस आने के साथ सूर्यकुमार ने यह स्पष्ट किया कि संजू सैमसन को मिडिल ऑर्डर में जगह के लिए जितेश शर्मा से मुकाबला करना होगा। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि ओपनर्स को छोड़कर सभी बल्लेबाजों को ऑर्डर में अपनी स्थिति के संबंध में लचीला होना होगा। उन्होंने कहा कि जब संजू टीम में आए, तो उन्होंने ऑर्डर में ऊपर बल्लेबाजी की। अब बात यह है कि ओपनर्स के अलावा, सभी को लचीला होना होगा। जब उन्होंने पारी की शुरुआत की तो उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन शुभमन ने उनसे पहले श्रीलंका सीरीज में खेला था, इसलिए वह उस जगह के हकदार हैं। लेकिन हमने संजू को मौके दिए। वह किसी भी नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार है जो वास्तव में एक खिलाड़ी को नंबर तीन से छह तक कहीं भी बल्लेबाजी करने के लिए लचीला देखना अच्छा है। यही एक बात मैंने सभी बल्लेबाजों से कही है कि ओपनर्स के अलावा, सभी को बहुत लचीला होना होगा। दोनों 'सैमसन और जितेश' टीम की योजनाओं में शामिल हैं। इन दोनों जैसे शानदार खिलाड़ी टीम में होना हमेशा अच्छा होता है। एक ओपनिग कर सकता है।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने वेल्स को हराया

चिली, वार्ता। भारतीय टीम ने महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 के नौ से 16वें क्लासिफिकेशन मुकाबले में वेल्स को 3-1 से हराया। सैंटियागो में सेंट्रो डेपोर्टिवो डी हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में खेले गए मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए हिना बानो ने (14वें), सुनेलिता टोप्पो ने (24वें), और इशिका ने (31वें) मिनट में गोल किए, जबकि वेल्स के लिए एकमात्र गोल एलोइस मोटने (52वें) मिनट में किया। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की, पहले 30 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके विपक्षी टीम पर दबाव बनाया। भारत ने नियमित अंतराल पर मौके बनाए लेकिन शुरुआती गोल जल्दी नहीं कर पाया। वेल्स को पेनल्टी स्ट्रोक से बढ़त बनाने का अवसर मिला था, लेकिन निधि ने शानदार बचाव करते हुए उनके प्रयास को विफल कर दिया। पहले क्वार्टर के आखिर में साक्षी राणा के शानदार खेल के बाद हिना बानो के टैप-इन से भारत आखिरकार डेडलॉक तोड़ने में कामयाब रहा। अपनी बढ़त को दोगुना करने के प्रयास में भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में एक और पेनल्टी कॉर्नर के साथ दबाव बनाए रखा। भारत लगातार मौके बनाता रहा और अपनी कोशिशों का फल मिला, साक्षी राणा के शुरुआती शॉट के बाद गेंद सुनेलिता टोप्पो के पास आई, जिन्होंने करीब से कोई गलती नहीं की और बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही भारत ने अपनी बढ़त को 3-0 कर दिया, जब वेल्स गोलकीपर से रिबाउंड होकर गेंद इशिका के पास आई और उन्होंने गोल कर दिया। ज्योति सिंह की टीम ने खेल की गति को नियंत्रित किया, लाइनों के बीच खेलकर और दबाव बनाते हुए वेल्स की रक्षा पंक्ति को परेशान किया। भारत ने मौके बनाना जारी रखा, वेल्स को अपने ही हाफ में धकेल दिया और तीसरे क्वार्टर को खत्म किया और आखिरी पीरियड में भी गेंद पर दबदबा बनाए रखा। वेल्स को दूसरे छोर पर एक मौका मिला और एलोइस मोट ने इसका फायदा उठाया, अपनी टीम के लिए एक गोल किया।

● **भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए हिना बानो ने 14वें सुनेलिता ने 24वें व इशिका ने 31वें मिनट में गोल किए**

टी-20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान टीम में नहीं होगा कोई बड़ा बदलाव: सलमान आगा

कराची, वार्ता। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने अगले साल फरवरी में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्वकप से पहले टीम में कोई बड़े बदलाव की संभावना से इंकार करते हुए कहा कि हर किसी को उसकी भूमिका बता दी गई, हम उसी के साथ आगे बढ़ेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, पाकिस्तान टूर्नामेंट के अगले संस्करण में अच्छी फॉर्म में उतरेगा, क्योंकि इस साल की शुरुआत में सलमान के टी-20 कप्तान बनने के बाद से टीम ने सबसे छोटे फॉर्मेट में हाल ही में सफलता हासिल की है। एशियाई टीम ने हाल ही में जिम्बाब्वे और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मैदान पर त्रिकोणीय जीती थी और सलमान को उम्मीद है कि वहां खेलने वाली टीम के अधिकतर खिलाड़ी अगले साल सात फरवरी से शुरू होने वाले टी-20 विश्व. कप के 10वें संस्करण में भी टीम का हिस्सा होंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक पॉडकास्ट में सलमान ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि विश्व कप से पहले कोई बड़ा बदलाव होगा, यही संयोजन रहेगा। सभी खिलाड़ियों को उनकी भूमिका बता दी गई हैं, और हम इन्हीं भूमिका के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप से पहले छह मैच बचे हैं, हमें लगातार अच्छा खेलना होगा। हम इन छह मैचों में बड़े बदलाव नहीं कर सकते। सलमान जिन छह मैचों का जिक्र कर रहे हैं, उनमें से तीन मैच जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ घर से बाहर होंगे, क्योंकि टीम टी-20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारी को आखिरी रूप दे रही है, जिसमें पाकिस्तान को ग्रुप ए में चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत, अमेरिका, नीदरलैंड्स और नामीबिया के साथ रखा गया है। अगर पाकिस्तान त्रिकोणीय में शामिल अपनी टीम के अधिकतर खिलाड़ियों के साथ रहता है, तो यह पूर्व कप्तान बाबर आजम और मुख्य तेज गेंदबाज नसीम शाह के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि ए दोनों उन खिलाड़ियों के ग्रुप में शामिल थे जिन्हें उस समय के बाद मैचों के लिए वापस बुलाया गया था। सलमान ने कहा कि हम इस ग्रुप के साथ छह महीने से खेल रहे हैं और नतीजे आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि हम 2026 का टी-20 विश्व कप और फिर 2027 का एकदिवसीय विश्व कप जीतें। दोनों विश्व कप जीतना मेरा सपना है, अगर ऐसा होता है, तो मुझे बहुत खुशी होगी। उन्होंने ने कहा कि अभी के लिए, पाकिस्तान मेरी कप्तानी में टी-20 विश्व कप खेलेगा।

● **आईसीसी के अनुसार पाक टूर्नामेंट के अगले संस्करण में अच्छी फॉर्म में उतरेगा**

बडौदा ने सर्विसेज को 13 रनों से हराया

हैदराबाद, वार्ता। अमित हरिराम पासी (114) की विस्फोटक शतकीय पारी के दम पर बडौदा ने सोमवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 एलीट ग्रुप सी मुकाबले में सर्विसेज को 13 रनों से शिकस्त दी। बडौदा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में सर्विसेज के खिलाफ पांच विकेट पर 220 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। बडौदा के लिए अमित हरिराम पासी ने 55 गेंदों में 10 चौके और नौ छक्के उड़ाते हुए 114 रनों की शतकीय पारी खेली। शाश्वत रावत (14), कप्तान विष्णु सोलंकी ने (25), शिवा. लिक शर्मा (16), निनाद रथ्वा (12) रनों का योगदान दिया। भानु पनिया 15 गेंदों में 28 रन बनाकर नाबाद रहे। सर्विसेज के लिए अभिषेक तिवारी ने तीन विकेट लिए। मोहित राठी और रवि चौहान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी सर्विसेज, बडौदा के गेंदबाजी आक्रमण के आगे निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 208 रन ही बना सकी और मुकाबला 13 रनों से हार गई। सर्विसेज के लिए कुंवर पाठक और रवि चौहान की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 84 रन जोड़े। नौवें ओवर में महेश पिठिया ने कुंवर पाठक को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। कुंवर पाठक ने 29 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए (51) रन बनाए। इसके अलावा रवि चौहान ने 32 गेंदों में (51), कप्तान मोहित अहलावत ने 22 गेंदों में (41), नकुल शर्मा 13 गें. दों में (24) रन बनाकर आउट हुए। पुलकित नारंग चार गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

हेनरी, सैंटनर, नाथन स्मिथ वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज से हुए बाहर

वेलिगटन, वार्ता। न्यूजीलैंड टीम के तीन गेंदबाज मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिशेल सेंटनर चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ बाकी घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मुख्य गेंदबाज हेनरी (पिडली में खिचाव), ऑलराउंडर नाथन स्मिथ (साइड में खिचाव) और स्पिन-गेंदबाज ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर (ग्रोइन इंजरी) के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ बाकी घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर होने की पुष्टि की हैं। उन्होंने बताया कि क्राइस्टचर्च में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल ग्लेन फिलिप्स को आधिकारिक तौर पर सीरीज के बाकी मैचों के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। डेरिल मिशेल, जिन्होंने पहले टेस्ट में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर लंबा समय बिताया था, दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे और मिडिल ऑर्डर के मुख्य खिलाड़ी के तौर पर टीम में वापस आएंगे।

एफसी गोवा ने तीसरी बार जीता सुपर कप

गोवा, वार्ता। एफसी गोवा ने पेनल्टी शूटआउट में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट बंगाल एफसी को 6-5 से हराकर रिकॉर्ड तीसरी बार एआईएफएफ सुपर कप का खिताब अपने नाम किया। यहां पंडित जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में खेला गया खिताबी मुकाबला अतिरिक्त समय के बाद भी गोल रहित रहा, सुपर कप का पहला फाइनल बन गया जिसका फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मैच की शुरुआत में दोनों टीमों ने कई गोल करने के मौके बनाए लेकिन वे 120 मिनट में गोल करने में नाकाम रही। शूटआउट में, एफसी गोवा के कप्तान बोरजा हेरेरा और ईस्ट बंगाल के मोहम्मद बासिम राशिद गोल करने में नाकाम रहे, जिससे मुकाबला सडन डेथ में चला गया। उदंता सिंह कुमाम और साहिल तवोरा ने गोवा को आगे रखा, जबकि हामिद अहदाद ने ईस्ट बंगाल के लिए गोल किया, लेकिन पीवी विष्णु चूक गए, जिससे मेजबान टीम ने ट्रॉफी जीत ली। गोवा को शुरुआती तकनीकी बदलाव करने पड़े, मिडफील्ड को स्थिर करने के लिए उदंता सिंह और निम दोरजी तमांग को मैदान में उतारा गया।

ईस्ट बंगाल आगे बढ़ता रहा क्योंकि महेश को ब्रेक से पहले दो और मौके मिले जो बाल-बाल चूक गए। दूसरा हाफ उतार-चढ़ाव भरा रहा। गोवा एनर्जी के साथ वापस आया, आयुष छेत्री और डेजान ड्राजकि ने ईस्ट बंगाल के डिफेंस को टेस्ट किया। लेकिन जल्द ही मेहमान टीम ने फिर से कंट्रोल हासिल कर लिया, बिपिन के सटीक पास ने मिगुएल और हिरोशी इबुसुकी के लिए मौके बनाए। ईस्ट बंगाल 74वें मिनट में गोल के सबसे करीब पहुंचा जब पीवी विष्णु का तेज शॉट गोलकीपर ऋतिक तिवारी के दस्तानों से फिसल गया, लेकिन उन्होंने समय रहते उसे लाइन से बाहर कर दिया। जोरदार अपील के बावजूद, रेफरी ने गोल नहीं दिया। गोवा ने तुरंत जवाब दिया, ब्रिसन फर्नांडिस ने दूर से शॉट मारा जो पोस्ट से टकराया और ड्राजिक ने फ्री हेडर मिस कर दिया। डिफेंडर पोल मोरेनो लगभग हाफवे से गोल करने ही वाले थे जब उनका क्लीयरेंस अप्रत्याशित रूप से गोल की ओर गया, जिससे प्रभसुखन सिंह गिल को क्रॉसबार पर एक मुश्किल बैकपेडलिग बचाव करना पड़ा। अतिरिक्त में और भी मौके मिले, जिसमें गिल ने सिवेरियो और टिमोर को गोल करने से रोकने के लिए अहम बचाव किए।

● **सुपर कप का पहला फाइनल पहला बन गया जिसका फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ**

प्रतियोगिता संपन्न कराने में न हो लापरवाही: मनीष

16 से आयोजित होने वाली राष्ट्रीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि उच्च अधिकारी स्वयं होटलों का निरीक्षण कर शर्दी एवं साफ-सफाई के दृष्टिगत सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराएं।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने प्रतियोगिता के आयोजन की समीक्षा की। प्रतियोगिता 16 से 20 दिसम्बर के जनपद में आयोजन की तैयारियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि 18 राज्यों से लगभग 900 खिलाडियों एवं उनकी टीम के ठहरने, खाने-पीने, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि उच्च अधिकारी स्वयं होटलों का निरीक्षण कर शर्दी एवं साफ-सफाई के दृष्टिगत सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी मनीश बसंल ने खिलाड़ियों एवं

उनकी टीम के भोजन की उच्च गुणवत्ता एवं आपूर्ति बनाए रखने के लिए उन्होने प्रशासन की ओर से जिला पूर्ति अधिकारी एवं जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि यथासम्भव कोशिश की जाए कि खिलाडियों को उनके राज्य से संबंधित खाने की व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि खाने की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि होटल एवं स्टेडियम में सुरक्षा के दृष्टिगत 24 घण्टे पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाए। होटल से स्टेडियम तक खिलाड़ियों को लाने व ले जाने वाली गाड़ियों की फिटनेस व प्रोपर डोक्यूमेंटेशन के लिए एक आरआई की तैनाती के निर्देश एआरटीओ को दिए। स्वास्थ्य संबंधी सुविधा के लिए डॉ. कुणाल जैन को नोडल अधिकारी नामित करते हुए निर्देश दिए कि स्टेडियम में एएलएस, बीएलएस एम्बुलेंस के साथ ही फीजियोथेरेपिस्ट, ऑर्थोपैडिक्स एवं आवश्यक चिकित्सकों तथा नर्सिंग स्टाफ की तैनाती की जाए। उन्होने कहा कि खिलाड़ियों के ठहरने के स्थानों पर भी हेल्प डेस्क बनाकर चिकित्सकों की ड्यूटियां लगाई जाए। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि जनपद में इस आयोजन की भव्य ब्राण्डिंग की जाए। इसका विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जाए। कार्यक्रम के भव्य आयोजन एवं खिलाड़ियों की सुविधाओं के लिए मुख्य विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, सिटी मजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह, संयुक्त शिक्षा निदेशक, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अरविन्द कुमार पाठक, एआरटीओ एमपीसिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कोमल, क्रीड़ा अधिकारी राहुल चौपडा आदि मौजूद रहे।

पार्षद टिंकू के नेतृत्व में अखिलेश का स्वागत

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नगर दौरे पर वरिष्ठ सपा नेता और पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने अपनी टीम के साथ दिल्ली रोड पर काशीराम आवास के बाहर भव्य स्वागत किया।

टिंकू अरोडा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का माला पहनकर और शॉल ओढ़कर सम्मान किया। टिंकू अरोड़ा ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शोषण ही वंचितों पीड़ितों और मजलूमों की मजबूत आवाज है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और जिला कार्यालय प्रभारी फैसल सलमानी ने भी स्वागत कार्यक्रम में आकर अखिलेश यादव का को बुके भेंटकर सम्मान किया और एक गोपनीय पत्र भी देने का कार्य किया। वाल्मीकि समाज के मजबूत स्तंभ सागर प्रधान और राजकुमार वाल्मीकि ने अखिलेश यादव को भगवान वाल्मीकि का चित्र भेंट किया।

स्वागत कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड चौधरी मेहरबान तंवर, जिला अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष उसामा गाडा, युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष वासिल तोमर, शुभम वर्मा, रवि यादव, बंटी अरोड़ा, मनप्रीत सिंह संजू, सनी केसला, लाला वाल्मीकि, गौरव, दीपक वाल्मीकि, गौतम वाल्मीकि, हनी, सरबजीत सिंह, हंसराज वाल्मीकि, गोल्डी, शुभम वाल्मीकि, राजू वाल्मीकि, ज्ञानेश अरविंद, सूरज वर्मा, रवि कश्यप, अनमोल कश्यप, दीपक कश्यप, विक्की कश्यप, शुभम शर्मा, अनुज शर्मा, ऋषभ शर्मा, अमित विज, अनिल अरोड़ा, तुषार, संयम आदि मौजूद रहे।

हमले का आरोप

चिलकाना। गांव मनोहरपुर निवासी पीड़ित महिला ने बच्चों के बीच खेलते समय हुई कहासुनी को लेकर अपने जेठ द्वारा घर में घुसकर चाकू से हमला कर उसको घायल करने तथा घर में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है।

गांव मनोहरपुर निवासी महिला ने आरोप लगाते हुए बताया है कि पीड़िता के बच्चे अपने ताऊ के बच्चों के साथ खेल रहे थे। खेलते खेलते दोनो के बच्चों के बीच किसी बात पर कहासुनी हो गयी। आरोप है कि बच्चों के बीच हुई कहासुनी को लेकर पीड़िता का जेठ उसके घर में घुस आया तथा गाली गलौज करते हुए उसके घर में रखे सामान को तोडफोड कर इधर उधर फेंकने लगा। यदि पीड़िता द्वारा इसका विरोध किया गया तो विपक्षी ने पीड़िता पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया तथा पीड़िता के पति को भी जान से मारने की धमकी दी।

देशबंधु व वसीम को मिला प्रशंसा पत्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस पर प्रभागीय वार्डन देशबंधु शर्मा एवं उप प्रभागीय वार्डन मौ.वसीम अख्तर को डिस्क एवं प्रशंसा पत्र मिलने पर सम्मानित किया गया।

उप नियन्त्रक कश्मीर सिंह के निर्देशन में नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के अवसर पर नागरिक सुरक्षा कार्यालय में विभागीय ध्वजारोहण चीफ वार्डन राजेश कुमार जैन, सहायक उप नियन्त्रक दिनेश कुमार एवं डिप्टी चीफ वार्डन हसंराज सैनी ने संयुक्त रूप से किया। महानिदेशक, नागरिक सुरक्षा, गृह मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा डिस्क एवं प्रशंसा पत्र प्रभागीय वार्डन देशबन्धु शर्मा एवं उप प्रभागीय वार्डन मौ वसीम अख्तर को प्रदान किये जाने पर सम्मानित किया गया। चीफ

वार्डन राजेश कुमार जैन ने कहा कि नागरिक सुरक्षा का मूल मन्त्र "सर्व भूत हिते रत:" से प्रेरित होकर सभी वार्डन कार्य करते है। सहायक उप नियन्त्रक दिनेश कुमार द्वारा नागरिक सुरक्षा की स्थापना के बारे मे विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। डिप्टी चीफ वार्डन एच.आर. सैनी ने नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस की शुभकामनाये दी।

कार्यक्रम में देवेन्द्र बंसल, देशबन्धु शर्मा, वसीम अख्तर, राकेश जैन, एमपी सिंह चावला, दीपक गुप्ता, सरफराज खान, नरेश सैनी, भूपेन्द्र कुमार द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किये गये।

समर्थकों से बात कर साहिल लेंगे सपा में जाने का निर्णय

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। पिछले लम्बे समय से बीमार चल रही पूर्व मंत्री श्रीमती शगुफ्ता खान का स्वास्थ्य हाल चाल जानने पहुंचे अखिलेश यादव से हुई मुलाकात के बाद वरिष्ठ नेता साहिल खान शीघ्र ही कार्यकर्ताओं से सलाह मशवरा कर सपा में शामिल होने का निर्णय लेंगे।

विगत दिवस सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पूर्व मंत्री श्रीमती शगुफ्ता खान के आवास पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने शगुफ्ता खान के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। पूर्व मंत्री के पुत्र साहिल खान से भी अखिलेश यादव की अहम बातचीत हुई। जिसके बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी में शामिल होने के संकेत दिये। सपा में शामिल होने के बारे में साहिल खान का कहना है कि वह इस बारे में कार्यकर्ताओं व समर्थकों से बैठक

कर सलाह मशवरा करेंगें। जिसके बाद ही कोई निर्णय लिया जायेगा।

बता दे कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में साहिल खान नकुड विधानसभा से समाजवादी पार्टी से टिकट के सबसे बड़े व इकलौते दावेदार थे, मगर ऐन मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. धर्म सिंह सैनी भाजपा छोड़कर के समाजवादी पार्टी में आ गए थे और सपा का नकुड़ विधानसभा टिकट अखिलेश यादव ने उन्हें दे दिया था। इससे साहिल खान ने सपा छोड़कर बसपा से चुनाव लड़ा था। जिसमें साहिल खान को 56 हजार वोट मिले थे। साहिल खान वही नेता हैं जो काफी समय तक समाजवादी पार्टी में रहे और तीतरों में हुए अखिलेश यादव के कार्यक्रम में सैंकड़ों बसों के काफिले के साथ पहुंचे थे और लॉकडाउन के समय मे अखिलेश और साहिल खान के नाम और फोटो लगे राशन के थैले भी बांटकर सुर्खियों में आये थे।

बहरहाल साहिल खान अभी किसी भी सियासी दल में शामिल नहीं है, लेकिन अखिलेश यादव से हुई मुलाकात के बाद माना जा रहा है कि उनका सपा में जाना करीब-करीब तय है। हांलाकि साहिल का कहना है कि वह समर्थकों से वार्ता कर इस बारे में कोई निर्णय लेंगे।

महिलाओं की सशक्त आवाज बनी रूही अंजुम

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी की उभरती हुई मजबूत महिला नेता प्रदेश सचिव रूही अंजुम राजनीति में महिलाओं की सशक्त और प्रभावशाली आवाज बन चुकी है।

क्षेत्र में लगातार जनता के बीच सक्रिय रहकर रूही अंजुम शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के अवसर, सामाजिक न्याय और विकास जैसे मुद्दों पर काम कर रही है। जिसके चलते उनके प्रति लोगों में लोकप्रियता बढी है।

अपने उच्च शिक्षित प्रोफाइल, पारिवारिक साख, स्वच्छ राजनीतिक छवि, जमीनी पकड और जनता के बढते समर्थन के आधार पर रूही अंजुम 2027 विधानसभा चुनाव की स्वाभाविक उम्मीदवार बनकर उभर रही है। रूही अंजुम का पैतृक गांव

सडक दूधली है वह ऐसे परिवार से आती है जहां शिक्षा, सम्मान और पेशेवर उपलब्धियां पीढियां से चली आ रही है। उनके पिता शमशाद अहमद एक अधिवक्ता होने के साथ सीडब्लूसी की टीम में अपनी सेवा दे चुके है। उनके ताया जमशेद अहमद साईंटिस्ट रहे। उनके पति मारूफ इंजेक्शन निर्माण की अपनी सफल कम्पनी के फाउंडर है। रूही अंजुम स्वयं अमेठी यूनिवर्सिटी नोएडा से एमबीए डिग्री धारक है।

ग्रामीणांचलों में छिपी होती है प्रतिभा: डा. अशोक

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डा.अशोक मलिक ने कहा कि ग्रामीण अंचल में भी प्रतिभा छिपी होती है।

डा.अशोक मलिक ने यह बात ग्राम जंदहेड़ा समसपुर स्थित श्री हरि कृष्ण पब्लिक स्कूल में एक विज्ञान प्रदर्शनी एवं आर्ट कला क मेले के उदघाटन मौके पर कही। इससे पूर्व उन्होंने प्रदेश महासचिव अरविंद शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष वीरेंद्र पवार, धनंजय शर्मा, केपी सिंह, कृष्ण कुमार शर्मा, रोहिताश, योगेश शर्मा के साथ मेले का उद्घाटन किया। उन्होनें कहा सरकार को चाहिए कि हमारे मान्यता प्राप्त ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों को प्रोत्साहित कर अनुदानित करें तो हम शिक्षा के क्षेत्र में अमूलचूल

परिवर्तन कर देंगे अभी सरकार के 25 प्रतिशत गरीब दुर्बल वर्ग के बच्चे हम पढ़ा रहे हैं लेकिन सरकार इन बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति अभिभावको की प्रोत्साहन राशि आधी अधूरी देती हैं इसलिए सरकार को चाहिए की बकाया भुगतान बच्चों का अविलंब देते रहे ताकि उनकी शिक्षा दीक्षा सुचारू रूप से चलती रहे।

विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष योगेश शर्मा ने समस्त विद्यालय स्टाफ एवं बच्चों को इस बेहतरीन कार्यक्रम के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

इस दौरान अमजद अली एडवोकेट, प्रदेश उपाध्यक्ष, महानगर प्रभारी गुरु आलम, महामंत्री हंस कुमार, संगठन मंत्री जोरा सिंह, बलबीर सैनी, किशोर सैनी, सचिन कुमार, जर्मन सिंह ,मोहित शर्मा दीपक धीमन, ओम सिंह, योगेश पवार, अक्षय पंवार, संदीप कुमार, नारायण सिंह, कृष्ण कुमार शर्मा, विक्रांत शर्मा, चौधरी रामचंद्र गुर्जर आदि मौजूद रहे।

नियमों का पाठ पढ़ाया

चिलकाना। थाना प्रभारी द्वारा थाना प्रांगण में खनन वाहन डंपर संचालकों की बैठक आयोजित कर सभी को यातायात सम्बन्धी नियमों का सख्ती से पालन करने तथा अवैध खनन परिवहन न करने की सख्त हिदायत की गई।

बता दें कि एसएसपी ने सम्पूर्ण जिले में ओवरलोडिंग, अवैध मार्गों से आवाजाही तथा तेज रफ्तार परिवहन करने वाले भारी वाहनों पर कड़े अभियान चलाने का आदेश दिया है। इसी के दृष्टिगत थाना पर आज यह बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में थाना प्रभारी विनोद कुमार ने सभी वाहन संचालकों से कहा कि ओवरलोडिंग केवल कानून का उल्लंघन नहीं अपितु सड़क हाद. सों का मुख्य कारण भी है। चालको को सख्ती से यातायात नियमों का पालन करने, धीमी गति से संचालन करने की सख्त हिदायत की।

चोरी की घटनाओं का खुलासा, पुलिस ने पकड़े दो चोर

सहारनपुर। सदर बाजार कोतवाली ने चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे/निशानदेही पर नगदी, दो घड़ी, चोदी की पाजेब व चोरी किया गया अन्य सामान बरामद कर लिया।

सदर बाजार पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक कपिल देव, उपनिरीक्षक सोहनवीर सिंह व उपनिरीक्षक रणवीर सिंह के नेतृत्व में चौकिंग के दौरान .चोरी घटनाओं में शामिल दो शातिर चोरों नासिर पुत्र कमरूद्दीन निवासी शाहपुर थाना बेहट व अमजद पुत्र इसरार निवासी सना कानलोनी बड़ी खानका मौहल्ला दारूल उलूम मदरसे के पास कस्बा व थाना देवबंद को हसनपुर चुंगी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरो. पियों के कब्जे/ निशानदेही पर 8 हजार रूपए की नगदी, दो घड़ी, एक जोड़ी चांदी की पाजेब व चोरी किया गया अन्य सामान बरामद कर लिया। दबोचे गए आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि हम लोग नशा करने के आदी हैं और नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं।

सहारनपुर। मंडी कोतवाली पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली। जनपद पुलिस ने एसएसपी आशीष तिवारी के निर्देश पर वांछित व वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मंडी कोतवाली पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक रोजंत त्यागी व उपनिरीक्षक जगपाल सिंह के नेतृत्व में चैकिंग के दौरान एक वारंटी आरोपी तहसीन पुत्र शफीक सौतेला पिता इदरीश निवासी पीरवाली गली थाना मंडी को उसके मकान से गिरफ्तार कर लिया।

जैन समाज ने निकाली भव्य शोभायात्रा, हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। छह दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के तृतीय दिवस पर काशी नगरी में प्रभु के जन्म कल्याणक महोत्सव का आयोजन अत्यंत भव्यता, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। इस दौरान भव्य शोभायात्रा निकाली गयी, जिसका जगह-जगह श्रद्धालुओं ने स्वागत किया, शोभायात्रा में हैलीकाप्टर से पुष्प वर्षा की गयी। शोभायात्रा से नगर का वातावरण पूरी तरह से भक्तिमय हो गया।

रेलवे कालोनी के मैदान पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिवर प्रणम्य सागर महाराज ने तीर्थंकर जन्माभिषेक के महत्व पर प्रकाश डाला। मांगलिक अवसर पर नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि जैन समाज अहिंसा और जीवदया का प्रतीक है और समाज की तपस्या व अनुशासन

प्रेरणादायी है। एसपी देहात सागर जैन ने कहा कि अपने सेवाकाल में सहारनपुर में यह दूसरा पंचकल्याणक महोत्सव है जिसमें सेवा देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। सीडीओ सुमित महाजन ने कहा कि विश्व में शांति केवल महावीर स्वामी के सत्य, अहिंसा और करुणा के सिद्धांतों से ही संभव है। धर्मसभा को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुणाल जैन तथा पूर्व मेयर संजीव वालिया ने भी संबोधित किया। काशी नगरी से निकली शोभायात्रा में 30 बग्गियां, 7 बैंड, तीन हाथी (जिन पर सौधर्म इन्द्र, कुबेर एवं महायज्ञनायक विराजमान थे), पांच परिरथ और नासिक का विशेष बैंड शामिल रहा। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई आशा मॉडर्न विद्यालय पहुंची, जहाँ पाण्डुकशिला पर सौधर्म इन्द्र द्वारा जन्माभिषेक सम्पन्न हुआ। मुख्य संयोजक भव्य-जैन एवं रुपाली जैन, अध्यक्ष राजेश जैन, राकेश जैन, सीए तान्या जैन, उमा जैन, मुकेश जैन एवं अर्नव जैन द्वारा हेलीकॉप्टर से रत्नों की वर्षा कर कार्यक्रम को अद्वितीय और अविस्मरणीय बना दिया। जैन समाज के अध्यक्ष राजेश जैन, मुख्य संयोजक राकेश जैन एवं भव्य जैन ने कहा कि यह आयोजन सभी श्रद्धालुओं की भावना, परिश्रम और सेवा का परिणाम है। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश जैन, राकेश जैन, भव्य जैन, मुकेश जैन, विशाल-सुदीप जैन, सीए अनिल जैन, प्रो. ए. के. जैन, सुशील जैन, प्रवीण जैन, राजीव जैन, पार्षद गौरव जैन, अनुज जैन, पूर्व पार्षद मानसिंह जैन, चौधरी संदीप जैन, चौधरी अनुज जैन, प्रदीप किशोर जैन, प्रवीण जैन (प्रॉपर्टी डीलर), नीना जैन, मनीष जैन, विनय जैन, अरुण जैन, आशीष जैन, राजा जैन आदि मौजूद रहे।

खेल में बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। प्रमुख शिक्षण संस्था एक्मे ग्लोबल स्कूल में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के पहले दिन बच्चों ने अपने उत्कृष्ट खेल का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में जनपद के सीबीएसई बोर्ड के 15 स्कूलों के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी की। जनता रोड स्थित एक्मे ग्लोबल स्कूल में आयोजित 3 दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि पदमश्री भारत भूषण ने दीप प्रज्जवलित करके किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में खेल खेलना और योगाभ्यास करना भी आवश्यक है जिससे उनमें बुद्धि के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है। इसके लिए उन्हें अपने पौष्टिक भोजन के साथ-साथ

प्रात:काल उठना, योगा करना और शारीरिक श्रम करना भी आवश्यक है। प्रधानाचार्य सहगल ने बच्चों का आह्वान किया कि सभी बच्चे खेल प्रतियोगिता में विशेष रूचि लें और शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करें। प्रतियोगिता में जिला स्तर के विद्यालयों में एनआर पब्लिक स्कूल, रोज पब्लिक स्कूल, नेशनल निधि पब्लिक स्कूल, ब्राइट फ्यूचर स्कूल और फर्स्ट स्टेप स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रीति, अभिषेक, रॉबिन, मोहम्मद साजिद अंसारी, इलमा, मनीषा, राहुल जैन, संजय भारद्वाज आदि शामिल रहे।

12 व 15 को होंगे 517 जोड़ों के सामूहिक विवाह

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सामूहिक विवाह योजना के तहत जनपद सहारनपुर में कुल 517 जोड़ों का विवाह दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए शासन द्वारा निर्धारित तिथियों 12 दिसंबर और 15 दिसंबर को संपन्न होगा।

शासन की निर्धारित तिथियों में ब्लाकों में होंगें कार्यक्रम

जिला समाज कल्याण अधिकारी सुश्री अर्चना ने बताया कि 12 दिसंबर को महाराज सिंह डिग्री कॉलेज मैदान, जनता रोड, सहारनपुर में पहले चरण में 255 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया जाएगा। इसके अंतर्गत पुवांरका, नागल, बलियाखेड़ी, रामपुर मनिहारान, देव. बंद से जोड़े तथा नगर निगम क्षेत्र से जोड़े विवाह बंधन में बंधेंगे। दूसरे चरण में 15 दिसंबर को 262 जोड़ों का विवाह संपन्न होगा। इसमें गंगोह, नकुड़, सरसावा, नानौता, सढौली कदीम, मुजफ्फराबाद,और छुटमलपुर से जोड़े शामिल होंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी के अनुसार सभी व्यवस्थाएं शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप की जा रही हैं। कन्याओं को निर्धारित अनुदान व सामग्री उपलब्ध कराने, विवाह वेदी, संस्कार, प्रमाण-पत्र सहित प्रबंधों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

बच्चों को स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए किया गया प्रोत्साहित

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। मिशन सुनहरा कल कार्यक्रम के अंतर्गत लोकमित्र संस्था द्वारा ड्राप आउट बच्चों की वैकल्पिक शिक्षा की व्यवस्था व बच्चों को स्कूली शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु 100 सप्लीमेंट्री लर्निंग सेंटर चलाये जा रहे हैं।

हबीबगढ़ एरिया में खुंगर कॉलोनी केंद्र की शुरुआत की गई। जिसका औपचारिक रूप से उद्घाटन बेसिक शिक्षा विभाग से जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता विकास सैनी व वार्ड पार्षद डॉक्टर मो. मोहतसिम द्वारा रिबन काटकर किया गया। बच्चों द्वारा वेलकम कार्ड देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित गेस्ट द्वारा

बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया गया और सभी बच्चों को अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने हेतु उत्साही किया गया। अतिथियों के द्वारा सभी बच्चों को स्टेशनरी वितरण किया गया।

उपरोक्त कार्यक्रम में लोकमित्र संस्था की प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर जाफरी व समस्त फील्ड सुपरवाइजर मौजूद रहे।

वंदेमातरम पर राजनीति

सोमवार को राष्ट्रगीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर लोकसभा में चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा वंदेमातरम के साथ विश्वासघात किया और तुष्टिकरण की राजनीति के दबाव में वह वंदेमातरम के बंटवारे के लिए झुकी मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए। उन्होंने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि मौ. अली जिन्ना ने 15 अक्टूबर 1937 को लखनऊ में वंदेमातरम के विरोध का नारा बुलंद किया। उन्होंने सीधे देश के दिवंगत पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू और 1937 में कांग्रेस अध्यक्ष रहे जवाहर लाल नेहरू को यह कहकर विवादों में घेरा कि जब उनका सिंहासन डोलता दिखाई दिया, तब उन्होंने मुस्लिम लीग को जवाब देने और कांग्रेस की वंदेमातरम में निष्ठा को प्रकट करने के बजाए वंदेमातरम की ही पड़ताल शुरू कर दी। वंदेमातरम को लेकर कांग्रेस की तरफ से भी जवाब आया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी वंदेमातरम पर चर्चा में भाग लिया और उन्होंने राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमि को रेखांकित करते हुए कहा कि वंदेमातरम केवल भावना नहीं बल्कि देश की आजादी की लड़ाई की ताकत और नैतिकता का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा कि इस गीत ने ब्रिटिश साम्राज्य को भी झुकने पर मजबूर किया था, लेकिन साथ ही इसमें यह भी जोड़ा कि संसद में इस समय यह चर्चा इसलिए कराई जा रही है क्योंकि आने वाले समय में पश्चिमी बंगाल में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। प्रियंका गांधी का कहना था कि हम देश के लिए हैं और आप चुनाव के लिए हैं। प्रियंका के अनुसार इस समय वंदेमातरम पर लोकसभा में चर्चा कराने की कोई जरूरत ही नहीं थी। अपनी बात को वजन देते हुए उन्होंने कहा कि यह गीत 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा रहा है और 75 सालों से आजाद भारत की जनता के दिलों में बसता आया है। उन्होंने सवाल किया कि आज इस पर बहस कर सरकार क्या साबित करना चाहती है। संसद में इस पर बहस कराने के बजाए सत्ता पक्ष को जनता की जिम्मेदारियों पर ध्यान देना चाहिए न कि ऐसे मुद्दों पर विवाद खड़ा करना चाहिए। उन्होंने तो यहां तक कहा कि संविधान सभा द्वारा स्वीकृत वंदेमातरम के स्वरूप पर सवाल उठाना रविंद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, मौलाना आजाद और आम्बेडकर जैसे महान नेताओं का अपमान करना है। प्रियंका गांधी ने कटु लहजे में कहा कि पीएम 12 साल से देश चला रहे हैं और यह वही अवधि है जितने साल पंडित नेहरू ने आजादी की लड़ाई में जेल में बिताए थे। इसमें कोई दोराय नहीं है कि वंदेमातरम पर इस समय संसद में चर्चा की कोई बहुत ज्यादा जरूरत नहीं थी। यूं भी यह चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिमी बंगाल में वास्तव में चुनाव होने जा रहे हैं और इस सच्चाई से हर कोई वाकिफ है कि भाजपा के लिए यह चुनाव मात्र एक चुनाव नहीं बल्कि एक मिशन जैसा है। वैसे भी वंदेमातरम जैसे प्रतिष्ठित गीत पर किसी तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए। पीएम मोदी ने जिस अंदाज में बात की, उन्होंने यही संकेत देने की कोशिश की कि सभी वंदेमातरम के पक्ष में थे लेकिन केवल पंडित नेहरू ही उसके विरोध में रहे हैं।

योजनाओं का लाभ केवल प्रदेश के नागरिकों को

न्यायालय की हालिया टिप्पणी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि घुसपैठियों को किसी भी कीमत पर संरक्षण नहीं दिया जा सकता, सरकारी संसाधनों पर पहला अधिकार प्रदेश के नागरिकों का है, न कि अवैध रूप से रह रहे लोगों का, उप्र की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सुचारू कानून-व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसी क्रम में प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान के लिए सभी नगर निकायों को सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, सार्वजनिक संस्थानों पर अनाधिकृत कब्जे की सफाई आवश्यक है और योजनाओं से मिलने वाले लाभ केवल प्रदेश के नागरिकों को ही दिए जाएंगे।

–योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उप्र

भारत-रूस की अटल साझेदारी

योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थाई प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा .ष्टिकोण की .ढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030 नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रूपए और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढ़ांचे को सु.ढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्ट्री की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचा. लित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है। सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलैक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के 'आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी। इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइल, सुखोई विमान, एस-400 सिस्टम और नई तकनीकों पर साझेदारी यह स्पष्ट करती है कि दोनों देशों का सुरक्षा बंधन साझा रणनीतिक विश्वास का परिणाम है। पहलगाम और मॉस्को हमलों के संदर्भ में आतंकवाद विरोधी एकजुटता की घोषणा यह सिद्ध करती है कि भारत और रूस नए खतरों की प्रकृति को समझते हैं और समाधान तलाशने में भी एकमत हैं। इन सभी आयामों का संकलन बताता है कि भारत-रूस संबंध न तो बीते युग की स्मृति हैं, न ही समीपस्थ हितों की आकस्मिक आवश्यकता। यह रिश्ते का वह मॉडल है, जो विश्वास, समय, भू-राजनीति, तकनीकी क्षमता और साझा दृष्टि के संयोग से निर्मित हुआ है। यह केवल दो राष्ट्रों का गठजोड़ नहीं, दो सभ्यताओं का मार्गदर्शन है। ध्रुव तारे की उपमा इसीलिए सार्थक है क्योंकि ध्रुव तारा केवल चमकता नहीं, दिशा भी देता है। भारत और रूस का संबंध भी दिशा-निर्देशक है, नई विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने वाला, वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को पहचान देने वाला और शक्ति-संतुलन को न्यायपूर्ण बनाने वाला। 2030 का रोडमैप इस संबंध को केवल नई मंजिल की ओर नहीं ले जाता बल्कि दुनिया को संकेत देता है कि भारत अब उस युग में प्रवेश कर रहा है, जहां वह ध्रुवों की संरचना में योगदान देने वाली शक्ति है। रूस इस यात्रा में सहायक नहीं बल्कि सहयात्री है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

धरती की कार्बन भंडारण क्षमता असीमित नहीं

अध्ययन में स्थिर तलछटी चट्टानों पर ही गौर किया गया है, जहां फिलहाल अधिकांश कार्बन भंडारण की योजनाएं बनाई जा रही हैं। फिलहाल, कार्बन कैप्चर और स्टोरेज तकनीक हर साल लगभग 4.9 करोड़ टन कार्बन डाईऑक्साइड हटाती है। योजना है कि इसे बढ़ाकर 41. 6 करोड़ टन सालाना किया जाए।

एक हालिया अध्ययन के अनुसार, पृथ्वी की कार्बन डाईऑक्साइड को सुरक्षित रूप से भूमिगत भंडारण की करने क्षमता पूर्व अनुमानों से कहीं कम है और यह साल 2200 तक खत्म भी हो सकती है। इसका मतलब है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्बन कैप्चर और स्टोरेज जैसी तकनीकों को लंबी अवधि का हल मानना मुश्किल है।

पेरिस समझौते के तहत धरती के तापमान को औद्योगिक-पूर्व स्तर से डेढ़ से दो डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए वातावरण से काफी मात्रा में कार्बन डाईऑक्साइड को हटाना होगा। इसका एक तरीका है उद्योगों से निकलने वाली गैस को कैद करके गहराई में चट्टानों के बीच संग्रहित करना। पहले माना गया था कि धरती 10 से 40 हजार गीगाटन कार्बन डाईऑक्साइड संभाल सकती है, लेकिन ऑस्ट्रिया के वैज्ञानिकों का नया अध्ययन बताता है कि सुरक्षित क्षमता सिर्फ 1460 गीगाटन है। इस अनुमान में भूकंप से होने वाले रिसाव, तकनीकी दिक्कतों और जमीन के उपयोग पर राजनी. तिक पाबंदियों जैसे कारकों को भी शामिल किया गया है।

अध्ययन में स्थिर तलछटी चट्टानों पर ही गौर किया गया है, जहां फिलहाल अधिकांश कार्बन भंडारण की योजनाएं बनाई जा रही हैं। फिलहाल, कार्बन कैप्चर और स्टोरेज तकनीक हर साल लगभग 4.9 करोड़ टन कार्बन डाईऑक्साइड हटाती है। योजना है कि इसे बढ़ाकर 41.

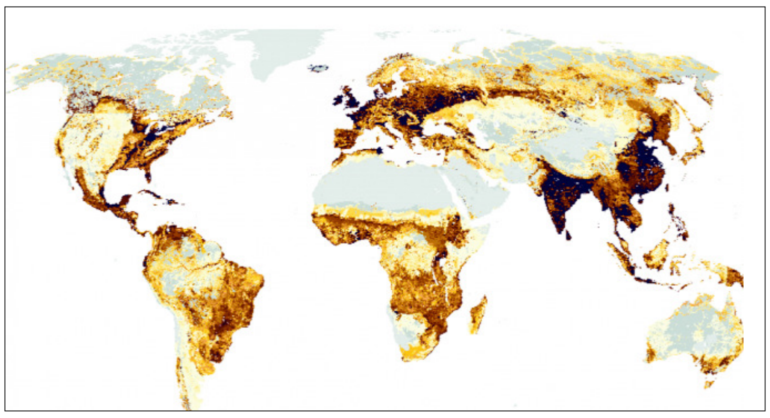

6 करोड़ टन सालाना किया जाए। लेकिन पेरिस समझौते का लक्ष्य हासिल करने के लिए 2050 तक प्रति वर्ष 8.7 गीगाटन कार्बन डाईऑक्साइड हटाना होगा - यानी अगले 30 सालों में 175 गुना बढ़ोतरी। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगर धरती की सारी सुरक्षित क्षमता भी उपयोग कर ली जाए, तो भी तापमान केवल 0.7 डिग्री सेल्सियस ही घटेगा। जबकि इस सदी में तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अंदेशा है। इसलिए सिर्फ कार्बन कैप्चर के भरोसे नहीं रहा जा सकता। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को तेजी से घटाना होगा, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाना होगा और टिकाऊ तरीकों को अपनाना होगा। अध्ययन यह भी बताता है कि जमीन में दफन कार्बन डाईऑक्साइड का रिसाव जमीन के पानी में घुलकर कार्बोनिक एसिड बना सकता है। इस तरह बढ़ी हुई अम्लीयता से खनिज घुल सकते हैं और जहरीली धातुएं निकल सकती हैं, जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए खतरनाक है।

–स्रोत फीचर्स

हरित हाइड्रोजन की ओर बढ़ते कदम

भारतीय रेल्वे ने हाल ही में घोषणा की है कि हाइड्रोजन से चलने वाली एक ट्रेन ने सभी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैंय यह ट्रेन चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में विकसित की गई है। यह कदम राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की प्रगति का एक अच्छा संकेत है। इस मिशन का लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश में प्रति वर्ष कम से कम पचास लाख मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है, जो 2070 तक देश में शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

यह ट्रेन जल्द ही हरियाणा में जींद और सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर लंबे मार्ग दौड़ेगी। यह ट्रेन जींद में स्थित 1 मेगावाट के पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट मेम्ब्रेन इलेक्ट्रोलाइजर द्वारा उत्पादित हाइड्रोजन पर निर्भर है, जहां प्रतिदिन 430 किलोग्राम हाइड्रोजन का उत्पादन होता है। ट्रेन के ईंधन टैंक में हाइड्रोजन भरी जाएगी, ईंधन सेल हाइड्रोजन को बिजली में बदलेगा जिससे ट्रेन की इलेक्ट्रिक मोटरें चलेंगी। हाइड्रोजन बनाने का सिद्धांत काफी सरल है। विद्युत-अपघटक पानी के अणु को ऑक्सीजन, हाइड्रोजन आयन और इलेक्ट्रॉन में तोड़ता है। इस विद्युत-रासायनिक अभिक्रिया में ऋणात्मक इलेक्ट्रोड पर आणविक ऑक्सीजन मुक्त होती है, और मुक्त इलेक्ट्रॉन एक बाहरी परिपथ के माध्यम से धनात्मक इलेक्ट्रोड तक पहुंचते हैं। कैथोड और एनोड के बीच छन्ने के रूप में एक बहुलक विद्युत अपघटक झिल्ली होती है, जो केवल हाइड्रोजन आयन को कैथोड तक जाने देती है, जहां वे इलेक्ट्रॉनों के साथ मिलकर हाइड्रोजन अणु बनाते हैं। ए अणु गैस के रूप में ऊपर आते हैं। फिर इस गैस को संपीड़ित करके संग्रा. हत कर लिया जाता है। छन्ने के तौर पर इस्तेमाल झिल्ली आम तौर पर एक फ्लोरोपॉलीमर, जैसे नैफिऑन टेफ्लॉन से सम्बंधित, से बनी होती है। यह झिल्ली विद्युत की उम्दा कुचालक होती है, जो अपने में से इलेक्ट्रॉन्स को गुजरने नहीं देती। उत्पादित हाइड्रोजन और ऑक्सीजन एकदम अलग-अलग जगह बनते हैं।

हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों में हाइड्रोजन ईंधन सेल में उपरोक्त अभिक्रिया विपरीत दिशा में होती है। हाइड्रोजन को एनोड तक लाया जाता है, जहां उत्प्रेरक की उपस्थिति में प्रत्एक हाइड्रोजन अणु टूटकर दो हाइड्रोजन आयन और दो इलेक्ट्रॉन बनाता है। हाइड्रोजन आयन झिल्ली से होकर कैथोड तक जाते हैं जबकि इलेक्ट्रॉन इस झिल्ली को पार नहीं कर पाते और एक बाहरी परिपथ के जरिए कैथोड तक पहुंचते हैं। कैथोड पर हाइड्रोजन आयन का संपर्क हवा में मौजूद ऑक्सीजन और एनोड तक बाहरी परिपथ के माध्यम से लाए गए इलेक्ट्रॉनों से होता है। इस प्रकार पानी बनता है। बाहरी परिपथ से प्रवाहित इलेक्ट्रॉन विद्युत धारा पैदा करते हैं जो वाहन को शक्ति प्रदान करती है। ईंधन सेल और विद्युत अपघटक में होने वाली रासायनिक अभिक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण अंतर है। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच रासायनिक अभिक्रिया स्वत:स्फूर्त होती है। दूसरी ओर, पानी अपने आप इन दो तत्वों में नहीं टूटता। इस विद्युत-रासायनिक अभिक्रिया को ऊर्जा देने के लिए विद्युत आपूर्ति आवश्यक होती है।

> ईंधन सेल और विद्युत अपघटक में होने वाली रासायनिक अभिक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण अंतर है। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच रासायनिक अभिक्रिया स्वत:स्फूर्त होती है। दूसरी ओर, पानी अपने आप इन दो तत्वों में नहीं टूटता। इस विद्युत-रासायनिक अभिक्रिया को ऊर्जा देने के लिए विद्युत आपूर्ति आवश्यक होती है। और हरित हाइड्रोजन बनाने के लिए विद्युत-अपघटक को बिजली नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से मिलनी चाहिएय जैसे, सौर या पवन ऊर्जा। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के नए स्रोतों की जरूरत होगी। सूक्ष्मजीवों की इलेक्ट्रोलाइटिक कोशिकाओं में हाइड्रोजन का उत्पादन करने के रोमांचक प्रयास भी चल रहे हैं।

और हरित हाइड्रोजन बनाने के लिए विद्युत-अपघटक को बिजली नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से मिलनी चाहिएय जैसे, सौर या पवन ऊर्जा। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के नए स्रोतों की जरूरत होगी। सूक्ष्मजीवों की इलेक्ट्रोलाइटिक कोशिकाओं में हाइड्रोजन का उत्पादन करने के रोमांचक प्रयास भी चल रहे हैं। इसमें विद्युत-रासायनिक रूप से सक्रिय सूक्ष्मजीव एनोड पर फलते-फूलते हैं और कृषि अवशेषों, अपशिष्ट जल जैसे कार्बनिक पदार्थों का ऑक्सीकरण करते हैं, और इस प्रक्रिया में उत्पन्न इलेक्ट्रॉनों को एनोड तक पहुंचाया जाता है। उत्प्रेरक के

तौर पर इसमें प्लैटिनम, इरिडियम जैसे महंगे पदार्थ चाहिए होते हैं। वर्तमान शोध का उद्देश्य महंगे तत्वों को निकल, कोबाल्ट, या लोहे जैसे सस्ते तत्वों से प्रतिस्थापित करना है। सस्ते हाइड्रोजन उत्पादन के शुरुआती कार्य में जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र के सीएनआर राव के समूह ने प्लैटिनम इलेक्ट्रोड के बराबर जल-अपघटन क्षमता वाले निकल-निकल हाइड्रॉक्साइड-ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड डिजाइन किए हैं। ऐसे शोध कार्यों को सौर ऊर्जा और सूक्ष्मजीव-चालित प्रक्रियाओं के साथ जोड़कर एक ऐसा ईंधन तैयार किया जा सकता है जो पर्यावरण के अनुकूल भी हो और सस्ता भी।

–डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन
(स्रोत फीचर्स)

क्रिप्टो घोटालेबाजों पर ईडी ने कसा शिकंजा

सरकार ने लोकसभा में बताया: 4190 करोड़ की संपत्ति जब्त और एक आरोपी भगोड़ा घोषित

नई दिल्ली। सरकार ने ईडी की कार्रवाई पर लोकसभा में सोमवार को आंकड़े दिए। सरकार ने बताया कि क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े मामलों में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने 4189.89 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की।

इन मामलों में एक आरोपी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी भी घोषित किया गया। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। सरकार ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि ईडी ने अब तक क्रिप्टो धोखाधड़ी से जुड़े कई मामलों की गहराई से जांच की है। इन जांचों के दौरान न केवल हजारों करोड़ की संपत्ति जब्त या फीज की गई, बल्कि 29 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। इसके अलावा, जांच एजेंसी ने 22 आरोप पत्र भी दाखिल किए। यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि सरकार वर्चुअल डिजिटल एसेट्स के दुरुपयोग को लेकर कितनी गंभीर है, विशेष रूप से तब जब हाल ही में वीडीए को पीएमएलए के दायरे में लाया गया। प्रवर्तन निदेशालय के अलावा आयकर विभाग भी क्रिप्टो निवेशकों पर पैनी नजर बनाए हुए है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने तलाशी और जब्ती अभियानों के दौरान वर्चुअल डिजिटल एसेट्स के लेनदेन से जुड़ी 888.82 करोड़ रुपये की अघोषित आय का पता लगाया। विभाग ने अनुपालन को सख्ती से लागू करने के लिए उन करदाताओं को भी रडार पर लिया है जिन्होंने अपने आयकर रिटर्न में 'शेडयूल वीडीए' के तहत सूचना नहीं दी।

■ ईडी ने अब तक क्रिप्टो धोखाधड़ी से जुड़े कई मामलों की गहराई से जांच की है

वित्त राज्य मंत्री ने बताया कि ऐसे 44057 करदाताओं को सीबीडीटी की ओर से नोटिस भेजे गए हैं, जिन्होंने वीडीए में निवेश या व्यापार तो किया, लेकिन उसकी रिपोर्टिंग नहीं की। संसद में सरकार ने साफ किया कि भारत में फिलहाल क्रिप्टो एसेट्स या वर्चुअल डिजिटल एसेट्स अनरेगुलेटेड हैं। हालांकि, सरकार वीडीए से जुड़े लेनदेन की निगरानी और जांच को मजबूत करने के लिए क्षमता बढ़ाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। पंकज चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि क्रिप्टो एसेट्स की प्रकृति सीमा रहित है, इसलिए केवल घरेलू स्तर पर नियम बनाना पर्याप्त भी नहीं होगा। नियामकीय आर्बिट्रेज को रोकने के लिए वैश्विक समन्वय की जरूरत क्रिप्टो पर नियामकीय ढांचे के भविष्य पर बात करते हुए वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि नियामकीय आर्बिट्रेज को रोकने के लिए मजबूत अंतर्राष्ट्रीय समन्वय की आवश्यकता है। नियामकीय आर्बिट्रेज एक ऐसी

म्यांमार ने साइबर अपराध के आरोपी 1178 चीनी नागरिक वापस भेजे

बीजिंग। चीन के जन सुरक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि इस महीने की शुरुआत से म्यांमार के म्यावाडी में टेलीकॉम धोखाधड़ी के मामलों में शामिल कुल 1178 चीनी नागरिकों को वापस लाया गया है। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक वीचैट अकाउंट पर एक बयान में कहा कि एक दिसम्बर से संदिग्धों को चीनी पुलिस की निगरानी में थाईलैंड के रास्ते समूहों में सौंपा गया है। यह हस्तांतरण 14 नवम्बर को चीन, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम के बीच हुई एक मंत्री स्तरीय बैठक के बाद हुआ। बैठक में शामिल देशों ने सहयोग को गहरा करने और सीमा पार टेलीकॉम धोखाधड़ी पर मिलकर कार्रवाई शुरू करने पर सहमति जताई थी।

अहमदाबाद। इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानें रद्द होने से प्रभावित हुए हवाई यात्री भारतीय रेलवे द्वारा चलाई जा रही एक विशेष ट्रेन में सवार होने की तैयारी करते हुए।

बेनिन ने नाइजीरिया की मदद से तख्तापलट की कोशिश की नाकाम

अबुजा। पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन में नाइजीरियाई सेना ने वहां के सुरक्षा बलों की सहायता करते हुए तख्तापलट की कोशिश को नाकाम किया है। बेनिन के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में बताया कि बेनिन ने नाइजीरिया से तुरंत हवाई सहायता देने और नाइजीरियाई सैनिकों को भेजने की मदद मांगी थी, ताकि देश के संविधान और संस्थाओं की रक्षा की जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बेनिन के अनुरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबु ने नाइजीरियाई सशस्त्र बलों को बेनिन में तख्तापलट की कोशिश करने वाले समूह को रोकने में मदद करने का तुरंत आदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

हम आत्मरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करेंगे: थाई प्रधानमंत्री

बैंकॉक। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने सोमवार को कहा कि कंबोडिया के साथ सीमा पर चल रही झड़पों के जवाब में थाईलैंड राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए 'आत्मरक्षा के अपने वैध अधिकार' का इस्तेमाल करेगा। चर्नविराकुल ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रस्ताव के बाद टेलीविजन पर दिए गए संबोधन में कहा कि सभी मामलों में स्थिति के अनुसार सैन्य अभियान चलाए जाएंगे। इसमें सावधानी बरती जाएगी और मानवीय सिद्धांतों का पालन किया जाएगा।

कंबोडिया के साथ ताजा सीमा संघर्ष में थाईलैंड के सैनिक की मौत

बैंकॉक। थाईलैंड की कंबोडिया से लगती विवादित सीमा पर हुई ताजा झड़प में एक थाई सैनिक की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। लंबी सीमा साझा करने वाले इन दो पड़ोसी देशों के बीच चल रहे संघर्ष ने महीनों से चले आ रहे तनाव को एक बार फिर बढ़ा दिया है। थाईलैंड की सेना ने बताया कि कंबोडियाई सैनिकों ने सोमवार तड़के उबोन रत्चथानी प्रांत में थाई सेना पर गोलीबारी की, जिसके कारण जवाबी गोलीबारी हुई जिसमें उनके एक सैनिक की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

तुर्की में 5.5 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग। तुर्की में सोमवार को 5.5 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह जानकारी जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने दी। स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 01:21 बजे आए भूकंप का केन्द्र, 92.1 किमी की गहराई पर 36.91 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 30.89 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया। भूकंप में किसी प्रकार के जानमाल का नुकसान होने की खबर नहीं है।

रोमानिया में सिउकू ने जीता बोखारेस्ट के महापौर का चुनाव

बुखारेस्ट। रोमानिया की नेशनल लिबरल पार्टी के सिप्रियन सिउकू ने बुखारेस्ट के महापौर के लिए हुए चुनाव में जीत दर्ज करते हुए राजधानी का सबसे बड़ा पद हासिल कर लिया। रोमानिया के स्थाई चुनावी प्राधिकरण के के अनुसार सभी 1289 मतदान केंद्रों की गिनती पूरी होने के बाद सिउकू को 36.16 प्रतिशत वोट मिले। बुखारेस्ट के 589000 से जयादा निवासियों ने वोट डाले, जो पंजीकृत मतदाताओं का 32.71 प्रतिशत था। सिउकू ने 2000 में राजनीति में कदम रखा था और बाद में स्थानीय प्रशासन में शामिल हो गए थे शुरू में उन्होंने स्थानीय पार्षद के तौर पर काम किया।

क्वाड के जरिये भारत से सहयोग बढ़ाने पर जोर

अमेरिकी सांसदों ने जारी किया वार्षिक रक्षा नीति विधेयक, चीन की चुनौती का सामना करने का मुद्दा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ सहयोग को व्यापक बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें क्वाड के जरिये सहयोग बढ़ाने की बात भी कही गई है, ताकि एक स्वतंत्र और खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाए रखा जा सके और चीन की चुनौती का सामना किया जा सके। सांसदों ने 2026 के वित्तीय वर्ष के लिए 'नेशनल डिफेंस आथोराइजेशन एक्ट' विधेयक जारी किया। इसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों के बारे में कांग्रेस की राय बताई गई है।

इसमें कहा गया है कि रक्षा मंत्री को ऐसे प्रयास जारी रखने चाहिए जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों को मजबूत करें, ताकि चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका का 'तुलनात्मक लाभ' बढ़ाया जा सके। इन प्रयासों में भारत के साथ क्वाड के जरिये अमेरिकी सहयोग का विस्तार शामिल है। इसमें द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग, सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार और मानवीय सहायता तथा आपदा प्रतिक्रिया में सहयोग शामिल हैं, ताकि एक स्वतंत्र और खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाए रखा जा सके। इसके अलावा, इसमें भारत के साथ समुद्री सुरक्षा पर अधिक सहयोग की संभावना पर जोर दिया गया है। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया

चीन के आक्रामक व्यवहार का सामना करने के लिए 2017 में यह समूह बनाया गया था

शामिल हैं। चीन के आक्रामक व्यवहार का सामना करने के लिए 2017 में यह समूह बनाया गया था। रक्षा नीति विधेयक में यह भी कहा गया है कि रक्षा मंत्री को विदेश मंत्री के साथ तालमेल बनाकर एक योजना बनानी चाहिए और चलानी चाहिए, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की रक्षा औद्योगिक क्षमताओं के बीच सहयोग मजबूत हो सके। यह पहल सभी देशों के रक्षा उद्योगों को मजबूत करेगी। इसमें उनकी क्षमता बढ़ाना, उत्पादन और कर्मचारियों को बढ़ाना, आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना, विभिन्न देशों की प्रणालियों को एक-दूसरे के साथ काम करने योग्य बनाना और देशों के बीच तालमेल बढ़ाना शामिल है।

6 खाड़ी देशों ने ईरान को दी चेतावनी

वाशिंगटन। गल्फ कोआपरेशन काउंसिल (जीसीसी) ने ईरान के उस बयान पर गंभीर आपत्ति जताई है, जिसमें उसने 3 विवादित आइलैंड्स पर अपना दावा पेश किया था। ईरान ने दावा किया था कि यूएई के तीन द्वीप ग्रेटर टनब, लेसर टनब और अबू मूसा उसके हैं। उसने सऊदी अरब और कुवैत के संयुक्त दुर्रा आफशोर आयल फील्ड पर अधिकार जताया था। इसके साथ ही ईरान ने बहरीन की संप्रभुता पर सवाल उठाए थे।

जीसीसी में सऊदी अरब, ओमान, यूएई, कतर, बहरीन और कुवैत शामिल हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघेई और संसदीय अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने दावा किया था कि ये आइलैंड ईरानी क्षेत्र हैं। जीसीसी के महासचिव जासेम अल-बुदैवी ने कहा कि ईरान के बयान गलत, भ्रामक और बेबुनियाद आरोपों से भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान अंतर्राष्ट्रीय नियमों के खिलाफ हैं। खास तौर पर वे नियम, जिनमें किसी देश के आंतरिक मामलों में दखल न देने और पड़ोसियों के साथ अच्छे रिश्ते रखने की बात कही गई है। अल-बुदैवी ने कहा कि ईरान की टिप्पणियां जीसीसी के उन प्रयासों को नुकसान पहुंचाती हैं, जो वह ईरान के साथ

■ यूएई के तीन द्वीप ग्रेटर टनब, लेसर टनब और अबू मूसा पर दावा पेश किए जाने से बने जंग के आसार

रिश्ते सुधारने के लिए कर रहा है। उन्होंने बताया कि खाड़ी देश हमेशा ईरान के साथ बेहतर संबंध रखना चाहते हैं और क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए सहयोग करते हैं। जीसीसी ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का पालन करने की जरूरत दोहराई। इनमें संप्रभुता का सम्मान, विवादों का शांतिपूर्ण हल और बल प्रयोग से बचना शामिल हैं। उन्होंने यह याद दिलाया कि ईरान ने जून में कतर पर हमला करके पहले भी इन सिद्धांतों का उल्लंघन किया था। अल-बुदैवी ने यह भी कहा कि जीसीसी देशों और ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच हुई बैठकों में दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय स्थिरता पर बातचीत की थी। जीसीसी ने अंत में ईरान से अपील की कि वह झूठे बयान देना बंद करे और संवाद और भरोसा बढ़ाने के प्रयासों में बाधा न डालें। ग्रेटर टनब, लेसर टनब और अबू मूसा नाम के द्वीप पर्शियन गल्फ (अरब सागर का हिस्सा) में स्थित हैं। 1971 में यूएई के गठन से ठीक पहले ईरान ने इन द्वीपों पर नियंत्रण कर लिया था।

सीरिया में शरणार्थी बने रहने को मजबूर लोग

दमिश्क। एक साल पहले बशर-अल असद की सरकार गिरने के बाद सीरिया में लंबे वक्त से चला आ रहा गृह युद्ध तो खत्म हो गया, लेकिन कई सीरियाई परिवार अब भी घर लौटने के इंतजार में हैं। इदलीब और अलेप्पो के शिविरों में सालों गुजारने के बाद जब ए परिवार अपने-अपने शहर लौट रहे हैं तो उन्हें अपने घर की जगह सिर्फ मलबे का ढेर मिल रहा है।

उनके लिए अपने शहर को पहचान पाना मुश्किल है, इसलिए यह वापसी बेमानी साबित हो रही है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की एक रिपोर्ट बताती है कि अलेप्पो की उत्तरी सीमा पर मौजूद ऐन दकनेह गांव में जो मोहल्ले कभी सैकड़ों लोगों का ठिकाना हुआ करते थे, वे अब टूटी-फूटी दीवारों, खंडहरों और मलबे के ढेर में तब्दील हो गए हैं। ऐन दकनेह के रहने वाले 40 वर्षीय यूसुफ मोहम्मद दीब तुर्किए की सीमा के करीब मौजूद बाब अल-सलाम शिविर से लौटने के बाद कहते हैं कि जब वह यहां लौटे तो उन्हें तबाही के सिवा कुछ नहीं दिखा। घर से दूर 10 साल बिताने वाले मोहम्मद दीब कहते हैं कि पूरा गांव तहस-नहस हो चुका है और

■ हमारे पास गुजारा करने के लिए कमाई का कोई जरिया नहीं है

अब वहां कुछ नहीं बचा। रहने के लिए कोई घर नहीं, और युद्ध रुकने के बावजूद भी वह एक शिविर में ही हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनआरए) के अनुसार, 30 लाख से ज्यादा सीरियाई शरणार्थी युद्ध रुकने के बाद से देश-विदेश से अपने घर लौटे हैं। वापसी के बाद हालांकि उन्हें न तो जीने लायक बुनियादी ढांचा मिला है, न विद्यालय मिले हैं, न स्वास्थ्य सेवाएं मिली हैं और न ही पर्याप्त रोजगार। शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की उप-उच्चायुक्त केली क्लेमेंट्स के अनुसार, बिजली, पानी, विद्यालय और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे जरूरी बुनियादी ढांचे में निवेश के बिना सीरिया लोगों के लौटने के बाद उनकी व्यवस्था नहीं कर पाएगा। इदलीब के रहने वाले 63 वर्षीय इल्हाम जिलाक कहते हैं कि हम अपने घर लौटना चाहते हैं, लेकिन हमारे सब घर तबाह हो चुके हैं। मैं और मेरे सब भाई बूढ़े हो चुके हैं। हमारे पास गुजारा करने के लिए कमाई का कोई जरिया नहीं है।

पीली रेखा है गाजा-इजरायल की नई सीमा: इजरायली सेना

यरुशलम। इजरायली सेना प्रमुख आयल जमीर ने कहा कि नई बनाई गई 'एलो लाइन' इजरायली गाजा पट्टी की 'नई सीमा रेखा' है। दो माह पहले 10 अक्टूबर को संघर्ष विराम के बावजूद इजरायली सेना ने गाजा के कुछ हिस्से पर अपना नियंत्रण बनाए रखा है।

इस हिस्से की सीमा को ही 'पीली रेखा' कहा जा रहा है। जमीर ने गाजा में बैत हनून और जबलिया के दौरे के दौरान कहा कि पीली रेखा एक नई सीमा रेखा है, जो हमारे समुदायों के लिए एक रक्षा पंक्ति और परिचालन गतिविधि की रेखा के तौर पर काम करती है। उन्होंने कहा कि सेना ने 'गाजा पट्टी के बड़े हिस्सों पर नियंत्रण' कर लिया है और इजरायली सेना उन इलाकों में बनी रहेगी। जमीर ने कहा कि सेना 'हमास को खुद को फिर से स्थापित करने की अनुमति नहीं देगी' और 'अचानक हमले के परिदृश्यों' के लिए तैयारी कर रही है। इसे उन्होंने सेना की आने वाली कई वर्षों की योजना का एक मुख्य आधार बताया। उन्होंने कहा कि जब तक गाजा में आखिरी मृत बंधक, पुलिस अधिकारी रैन ग्विली के अवशेषों को घर नहीं लाया जाता, तब तक मिशन पूरा नहीं होगा। हमास ने ग्विली के अलावा सभी 20 जीवित बंधकों और 27 मृत बंधकों के शवों को लौटा दिया है। इस दौरान इसरायली सैनिकों ने दर्जनों फिलिस्तीनियों की गोली मारकर यह कहते हुए हत्या की है कि वे संदिग्ध थे जिन्होंने 'पीली रेखा' पार की थी।

गाजा में इजरायली सेना ने की फलस्तीनी लड़ाकों की हत्या

गाजा। दक्षिणी गाजा के राफा के मवासी इलाके में इजरायली सेना की गोलीबारी में एक फलस्तीनी लड़की की मौत हो गई। एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि लड़की की मौत मवासी में इजरायली सेना के तैनाती क्षेत्रों के बाहर हुई। इजरायली रक्षा बलों ने कहा कि दक्षिणी गाजा में सैनिकों ने एक आतंकवादी की पहचान की, जो पीली रेखा पार कर सैनिकों के पास आया था और तत्काल खतरा पैदा कर रहा था कि और उन्होंने 'आतंकवादी को मार गिराया।' इस बीच, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि दवाओं और चिकित्सा आपूर्ति का भंडार 'विनाशकारी' शून्य स्तर पर बना हुआ है।

थाइलैंड ने की कंबोडिया पर एयर स्ट्राइक

45 दिन पहले ही ट्रम्प ने कराया था सीजफायर

वाशिंगटन। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। थाईलैंड ने एक बार फिर कंबोडिया की सीमा पर एयर स्ट्राइक की है। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों देशों के बीच युद्धविराम कराया था। इसके बाद थाईलैंड ने अब सीजफायर का उल्लंघन करते हुए एयर स्ट्राइक की है। हालांकि, दोनों देशों ने एक-दूसरे पर सीजफायर का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

एक थाई सैन्य अधिकारी ने कहा कि कंबोडियाई सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमले सोमवार सुबह हुए उस हमले का जवाब थे, जिसमें एक थाई सैनिक की मौत हो गई थी और दो अन्य घायल हुए थे। थाई सेना ने कहा कि पूर्वी प्रांत उबोन रत्चाथानी के दो क्षेत्रों में हिंसा भड़क गई थी। इसमें एक थाई सैनिक की मौत हो गई है और चार घायल हुए हैं। इसी के जवाब में थाईलैंड ने कंबोडिया पर एयर स्ट्राइक की। एक बयान में कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने हवाई हमलों की पुष्टि करते हुए कहा, 8 दिसम्बर 2025

■ पूर्वी प्रांत उबोन रत्चाथानी के दो क्षेत्रों में हिंसा भड़क गई थी

की सुबह लगभग 05:04 बजे, थाई सैन्य बलों ने प्रेह विहियर प्रांत के अन सेस क्षेत्र में कंबोडियाई बलों पर हमला किया। बयान में कहा गया कि कंबोडिया ने पलटवार नहीं किया। कंबोडिया ने यह भी कहा कि वो थाई पक्ष की ओर से की गई अमानवीय और बर्बर कार्रवाइयों की कड़े से कड़ी निंदा करता है। साथ ही कंबोडिया ने कहा कि थाईलैंड की ओर से किया गया यह हमला 26 अक्टूबर को हुए सीजफायर का उल्लंघन है। थाई सेना ने कहा कि कंबोडिया ने सोमवार तड़के लगभग 3 बजे (स्थानीय समय) थाई सीमा को निशाना बनाना शुरू किया। इसी के बाद एक अलग बयान में, कंबोडियाई सेना ने आरोप लगाया कि थाई सेना ने लगभग 5:04 बजे सुबह (स्थानीय समय) कंबोडियाई बलों पर हमला किया। दोनों देशों के बीच जुलाई में सीमा विवाद भड़क गया था। इसी के बाद 5 दिन तक दोनों के बीच युद्ध हुआ। इसी के बाद मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और ट्रम्प की मध्यस्थता में युद्धविराम समझौता हुआ। दोनों नेताओं ने अक्टूबर में कुआलालंपुर में दोनों देशों के बीच शांति समझौता कराया। दोनों देशों के बीच जुलाई में झड़पे बढ़ गई थी। दोनों पड़ोसियों ने एक दूसरे पर राकेट दागे थे। इन हमलों में कम से कम 48 लोगों की मौत हुई और लगभग 3 लाख लोग अस्थायी रूप से विस्थापित हो गए।

पुतिन के भारत दौरे पर चीन की अहम प्रतिक्रिया

विदेश मंत्रालय ने तीनों देशों के बीच सहयोग पर जोर दिया, ग्लोबल साउथ का अहम हिस्सा बताया

बीजिंग। चीन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। साथ ही तीनों देशों को ग्लोबल साउथ का अहम हिस्सा बताते हुए कहा कि अच्छे त्रिपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति-स्थिरता में सहायक साबित होंगे।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान पुतिन की यात्रा पर पहली बार प्रतिक्रिया दी। गुओ ने कहा कि चीन, रूस और भारत उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं। हम पुतिन की भारत यात्रा को बहुत करीब से देख रहे थे, हमारे रूस के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। चीन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रूस और भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। भारत दौरे से पहले एक इंटरव्यू में पुतिन ने कहा था कि भारत और चीन हमारे करीबी दोस्त हैं। हम इस रिश्ते को काफी अहमियत

■ हम पुतिन की भारत यात्रा को बहुत करीब से देख रहे थे, हमारे रूस के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं

देते हैं। भारत और चीन के रिश्ते 2020 में लद्दाख में सैनिक तनाव के बाद काफी प्रभावित हुए थे, लेकिन अब दोनों देश धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। इस पर चीन ने कहा कि वह भारत के साथ रिश्तों को लंबी अवधि और रणनीतिक दृष्टि से आगे बढ़ाना चाहता है, ताकि दोनों देशों को फायदा मिले और एशिया समेत पूरी दुनिया में शांति और समृद्धि बढ़े। चीनी मीडिया ने भी पुतिन के बयानों को प्रमुखता से दिखाया, खासकर वह हिस्सा जिसमें उन्होंने अमेरिका के आरोपों का जवाब दिया। अमेरिका कहता रहा है कि भारत रूस से बड़ी मात्रा में सस्ता तेल खरीद रहा है, लेकिन पुतिन ने इन आरोपों को खारिज किया। चीन खुद भी रूस का सबसे बड़ा तेल और गैस खरीदार है और उसने भी अमेरिका की उन मांगों को ठुकराया है, जिसमें रूस से ऊर्जा खरीद बंद करने को कहा जाता है। पुतिन 4 से 5 दिसम्बर तक भारत में थे। यह उनकी 2021 के बाद पहली भारत यात्रा थी। इस दौरान भारत और रूस के बीच कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनका उद्देश्य व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना है।